जबलपुर, नई दिल्ली एवं पटना से एक साथ प्रकाशित

www.pratahkiranlive.com

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

सुविचार

'क्षमादान बहुत मूल्यवान चीज है, पाप से घृणा करो पर पापी से नहीं.'

-महात्मा गांधी

■ वर्ष -01 ■ अंक - 255 ■ जबलपुर, सोमवार, 13 अप्रैल 2026 ■ विक्रम संवत् 2083 ■ पेज - 12 ■ मूल्य रू 04.00

92 वर्ष की उम्र में आशा भोसले ने दुनिया को कहा अलविदा

मुंबई. प्रातः किरण संवाददाता

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, पद्म विभूषण और राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित मशहूर गायिका आशा भोसले का रविवार को 92 साल की उम्र में निधन हो गया है।

करीब सात दशक तक सिनेमाई दुनिया में अपनी सुरीली आवाज का जादू चलाने वाली गायिका को कल शनिवार को तबीयत खराब होने से अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। रविवार को गायिका ने दुनिया को अलविदा कह दिया। शनिवार को गायिका की पोती जनाई भोसले ने इंस्टाग्राम लिखा था, 'अत्यधिक थकावट और सीने में संक्रमण के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आज अंतिम संस्कार

आशा भोसले का अंतिम संस्कार कल सोमवार को होगा। गायिका का पार्थिव शरीर सुबह 11 बजे लोअर परेल में उनके घर पर अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। शाम 4 बजे दादर के शिवाजी पार्क में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। यही वही जगह है, जहां उनकी बहन लता मंगेशकर का भी अंतिम संस्कार हुआ था।

शांति वार्ता विफल, समुद्री मार्ग को लेकर अमेरिका-ईरान आमने-सामने

अब होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की कड़ी जांच करेगा अमेरिका : डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन डीसी. प्रातः किरण संवाददाता

डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया है कि अमेरिकी नेवी अब होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की कड़ी जांच करेगी और जरूरत पड़ने पर उन्हें रोका भी जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि जो जहाज ईरान को टोल देकर इस मार्ग से गुजरने की कोशिश करेंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता नहीं दिया जाएगा। ट्रम्प के मुताबिक यह कदम ईरान की आर्थिक ताकत को कमजोर करने के लिए उठाया जा रहा है।

वहीं ईरान की ओर से भी सख्त प्रतिक्रिया आई है। ईरानी नेताओं का कहना है कि यह स्ट्रेट उनके नियंत्रण में है और यहां से गुजरने वाले जहाजों को ईरानी मुद्रा में टोल देना होगा। इस मुद्दे पर तनाव उस समय और बढ़ गया जब पाकिस्तान में हुई 21 घंटे लंबी अमेरिका-ईरान वार्ता बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर पूरी पारदर्शिता जरूरी है। वहीं बेंजामिन नेतन्याहू ने भी संकेत दिया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। इस बीच क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ रहा है और लेबनान में इजराइली हमले जारी हैं, जिससे हालात और गंभीर हो गए हैं।

21 घंटे बाद शांति वार्ता रही बेनतीजा

पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान के बीच 21 घंटे चली अहम वार्ता किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी। जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि ईरान परमाणु हथियार न बनाए और न ही ऐसी क्षमता विकसित करे जिससे वह जल्द हथियार बना सके। दूसरी ओर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण को लेकर झुकने के मूड में नहीं दिख रहा। इस गतिरोध के चलते क्षेत्र में तनाव और अनिश्चितता बढ़ गई है।

मिडिल ईस्ट में बढ़ती हलचल

बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान अभी जारी रहेगा। वहीं लेबनान में इजराइल के हमलों में कई लोगों की मौत की खबर है। इस बीच ईरानी नेताओं ने होर्मुज स्ट्रेट को अपनी 'रेड लाइन' बताते हुए चेतावनी दी है। लगातार बढ़ते सैन्य और राजनीतिक तनाव से पूरे मध्य-पूर्व में हालात नाजुक बने हुए हैं और किसी बड़े टकराव की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

हम मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं : पुतिन

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव और अस्थिर हालात के बीच अब रूस ने कूटनीतिक मोर्चे पर सक्रियता बढ़ा दी है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान से फोन पर बात की है। बातचीत में पुतिन ने संकेत दिया है कि रूस पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाने को तैयार है। इससे पहले शांति वार्ता के लिए पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा था।

ईरान में जासूसी के आरोप में 500 लोग गिरफ्तार

ईरान के पुलिस प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल अहमद रेजा रादान ने कहा है कि देश की पुलिस बलों ने अमेरिका-इजरायल युद्ध के दौरान दुश्मनों के साथ सूचना साझा करने के आरोप में 500 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रमुख ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों में '20 बहुत महत्वपूर्ण मामले' भी शामिल थे, जो एक जासूसी समूह के सदस्य थे जो ईरान के तीन प्रांतों में सक्रिय था और उन्होंने कहा कि समूह का भंडाफोड़ किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर के डोडा में कांपी धरती, 4.6 तीव्रता का आया भूकंप

श्रीनगर। डोडा में रविवार तड़के 4:32 बजे 4.6 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे इलाके में हलचल मच गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के

अनुसार, भूकंप मध्यम तीव्रता का था, हालांकि किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। इसी बीच म्यांमार में भी 4.0 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसकी गहराई कम होने के कारण झटकों का असर ज्यादा महसूस किया गया। विशेषज्ञों के मुताबिक, उथले भूकंप अधिक खतरनाक होते हैं क्योंकि उनकी भूकंपीय तरंगें तेजी से सतह तक पहुंचती हैं, जिससे कंपन ज्यादा तीव्र होता है। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

अरुणाचल पर चीन को भारत का सख्त जवाब, नाम बदलने की कोशिश खारिज

नई दिल्ली। भारत ने चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नाम बदलने की कोशिश को सख्ती से खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर

जायसवाल ने कहा कि ऐसे दावे भ्रामक, निराधार और पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। उन्होंने दोहराया कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और रहेगा। जायसवाल ने स्पष्ट किया कि चीन के मनगढ़ंत नाम या दावे जमीनी सच्चाई को नहीं बदल सकते। यह बयान चीन की हालिया रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें उसने क्षेत्र के कुछ हिस्सों के नए नाम जारी किए थे। भारत ने इसे राजनीतिक और भड़काऊ कदम बताते हुए अपनी क्षेत्रीय अखंडता पर किसी भी समझौते से इनकार किया है।

वृंदावन नाव हादसा : 13 की मौत, 3 लापता, 20 किमी तक सर्च जारी

मथुरा। वृंदावन में यमुना नदी में हुए दर्दनाक नाव हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 3 लोग अब भी लापता हैं। हादसा शुक्रवार को

तब हुआ, जब श्रद्धालुओं से भरी मोटर बोट तेज हवा के कारण असंतुलित होकर पांटून पुल से टकराकर पलट गई। एनडीआरएफ, सेना और स्थानीय प्रशासन की करीब 250 सदस्यीय टीम 20 किमी क्षेत्र में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है। अब तक 22 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। हाल ही में दो और शव बरामद हुए हैं। परिजनों ने लापरवाही, ओवरलोडिंग और सुरक्षा इंतजामों की कमी को हादसे का कारण बताया है। प्रशासन ने जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू, रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होंगे

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा 2026 को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। जम्मू-कश्मीर में होने वाली यह पवित्र यात्रा

3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त (रक्षा बंधन) तक चलेगी। मनोज सिन्हा कार्यालय के अनुसार, रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से शुरू होंगे, जो देशभर की 554 बैंक शाखाओं में किए जाएंगे। इस बार 'पहले आओ-पहले पाओ' आधार पर पंजीकरण होगा और बायोमेट्रिक सिस्टम से परमिट जारी किए जाएंगे। यात्रा से पहले 29 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर प्रथम पूजा होगी। 13 से 70 वर्ष आयु वर्ग के श्रद्धालु ही यात्रा कर सकेंगे, जबकि 6 सप्ताह से अधिक गर्भवती महिलाओं को अनुमति नहीं होगी। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।

बिहार में नेतृत्व को लेकर हलचल: सीएम के इस्तीफे की अटकलें

शिवराज सिंह चौहान बने ऑब्जर्वर

पटना. प्रातः किरण संवाददाता

बिहार की राजनीति में अगले कुछ दिन बेहद अहम माने जा रहे हैं। नीतीश कुमार सरकार की आखिरी कैबिनेट 14 अप्रैल को प्रस्तावित है, जिसके बाद उनके इस्तीफे की अटकलें तेज हैं। इसी बीच बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को विधायक दल की बैठक के लिए ऑब्जर्वर नियुक्त किया है। संभावित नेतृत्व को लेकर सम्राट चौधरी का नाम प्रमुख दावेदार के रूप में उभर रहा है। वहीं जेडीयू के भीतर भी रणनीति पर चर्चा जारी है। पार्टी नेताओं का कहना है कि भले ही नीतीश कुमार

मुख्यमंत्री न रहें, लेकिन उनकी भूमिका प्रभावी बनी रहेगी। दो डिप्टी सीएम फॉर्मूले पर भी विचार हो रहा है, जिसमें विजय कुमार चौधरी और निशांत कुमार के नाम सामने आ रहे हैं।

सियासी संकेत

जेडीयू नेता संजय झा ने पार्टी में टूट की आशंकाओं को खारिज किया है और कहा कि नीतीश कुमार बिहार की राजनीति में सक्रिय रहेंगे। वहीं, तेजस्वी यादव के दावों पर पलटवार करते हुए उन्होंने विपक्ष को अपने घर संभालने की सलाह दी। सूत्रों के मुताबिक, जेडीयू भविष्य की रणनीति में संतुलन बनाकर चलना चाहती है। दो डिप्टी सीएम का फॉर्मूला इसी दिशा में एक कदम माना जा रहा है।

हिंदू समाज में गुलामी का प्रमुख कारण एकता में कमी: भागवत

निजामाबाद/तेलंगाना. एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू समाज में एकता की कमी देश की बार-बार गुलामी का प्रमुख कारण रही है। उन्होंने बताया कि केशव बलिराम हेडगेवार ने इसी कमजोरी को दूर करने और देश को स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से आरएसएस की स्थापना की थी।

भागवत ने कहा कि हेडगेवार ने महसूस किया था कि समस्या केवल बाहरी ताकतों की नहीं, बल्कि समाज के भीतर की कमजोरियों की भी है। उन्होंने

हिंदुत्व को सह-अस्तित्व, अपने मार्ग पर चलने और सभी का सम्मान करने की भावना बताया। कंडाकुर्थी गांव में स्फूर्ति केंद्र के उद्घाटन पर उन्होंने कहा कि यह स्थान समाज को मजबूत और राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करेगा।

डिंडोरी : पंचर गाड़ी के पास खड़े लोगों को ट्रक ने कुचला, पांच की मौत

जबलपुर. प्रातः किरण संवाददाता

डिंडोरी जिले में रविवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। घटना गड़ासराय थाना क्षेत्र के किकरातालाब गांव के पास जबलपुर-अमरकंटक हाईवे पर रात करीब एक बजे हुई। पुलिस के अनुसार, पिकअप वाहन का टायर पंचर होने पर चालक ने गाड़ी सड़क किनारे रोकी और टायर बदलने लगा। इसी दौरान वाहन में सवार अन्य लोग भी नीचे उतरकर पास खड़े हो गए। तभी तेज रफ्तार ट्रक ने सभी को कुचल दिया। हादसा इतना भयानक था कि पांच लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। प्राथमिक जांच में ट्रक चालक को झपकी आने की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने चालक को किया गिरफ्तार

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि ट्रक चालक को झपकी आ गई थी, जिसके कारण वह सड़क पर खड़े लोगों को देख नहीं पाया। हालांकि चालक का यह भी दावा है कि पीड़ित सड़क के बीचों-बीच खड़े थे, जिससे हादसा टालना संभव नहीं हो सका। फिलहाल पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

बस ने पिकअप को उड़ाया, 13 लोगों की हुई मौत

पटना। बिहार के कटिहार के एनएच-31 पर शनिवार शाम भीषण सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, असम से लौट रही 'न्याय रथ' बस का चालक शराब के नशे में तेज रफ्तार से वाहन चला रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डेढ़ किलोमीटर के भीतर बस कई बार बेकाबू हुई, लेकिन चालक नहीं रुका। यात्रियों की चेतावनी के बावजूद बस करीब 100 किमी/घंटा की रफ्तार से दौड़ती रही और सामने से आ रही पिकअप को टक्कर मार दी। हादसे में अधिकांश महिलाएं शामिल हैं। यह बस सेवा पहले भी हादसों में घिर चुकी है। घटना ने हाईवे सुरक्षा और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, जबकि मुआवजे का ऐलान किया गया है।

सीएम डॉ. मोहन यादव का रोड शो

सीहोर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को आष्टा में रोड शो कर जनता का अभिवादन किया।

आरोप — इंदौर नगर निगम विवाद से गरमाई राजनीति

भाजपा असली मुद्दों से ध्यान भटका रही : जीतू पटवारी

इंदौर. प्रातः किरण संवाददाता

मध्य प्रदेश में 'वंदे मातरम' को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। इंदौर नगर निगम में कांग्रेस पार्षद द्वारा राष्ट्रगीत गाने से इनकार के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस से कार्रवाई या इस्तीफे की मांग की। उन्होंने इसे पार्टी के चरित्र से जोड़ा। वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस को बीजेपी से देशभक्ति का प्रमाणपत्र नहीं चाहिए। उन्होंने मामले को अनुशासन समिति को सौंपने की बात कही और आरोप लगाया कि भाजपा असली मुद्दों से ध्यान भटका रही है। विवाद के बाद प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है।

पूरी प्रदेश कांग्रेस इकाई दे इस्तीफा : सीएम यादव

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस अपने पार्षदों पर कार्रवाई नहीं कर सकती, तो पूरी प्रदेश इकाई को

इस्तीफा दे देना चाहिए। यादव ने इसे कांग्रेस के 'दोहरे चरित्र' का उदाहरण बताया और राष्ट्रीय नेताओं से भी जवाब मांगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पहले भी 'वंदे मातरम' को लेकर विवाद खड़ा करती रही है और आज भी उसी सोच पर कायम है।

राष्ट्रगीत और संविधान कांग्रेस की आत्मा : पटवारी

जीतू पटवारी ने भाजपा पर मुद्दे को सांप्रदायिक रंग देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगीत और संविधान कांग्रेस की आत्मा हैं, लेकिन पार्टी को देशभक्ति का प्रमाणपत्र देने का अधिकार भाजपा को नहीं है। पटवारी ने माना कि पार्षद का रुख उचित नहीं था, इसलिए मामला अनुशासन समिति को सौंप दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा इस विवाद के जरिए इंदौर की स्थानीय समस्याओं, जैसे दूषित पानी और भ्रष्टाचार से ध्यान भटकाना चाहती है।

क्या है पूरा विवाद

इंदौर नगर निगम में बजट चर्चा के दौरान कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम ने धार्मिक मान्यताओं का हवाला देते हुए 'वंदे मातरम' गाने से इनकार कर दिया। उनके इस रुख का समर्थन निर्दलीय पार्षद रुबीना इकबाल खान ने भी किया। अलीम का कहना था कि संविधान उन्हें धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है और उन्हें राष्ट्रगीत गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। इस बयान के बाद मामला तेजी से राजनीतिक रंग ले गया और भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने आ गई।

एमपी नगर में ट्रांसफॉर्मर की स्पार्किंग से फॉर्च्यूनर कार बनी आग का गोला

भोपाल. प्रातः किरण संवाददाता

भोपाल। एमपी नगर जोन-2 में रविवार सुबह ट्रांसफॉर्मर में आग लगने से जोरदार ब्लास्ट हो गया, जिसकी चपेट में खड़ी फॉर्च्यूनर कार आकर आग का गोला बन गई।

घटना सुबह करीब 10:35 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पहले ट्रांसफॉर्मर में स्पार्किंग हुई, फिर धमाका हुआ और तेल होने के कारण आग तेजी से फैल गई। पास खड़ी कार और सटी हुई बिल्डिंग भी इसकी चपेट में आ गई, जिससे ग्राउंड फ्लोर का गेट जल गया और पूरी बिल्डिंग में धुआं भर गया। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने समय रहते आग पर काबू

पा लिया। पुलिस के अनुसार कोई जनहानि नहीं हुई, मामले की जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. गीता पांडेय को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

जबलपुर, प्रातःकिरण। साहित्यकार, कवित्री डॉ. गीता पांडे बेबी को ग्लोबल इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी यूएसए द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि उनके साहित्य मानवता एवं समाज सेवा के लिए प्रदान की गई। दिव्या प्रेरक कहानियां अनुसंधान समाज के मुख्य प्रबंधक डॉ. अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में एक्सीलेंस ए प्लस की कैटेगरी में शोध पूर्ण का सबमिट करने के पश्चात कॉपी राइट व रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट भी दिया गया। यह उपाधि डॉ. गीता पांडे बेबी को वलसाड़ गुजरात में स्थित हार्ट फुलनेस सेंटर मेडिटेशन व योगा केंद्र में आयोजित कार्यक्रम केंद्र निर्देशक डॉ. हीरेन शाह, डॉ. डीआर देवाला, डॉ अभिषेक कुमार, डॉ विनय श्रीवास्तव द्वारा प्रदान किया गया है।

सिहोरा में जल संरक्षण एवं पारंपरिक जल स्त्रोतो को पुनर्जीवन की शुरूआत

नगर पालिका परिषद सिहोरा द्वारा मिलिट्री पड़ाव स्थित ऐतिहासिक प्राचीन बावड़ी के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू किया गया

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना जलसंचय जन भागीदारी 2.0 के सफल क्रियान्वयन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए जिला प्रशासन द्वारा सिहोरा में जल संरक्षण एवं पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन हेतु एक महत्वपूर्ण पहल सुनिश्चित की गई है। कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह के निर्देशों के परिपालन में तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक गहलोत के कुशल मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती ज्योति परस्ते के प्रत्यक्ष निर्देशन में नगर पालिका परिषद सिहोरा द्वारा मिलिट्री पड़ाव स्थित ऐतिहासिक प्राचीन बावड़ी के जीर्णोद्धार का कार्य विधिवत प्रारंभ कर दिया गया है। नगर पालिका परिषद सिहोरा की अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे के नेतृत्व में संचालित इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य प्राचीन जल संरचनाओं की पारिस्थितिक उपयोगिता को पुनः स्थापित करना है। इस जीर्णोद्धार प्रक्रिया के अंतर्गत बावड़ी की व्यापक साफ-सफाई, संचित गाद के निष्कासन तथा आवश्यक संरचनात्मक मरम्मत के कार्य संपादित किए जा रहे हैं ताकि वर्षा जल का प्रभावी संचयन सुनिश्चित हो सके और क्षेत्र के भूजल स्तर में गुणात्मक सुधार लाया जा सके। इस पुनीत कार्य में स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न समाजसेवियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराते हुए जन भागीदारी की मिसाल पेश की है। कार्यक्रम स्थल पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी जयश्री चौहान एवं परियोजना नोडल अधिकारी नमन श्रीवास्तव सहित निकाय के समस्त कर्मचारियों ने स्वयं श्रमदान कर इस अभियान को गति प्रदान की। प्रशासन द्वारा जनसामान्य में जल संरक्षण के प्रति चेतना जागृत करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं ताकि प्रत्येक नागरिक अपने आसपास के जल स्त्रोतों के संरक्षण के प्रति उत्तरदायी बन सके।

तीखी बात

राजनीति में महिलाओं की बढ़ेगी साझेदारी

महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि उनके वोट के बगैर सरकार नहीं बन सकती। उनकी शक्ति का अहसास हर राजनीति पार्टी को है। इसलिए चुनाव के समय उनके वोट को साधने महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं शुरू करने के लिए राजनैतिक दल बाध्य हो गए हैं। महिला वोट की शक्ति से जब सरकारें बन सकती हैं तो राजनीति में उनकी साझेदारी क्यों न बढ़े। मध्यप्रदेश, दिल्ली, बिहार के विधानसभा चुनाव हों या पिछला लोकसभा चुनाव, सभी चुनावों में महिला वोटर्स का अहम योगदान रहा है। महिला वोटर्स की भागीदारी पिछले चुनावों की तुलना में बढ़ी है। उनके वोट के दम पर सरकारें बनी हैं। लोकसभा में महिला आरक्षण को जल्द लागू करने अब केंद्र सरकार पहल कर रही है। केंद्र सरकार यह दिखाना चाहती है कि वह महिलाओं के अधिकार के प्रति गंभीर है। लोकसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने के लिए विधेयक लाने की तैयारी की जा रही है। इससे सभी राज्यों में सीटें बढ़ जाएंगी। मध्य प्रदेश में वर्तमान में लोकसभा की 29 सीटें हैं जोकि आरक्षण के बाद बढ़ जाएंगी। विधानसभा चुनाव में भी इसे लागू किया जाएगा तो वहां भी सीटों की संख्या बढ़ जाएगी। इससे विधानसभा क्षेत्रों की संख्या भी बढ़ेगी। राजनीति में सक्रिय महिलाएं इस संभावित विधेयक को लेकर उत्साहित हैं। अभी राजनीति में उनको मौके कम मिल रहे थे। जब यह बिल पास हो जाएगा तो उनके लिए संभावनाओं के द्वार खुल जाएंगे। इसकी आहट से ही राजनीति में सक्रिय महिलाओं ने अभी से अपने लिए जगह तलाश करना शुरू कर दी है। आगे की संभावनाओं को देखते हुए उस क्षेत्र पर अपनी उंगली रख दी है कि इस पर अब कोई और नजर न डाले।

कुछ तो सम्मान दिखा दीजिए

शहर कांग्रेस कमेटी ने अपनी कार्यकारिणी घोषित कर दी है। वैसे भी कांग्रेस से ऐसी उम्मीद तो कम ही कि विवाद पैदा न हो। यहां भी ऐसा ही हुआ। इसकी मिसाल सोशल मीडिया पर देखी जा सकती है। सोशल मीडिया पर लिस्ट है और उस पर कटाक्ष जारी है। मिसाल के तौर पर विशेष आमंत्रित सदस्य की लिस्ट को ही ले लीजिए, इसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ जूनियर्स को भी रख दिया है। विशेष आमंत्रित सदस्य तो वे होते हैं जोकि बहुत ही अनुभवी होते हैं जिनसे शहर अध्यक्ष विभिन्न अवसरों पर सलाह ले सकते हैं। क्या इस लिस्ट से ऐसा संभव दिख रहा है। क्या वरिष्ठ नेताओं और जूनियर्स को एक साथ बिठा सकेंगे। इसके मायने तो यह हैं कि कांग्रेस कमेटी को विशेष आमंत्रित सदस्यों के प्रोटोकाल का भी ख्याल नहीं है। इस लिस्ट के अलावा कार्यकारिणी की अन्य लिस्ट में जो पद दिए गए हैं उनसे भी कांग्रेस पदाधिकारी असंतुष्ट हैं और पदों से त्यागपत्र दे रहे हैं। ऐसा लगता है कि संगठन सृजन का कान्सेप्ट अभी तक खुद कांग्रेस नेता नहीं समझ सके हैं। यदि समय रहते कांग्रेस अपने अंदरूनी झगड़ों से बाहर नहीं निकली तो 2028 के विधानसभा चुनाव में इसका असर निश्चित तौर पर पड़ेगा।

-राजीव उपाध्याय

स्कूटी बनी तस्करी का जरिया, पुलिस ने 30 हजार की शराब जब्त की

शराब माफियाओं पर शिकंजा चरगंवा पुलिस की दबंग कार्रवाई

जबलपुर प्रातःकिरण संवाददाता

जबलपुर जिले के चरगंवा थाना क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर पुलिस ने एक बार फिर सख्त कार्रवाई करते हुए तस्करों को करारा संदेश दिया है। लगातार चलाए जा रहे अभियान के तहत चरगंवा पुलिस ने घेराबंदी कर एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से लगभग 30 हजार रुपये की अवैध शराब बरामद की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना प्रभारी अभिषेक प्यासी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति जबलपुर से भारी मात्रा में अवैध शराब लेकर भीकमपुर की ओर सप्लाई करने जा रहा है।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की योजना बनाई और संभावित मार्गों पर नजर रखते हुए टीम तैनात कर दी। इलाके में चारों तरफ से घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन की तलाश शुरू की गई।कुछ ही देर बाद एक संदिग्ध स्कूटी पुलिस के निशानदेही वाले स्थान पर पहुंची। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए

स्कूटी को रोका और सघन तलाशी ली। तलाशी के दौरान स्कूटी से कुल 314 पाव अवैध शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 30 हजार रुपये बताई जा रही है।पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम लक्ष्मण पिता कालूराम बर्मन (26 वर्ष), निवासी भीकमपुर बताया। मौके पर ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इस कार्रवाई में पुलिस टीम के सदस्य दिनेश मेजर और सुरेश आरक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनकी सतर्कता और मुस्तैदी के चलते ही यह सफलता संभव हो पाई। पुलिस अधिकारियों ने टीम के प्रयासों की सराहना की है।वहीं, पुलिस अब इस मामले को केवल एक गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रख रही है, बल्कि पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गई है। यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी शराब कहां से लाता था और इस अवैध कारोबार में किन-किन लोगों की संलिप्तता है।

चरगंवा पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि जिले में अवैध गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी इस तरह की सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

भगवान परशुराम जयंती शोभायात्रा के पत्रक पूजन संपन्न

जबलपुर, प्रातःकिरण। गोसलपुर सर्व ब्राह्मण सभा द्वारा भगवान परशुराम जयंती के भव्य शोभायात्रा का ऐतिहासिक आयोजन किया गया है समिति के अध्यक्ष महेश तिवारी ने बताया कि आज राधा कृष्ण कुटी रामसागर में नगर के वरिष्ठ पुरोहित शंकरलाल तिवारी ने वैदिक मंत्रों के साथ विधि विधान से हवन आरती के साथ भगवान विष्णु के छठे अवतार ऋषि जमदग्नि के पुत्र परसराम जयंती शोभायात्रा के पत्रक का पूजन किया गया, ग्राम गोसलपुर में परशुराम जयंती के अवसर पर विगत अनेक वर्षों से भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी में 19 अप्रैल रविवार वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया तिथि को राम सागर तालाब के पास राधा कृष्णन कुटी से समस्त ब्राह्मण बंधु एकत्रित होकर हाथ में फरसा,भगवान ध्वज और भगवान परसराम जी की जयकारों के साथ जन सैलाब नगर भ्रमण के लिए रवाना होंगे, कार्यक्रम के दौरान नगर की गणमान्य जन भी भगवान परशुराम की चल समारोह में सम्मिलित होंगे। शोभायात्रा के पश्चात समस्त क्षेत्रवासियों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष महेश तिवारी, एनके शुक्ला, राम निरंजन दुबे, लक्ष्मण पालीवाल, मोहित तिवारी, रमेश चंद्र शुक्ला, रमन मिश्रा, भुवनेश तिवारी, इंद्र कुमार उपाध्याय, अर्पित चौबे, प्रीति पालीवाल, जितेंद्र पांडे, एसके तिवारी, मोंटी दुबे, रवि तिवारी, स्वतांक पालीवाल, कुलदीप अवस्थी, अतुल अवस्थी आदि उपस्थित रहे।

ड्यूटी के दौरान गार्ड मौत

जबलपुर, । के गोराबाजार थाना क्षेत्र में एक फाइनेंस कंपनी में तैनात सुरक्षा गार्ड की ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। गार्ड ड्यूटी करते समय बेहोश होकर गिर पड़ा, जिसे आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

बिना किसी रुकावट के होगी रसोई गैस की आपूर्ति

पेट्रोलियम मंत्रालय ने दिलाया भरोसा, जिम्मेदारी से इस्तेमाल की अपील

● जबलपुर,प्रात :किरण संवाददाता।

देश में रसोई गैस की निर्बाध उपलब्धता बनाए रखने के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में पूरे भारत में एलपीजी का भंडार पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और वितरण नेटवर्क पूरी मजबूती के साथ कार्य कर रहा है। नागरिकों को यह भरोसा दिलाया गया है कि आपूर्ति श्रृंखला में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं है, इसलिए उपभोक्ता घबराहट में आकर अतिरिक्त सिलेंडर की बुकिंग या जमाखोरी न करें। सरकार निरंतर आपूर्ति व्यवस्था की निगरानी कर रही है ताकि हर घर तक रसोई गैस समय पर

डिजिटल बुकिंग से प्रबंधन में आसानी

आधुनिक तकनीक के समावेश से रसोई गैस बुकिंग की प्रक्रिया में क्रांतिकारी बदलाव आया है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार अब लगभग 95 फीसदी उपभोक्ता अपनी बुकिंग के लिए डिजिटल माध्यमों का चुनाव कर रहे हैं। इसमें आईवीआरएस, एसएमएस, व्हॉट्सऐप और विभिन्न मोबाइल एप्लीकेशन का प्रमुखता से उपयोग किया जा रहा है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के इस बढ़ते रुझान ने न केवल वितरण केंद्रों पर लगने वाली भीड़ को कम किया है, बल्कि पूरी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बना दिया है।

जिम्मेदारी के साथ उपयोग करने की सलाह

आपूर्ति की स्थिरता के बीच मंत्रालय ने आम जनता से एलपीजी का उपयोग जिम्मेदारी से करने का आग्रह किया है। उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे बुकिंग के लिए उपलब्ध सरल डिजिटल तरीकों को ही प्राथमिकता दें। इससे वितरण केंद्रों पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ता और सेवा की गुणवत्ता बनी रहती है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग से भविष्य की जरूरतों को बिना किसी व्यवधान के पूरा किया जा सकेगा। निगरानी दल नियमित रूप से जमीनी स्तर पर वितरण स्थिति का जायजा ले रहे हैं।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में युकां का प्रदर्शन आज

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में 13 अप्रैल को संस्कारधानी में केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों तथा प्रस्तावित भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में एक विशाल आमसभा एवं विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। पत्रकारों को जानकारी देते हुए मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी शिवि सिंह चौहान एवं प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया ने बताया कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका ट्रेड डील भारतीय किसानों, लघु उद्योगों एवं स्थानीय व्यापारियों के हितों के खिलाफ है। यह समझौता देश की आर्थिक संप्रभुता को कमजोर कर सकता है। बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी देश में लगातार बढ़ती महंगाई, गैस सिलेंडर, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतें तथा आवश्यक वस्तुओं की कमी ने आम जनता का जीवन अत्यंत कठिन बना दिया है। राष्ट्रीय नेतृत्व की भागीदारी युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब स्वयं इस आंदोलन का नेतृत्व करने जबलपुर पहुंचेंगे, जो इस मुद्दे की गंभीरता को दर्शाता है। कार्यक्रम का विवरण 13 अप्रैल को प्रात 11 बजे सिविक सेंटर में एक विशाल आमसभा आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात हजारों कार्यकर्ताओं के साथ कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा तथा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया ने कहा कि प्रदेश का युवा अब चुप नहीं बैठेगा। केंद्र सरकार विदेशी कंपनियों एवं अपने सहयोगियों को लाभ पहुंचाने के लिए देश के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

प्रतिभावान बच्चों की सांस्कृतिक की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। अनंत ब्राहमण महासभा द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पूर्व लगातार द्वितीय वर्ष विभिन्न स्कूलों के प्रतिभावान बच्चों द्वारा भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता से संबंधित शहीद स्मारक में विभिन्न सांस्कृतिक कार्य म प्रस्तुत किये गये। संस्था के संस्थापक अधिवक्ता अखिलेश उपाध्याय ने बताया कि कार्य म में विभिन्न हिन्दू संगठनों का उल्लेखनीय कार्यों के लिये सम्मान किया गया। जबलपुर के मातृशक्ति संगठनों का भारतीय समाज में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिये सम्मान किया गया। संस्था के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. अरुण पाण्डे ने बताया कि महानगर इकाई एवं महानगर महिला इकाई का विस्तार करते हुये जनवरी में संगठन के उद्देश्यों के लिये संगठन का विस्तार किया गया। कार्य म में उपस्थित सभी स्कूलों के प्राचार्यों एवं आचार्यों का सम्मान किया गया। कार्य म के सफल संचालन में एड. ओपी मिश्रा, पं. एसके पचौरी, पं. र`श पाण्डे, पं. वीपी शुक्ला, आरती दीक्षित, मंजू दुबे, रंजना तिवारी आदि उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य के लिए महिला रेलकर्मियों का सम्मान

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। पश्चिम मध्य रेल महिला कल्याण संगठन जबलपुर मंडल द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्य म में 15 महिला कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्य म में पश्चिम मध्य रेल महिला कल्याण संगठन जबलपुर मंडल की अध्यक्षा पूनम खत्री तलरेजा, उपाध्यक्ष आभा रानी आनंद, सचिव निकिता सिन्हा, मरियम खान, दर्शिता श्रीवास्तव, सुचिता चौहान, सीमा पांडे एवं सुधा तिवारी की उपस्थिति में सफल आयोजन हुआ।

सनसनीखेज हत्याकांड:चाची से अवैध संबंध के संदेह में युवक की जान ली

साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से उसके शव को नदी में प्रवाहित कर दिया था, मुख्य आरोपी और उसके साथी को गिरफ्तार

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता

कुंडम थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग और संदेह के चलते एक युवक की नृशंस हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने गुमशुदगी की कड़ियां जोड़ते हुए इस अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझा लिया है। इस वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों ने युवक को मौत के घाट उतारने के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से उसके शव को नदी में प्रवाहित कर दिया था। कुंडम पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मुख्य आरोपी और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है।

संदेह ने ली युवक की जान

परियट स्थित एक डेयरी में कार्य करने वाले दिलीप नाम के युवक की हत्या का मुख्य कारण संदेह रहा। पुलिस जांच में यह तथ्य सामने आया कि मुख्य आरोपी को अपनी चाची और दिलीप के बीच अवैध संबंधों का गहरा शक था। इसी शक के चलते आरोपी ने दिलीप को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। घटना वाले दिन जब दिलीप अपनी महिला मित्र से मिलने उसके गांव पहुंचा, तब उसे इस बात का आभास भी नहीं था कि वहां उसकी जान लेने के लिए पहले से ही घेराबंदी की गई है।

पत्थरों से कुचलकर की गई निर्मम हत्या

आरोपियों ने पुलिसिया पूछताछ में अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि जैसे ही दिलीप गांव पहुंचा, उसे चारों तरफसे घेर लिया गया। आरोपियों ने पहले उस पर जानलेवा हमला किया और फिर भारी पत्थरों से उसका सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी। हत्या की यह वारदात इतनी वीभत्स थी कि इसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया। आरोपियों ने पहचान छिपाने और कानून की गिरफ्त से बचने के लिए दिलीप के शव को पास ही बहने वाली नदी में फेंक दिया ताकि पानी के बहाव के साथ शरीर और अन्य सबूत नष्ट हो जाएं।

कॉल डिटेल्स से खुल गया राज

दिलीप के लापता होने के बाद कई दिनों तक उसका कोई सुराग नहीं मिला था। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तकनीकी साक्ष्यों और कॉल डिटेल्स को खंगालना शुरू किया। संदेहियों को हिरासत में लेकर जब कड़ाई से पूछताछ की गई, तो शुरुआत में उन्होंने पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। हालांकि, कुंडम पुलिस की सख्ती और वैज्ञानिक जांच के सामने आरोपियों के हौसले पस्त हो गए और उन्होंने अपना गुनाह स्वीकार करते हुए वह स्थान भी बताया जहां शव को ठिकाने लगाया गया था।

हत्या का मामला दर्ज,जांच जारी

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध हत्या और साक्ष्य छिपाने की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस घटना ने सामाजिक रिश्तों की मर्यादा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जहां महज शक के आधार पर एक भतीजे ने एक बाहरी युवक की हत्या कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बिना किसी प्रत्यक्ष गवाह के इस जटिल मामले को सुलझाने वाली टीम की सराहना की है। फिलहाल पुलिस इस साजिश में शामिल अन्य संभावित कड़ियों की जांच कर रही है ताकि न्याय सुनिश्चित किया जा सके।सुरों में बसकर अमर हुई

आशा भोंसले को भावपूर्ण श्रद्धांजलि: शहर के जाने माने साहित्कार पंकज स्वामी ने निधन पर जताया शोक

न कभी आईं शहर में, फिर भी जबलपुर का हर कोना गुनगुनाता है आशा ताई को, सुरों में बसकर अमर हुईं

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता

आशा भोंसले का 12 अप्रैल को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर जैसे ही फैली वैसे ही मीडिया में आशा भोंसले को लेकर फाइलें खोजी जाने लगी। जबलपुर का मीडि?या उनके जबलपुर के रिश्तों को लेकर खोजबीन करने लगा। यह सत्य है कि आशा भोंसले का जबलपुर से कोई संबंध नहीं रहा। न तो वे और न ही लता मंगेशकर कभी जबलपुर आई और न ही उन्होंने यहां कोई उन्होंने लाइव कंसर्ट किया। जबलपुर में दोनों बहिनों का लाइव कंसर्ट करवाना किसी के वश में नहीं था और न ही किसी की हैसियत थी। अलबत्ता जबलपुर और आशा भोंसले का अनोखा संबंध रहा है। आशा भोंसले जिन्हें फिल्म इंडस्ट्री आशा ताई के नाम से ज्यादा जानती-पहचानती व पुकारती थी वे अपनी बड़ी बहिन लता मंगेशकर की तुलना में कहीं ज्यादा बहुमुखी और मिलनसार थीं।दरअसल जबलपुर की फिल्म प्रेमी लोग अपने मनपसंद कलाकारों की फिल्मों को देखने के साथ फिल्मों के गीतों को सुनने के लिए टॉकीज जाया करते थे। इन गीतों में अधि?कांश आशा भोंसले के गाए गीत रहते थे। वह ज़माना सिंगल स्क्रीन का था। उस समय गानों को सुनने का जरिया रेडि?यो था या लोग टॉकीज में लगी फिल्म में जाया करते थे। कुछ लोग तो आशा भोंसले के गाए गानों के इतने शौकीन थे कि उन्हें जानकारी रहती थी कि किस शो में कितने बजे वह गीत पर्दे पर दिखेगा। गानों के शौकीन गेटकीपर से जुगाड़ करके टॉकीज में प्रविष्ट होकर अपना मनपसंद गीत सुन लेते और खत्म होते ही बाहर निकल आते थे। उस समय अखबारों में फिल्म के विज्ञापन में कलाकारों के परिचय के साथ उस फिल्म के लोकप्रिय गीतों का विवरण रहता था। उस ज़माने को याद करें तो जबलपुर के फिल्मों के शौकीन लोगों ने आशा भोंसले के गाए गानों के कारण फिल्में देखी हैं। याद करें तो आशा भोंसले के गाए गीत यादों

की बारात का चुरा लिया है तुमने जो दिल को, हरे राम हरे कृष्ण फिल्म का कल्ट क्लासिक गीत दम मारो दम, अपना देश फिल्म का दुनिया में लोगों को, जानी मेरा नाम फिल्म का हुस्न के लाखों रंग, कारवां फिल्म का पिया तू अब तो आ जा, डॉन फिल्म का ये मेरा दिल यार का दीवाना, मेरा साया का झुमका गिरा, किस्मत फिल्म का आओ हुजूर तुमको, उमराव जान के इन आंखों की मस्ती व दिल क्या चीज़ है खूब देखे गए और लाउड स्पीकरों में खूब बजे हैं। टॉकीजों में इन गीतों के आते ही लोग डांस करने लगते थे। टॉकीज के भीतर पूरा माहौल जबर्दस्त हो जाता था। कोई भी मौका हो लाउड स्पीकर लगता था और जो गाने बजाए जाते थे उसमें सर्वाधि?क आशा भोंसले के गीत होते थे। यहां जिन गीतों का जिक्र किया गया है वह आशा भोंसले के लोकप्रिय गीत हैं लेकिन सातवें दशक में हम किसी से कम नहीं फिल्म के है अगर दुश्मन, मिल गया हमको साथी मिल गया, हमको तो यारा है तेरी यारी और ये लड़का है अल्लाह कैसा है दीवाना फिल्म रिलीज होने के वर्ष से लेकर सालों तक बजते रहे।जबलपुर में आशा भोंसले के गानों की इतनी धूम रहती थी कि होली या अन्य मस्ती के समय गानों के साथ लोग जिन अभिनित्रयों पर गाने को फिल्माया गया था, उनकी अदा को हूबहू प्रदर्शि?त करते हुए नृत्य करते थे। आज भी ऐसे दृश्य कभी कभार देखने को मिल जाते हैं।खैर यह बात तो आशा भोंसले के लोक्रिपय गीतों की है लेकिन इज़ाजत फिल्म में उनके गाए गीत मेरा कुम सामान और लगान फिल्म का गीत राधा कैसे ना जले को संगीत मर्मज्ञ ज्यादा बेहतर मानते हैं। संगीतकारों का मानना है कि आशा भोंसले के गैर फिल्मी गीत अद्भुत हैं। भले ही आशा भोंसले सिर्फ देह से मुक्त हुई हैं, आत्मा उनकी आवाज में है। और सुरीली होकर कानों में गूँजती रहेगी। जबलपुर की पीढ़ि?यां उनके गीतों को गुनगुनाएगी और शौकीन लोग उन पर नृत्य करके आशा भोंसले को याद करेंगे।

विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति के लिये आवेदन आमंत्रित

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। राज्य शासन द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिये संचालित विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। सहायक आयुक्त जनाजातीय कार्य विभाग जबलपुर सी के दुबे से प्राप्त जानकारी के अनुसार योजना के अंतर्गत विदेश में उच्च शिक्षा यथा शोध उपाधि उपरांत अध्ययन, पीएचडी एवं स्नातकोतर करने हेतु चयनित अभ्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी। छात्रवृत्ति के लिए वर्ष 2026-27 में स्लॉटों की संख्या 50 निर्धारित की गई है। सहायक आयुक्त ने बताया कि योजना का लाभ लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिये आवेदन पत्र का प्रारूप एवं विस्तृत जानकारी जनजातीय कार्य विभाग के पोर्टल पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि योजना अंतर्गत अभ्यर्थियों का चयन वर्तमान प्रचलित योजना नियमों में प्रावधान अनुसार किया जायेगा। योजना के बारे में विस्तृत जानकारी जनजातीय कार्य विभाग की वेबसाइट पर प्राप्त की जा सकती है।इसके लिये जिले के सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास अथवा जिला संयोजक जनजातीय कार्य या आयुक्त जनजातीय कार्य, अरेरा हिल्स, भोपाल से भी संपर्क किया जा सकता है।

पटना-पुणे एक्सप्रेस से आरपीएफजीआरपी ने किया 167 मुस्लिम बच्चों का रेस्क्यू हुआ

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता

मानव तस्करी की सूचना पर कार्रवाई

पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेल मंडल के कटनी रेलवे स्टेशन पर शनिवार 11 अप्रैल की देर रात पटना-पुणे एक्सप्रेस से 167 मुस्लिम बच्चों को रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रेस्क्यू किया गया। खुफिया सूचना के आधार पर हुई इस कार्रवाई के बाद मानव तस्करी की आशंका जताई जा रही है। संदेह है कि इन बच्चों को बिहार से महाराष्ट्र काम कराने के उद्देश्य से ले जाया जा रहा था।कटनी आरपीएफ थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह के मुताबिक सूचना मिली थी कि पटना-पुणे एक्सप्रेस में बड़ी संख्या में बच्चों को संदिग्ध परिस्थितियों में ले जाया जा रहा है। ट्रेन के कटनी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर पहुंचते ही आरपीएफ जीआरपी, महिला एवं बाल विकास विभाग और बाल संरक्षण अधिकारियों की संयुक्त टीम ने घेराबंदी की। टीम ने बोगियों से सभी 167 बच्चों को सुरक्षित नीचे उतारा। पूछताछ में सामने आया है कि अधिकांश बच्चे बिहार के रहने वाले हैं।जांच में सामने आया है कि रेस्क्यू किए गए बच्चे ट्रेन के एस1, एस2, एस3, एस4 और एस7 कोच में सवार थे। बच्चों के साथ मौजूद सद्दाम नामक व्यक्ति ने बताया कि वह इन बच्चों को बिहार के अररिया से महाराष्ट्र के लातूर स्थित मदरसे ले जा रहा था। सद्दाम के मुताबिक, उसके साथ 100 बच्चों का ग्रुप है, जबकि बाकी बच्चों को अन्य लोग लेकर जा रहे थे। खुद को लातूर मदरसे का शिक्षक बताने वाले सद्दाम का दावा है कि वह 10 साल से बच्चों को वहां ले जा रहा है। उनके मदरसे में हर विषय की शिक्षा दी जाती है। प्रशासन अब इन दावों की सच्चाई और कानूनी दस्तावेजों की जांच कर रहा है।बाल सुरक्षा अधिकारी मनीष तिवारी के अनुसार, विभाग को इन बच्चों से महाराष्ट्र ले जाकर मजदूरी या अन्य गैर-कानूनी काम कराए जाने की जानकारी मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी बच्चों को आरपीएफ थाने ले जाया गया है, जहां उनकी काउंसलिंग की जा रही है।महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम बच्चों के परिजनों और उनके निवास स्थान के दस्तावेजों का सत्यापन कर रही है। बच्चों के साथ यात्रा कर रहे लोगों से पूछताछ की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि इस समूह का असली संचालक कौन है? जिला प्रशासन हर पहलू, विशेषकर मानव तस्करी की आशंका को ध्यान में रखकर जांच कर रहा है।

अभी बच्चों को निगरानी में रखेंगे

कटनी आरपीएफ थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। जब तक हर बच्चे के अभिभावक से संपर्क नहीं हो जाता और बच्चों के स्थानांतरण का ठोस कारण स्पष्ट नहीं होता, तब तक उन्हें प्रशासन की निगरानी में रखा जाएगा। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व कलेक्टर फेसबुक पर बेंच रहे हैं घर!

पूर्व कलेक्टर के नाम से फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बनाकर ठगी की कोशिश

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता

साइबर अपराधियों ने ठगी का एक नया और गंभीर तरीका अपनाया है। शातिर ठगों ने मध्य प्रदेश के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और जबलपुर के पूर्व कलेक्टर कर्मवीर शर्मा की पहचान का इस्तेमाल कर फेसबुक पर एक फर्जी आईडी तैयार की। वर्तमान में राज्य के खाद्य विभाग में डिप्टी डायरेक्टर के पद पर कार्यरत श्री शर्मा की छवि एक बेहद लोकप्रिय और सक्रिय अधिकारी की रही है। इसी लोकप्रियता को ढाल बनाकर साइबर ठगों ने आम नागरिकों और उनके पुराने परिचितों को अपना निशाना बनाने की बड़ी साजिश रची।

प्रेंडशिप रिक्वेस्ट और मोबाइल नंबर की मांग

जैसे ही सोशल मीडिया पर कर्मवीर शर्मा के नाम की यह फर्जी प्रोफाइल सक्रिय हुई, बड़ी संख्या में लोगों ने इसे असली मानकर फ्रेंडशिप रिक्वेस्ट भेजना शुरू कर दिया। ठग ने बेहद चालाकी से इन रिक्वेस्ट्स को स्वीकार किया और कुछ ही मिनटों के भीतर मैसेंजर पर लोगों से संपर्क साधना शुरू कर दिया। शुरुआती बातचीत में ठगों ने लोगों से उनके व्यक्तिगत मोबाइल नंबर मांगे। संपर्क टूटने का बहाना बनाकर मांगे गए इन नंबरों को कई लोगों ने बिना किसी संदेह के साझा कर दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि पूर्व कलेक्टर उनसे दोबारा जुड़ना चाहते हैं।

घर बेचने के संदेशों से खुला राज

मोबाइल नंबर हासिल करने के बाद ठगों ने अपने असली इरादे जाहिर करना शुरू किए। मैसेंजर पर अचानक ऐसे संदेश भेजे जाने लगे जिनमें घर बेचने और अन्य सामान की खरीद-फरोख्त की बात की गई थी। एक प्रतिष्ठित आईएएस अधिकारी की ओर से इस तरह के व्यावसायिक और अजीबोगरीब संदेश मिलने पर लोगों को संदेह हुआ। जब कई लोगों को एक जैसे संदेश प्राप्त हुए, तो उन्होंने आपस में जानकारी साझा की। जांच करने पर पता चला कि अधिकारी ने ऐसी कोई आईडी नहीं बनाई है। पहचान उजागर होते ही लोगों ने सक्रियता दिखाई और फर्जी आईडी को रिपोर्ट करना शुरू कर दिया। साइबर ठगों की यह कोशिश किसी बड़ी आर्थिक चपत लगाने के उद्देश्य से की गई थी, लेकिन नागरिकों की सतर्कता ने इसे नाकाम कर दिया। लोगों ने तुरंत फर्जी प्रोफाइल को ब्लॉक किया और दूसरों को भी इसके बारे में आगाह किया।

खौफनाक कदम

घर वाले सोते रह गए, सुबह अधजला शव मिला

सिहोरा में जलती चिता पर लेटकर आत्महत्या

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता

जिले के सिहोरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खितौला से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां हिरन नदी के तट पर स्थित श्मशान घाट में एक युवक ने जलती हुई चिता पर लेटकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस अप्रत्याशित और खौफनाक कदम से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, शनिवार शाम को खितौला श्मशान घाट में एक मृतक का अंतिम संस्कार किया गया था। रस्मों को पूरा करने के बाद परिजन चिता को जलती हुई अवस्था में छोड़कर अपने घर लौट आए थे। इसी बीच, रात के करीब 3 बजे सिब्बू कोल उर्फशुभम कोल उम्र 27 वर्ष, जो खितौला का निवासी था, बिना किसी को बताए अचानक अपने घर से लापता हो गया। सुबह होने पर जब वह घर नहीं मिला तो परिजनों में हड़कंप मच गया और उन्होंने तत्काल उसकी तलाश शुरू कर दी।

शव मिलने के बाद पुलिस ने शुरू की जांच

अगली सुबह करीब 6 बजे परिजनों ने खितौला थाने में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज कराने के बाद परिजन और परिचित उसकी खोजबीन में जुटे रहे। इसी दौरान, सुबह लगभग 7 बजे जब कुछ लोग चिता की राख एकत्रित करने के उद्देश्य से श्मशान घाट पहुंचे, तब वहां का मंज़र देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने जलती हुई चिता के ऊपर एक युवक का आधा जला हुआ शव पड़ा हुआ देखा। यह खौफनाक दृश्य देखकर वहां मौजूद लोग स्तब्ध रह गए और उन्होंने तुरंत इस बात की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही खितौला थाना प्रभारी रमन सिंह अपने पुलिस दल के साथ बिना देरी किए घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करते हुए आवश्यक कानूनी कार्यवाही प्रारंभ की। पुलिस ने शव को चिता से अलग कर उसे अपने कब्जे में ले लिया है और मामले की बारीकी से जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में मृतक की शिनाख्त सिब्बू कोल उर्फशुभम कोल के रूप में हुई है, जिसने अज्ञात कारणों से यह खौफनाक कदम उठाया है। पुलिस अब आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

फन फेयर में दिखा खेल और संगीत का संगम

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। फन फेयर में जहाँ एक गीत संगीत नृत्यों की प्रस्तुती ने खूब शमा बांधा वही दूसरी ओर सूटिंग, फिसिंग, रिंगिंग आदि गेमों का सभी ने खूब आनन्द उठाया। आनन्द उठाते हुये फन फेयर परिसर में लगे लजीज व्यजंनो का भी दिल खोल कर जायका लिया, अवसर था एपीएन सीबीएसई सीनियर सेकेन्डरी स्कूल में आयोजित फन फेयर 2026 का।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप केण्ट विधायक अशोक रोहाणी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एपीएन सीबीएसई के चेयरमैन चमन श्रीवास्तव ने की, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ठा. शैलेन्द्र सिंह, मीना चमन श्रीवास्तव, प्रबंधक तुलसीदास द्रविड, मयंक श्रीवास्तव, धवल श्रीवास्तव महाविद्यालय रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, स्टेट बोड प्राचार्य अजय वर्मा, सीबीएसई प्राचार्य करन खुराना, मनु श्रीवास्तव, उप प्राचार्या डॉ. वरिमा बोकारे उपस्थिति रही। कार्यक्रम का अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के पूजन अर्चन एवं दीप प्रज्जवलन के साथ करते हुये विधिवत् फेट का उद्घाटन एएसपी अंजना तिवारी किया गया। तत्पश्चात् अतिथियों का स्वागत शाला प्रबंधन एवं शिक्षकगणों द्वारा किया गया। फन फेयर फेट में जहां एक ओर सूटिंग, फिसिंग, रिंगिंग आदि खेलों का प्रदर्शन रूची रखने वालो करओके माध्यम से एक से बढ़कर एक शानदार गीतों की प्रस्तुती देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर एपीएन ग्रुप ऑफ एजुकेशन द्वारा फन फेयर फेट में सीबीएसई सीनियर सेकेन्डरी एवं एमपी बोर्ड में प्रवेश का महा ओफर चलाते हुये प्रवेश का निशुल्क किया गया। फन फेयर फेट का कुशल संचालन शिम्पी सिंह द्वारा किया गया।

खुलेआम मांस बिक्री, नियमों की अनदेखी, धड़ल्ले से बिक रहा, कार्रवाई की मांग तेज

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता।

शहर में खुले में मांस बिक्री को लेकर एक बार फिर नियमों की धज्जियां उड़ती नजर आ रही हैं। शासन और प्रशासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद शहर के विभिन्न इलाकों में सड़कों के किनारे खुलेआम मांस काटकर बेचा जा रहा है, जिससे आम नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

बताया जा रहा है कि शहर के प्रमुख मार्गों और बस स्टैंड के आसपास कुछ दुकानदारों द्वारा खुले में मांस बिक्री की जा रही है। न केवल बिक्री, बल्कि सड़कों के किनारे ही मांस काटने का काम भी किया जा रहा है, जो नियमों के पूरी तरह खिलाफ है। इस तरह की गतिविधियों से स्वच्छता व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं और आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस मामले में कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। यही वजह है कि दुकानदार बेखौफ होकर खुले में मांस बिक्री का कार्य कर रहे हैं। स्थिति उस समय और गरमा गई जब लोगों ने विरोध जताते हुए एक दुकान को बंद करवा दिया। हालांकि, अन्य दुकानों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की मांग लगातार उठ रही है।

जानकारी के मुताबिक, कुछ स्थानों पर पहले अस्थायी रूप से अन्य खाद्य सामग्री बेचने के नाम पर दुकानें शुरू की गई थीं, लेकिन बाद में वहीं खुले में मांस बिक्री और कटाई का काम शुरू कर दिया गया। इस दौरान लगाए गए पर्दे भी केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं, जिससे नियमों के पालन पर सवाल उठ रहे हैं।

नागरिकों का कहना है कि मुख्यमंत्री द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि खुले में मांस बिक्री नहीं होनी चाहिए, इसके बावजूद शहर में इस तरह की गतिविधियां जारी हैं। इससे न केवल स्वास्थ्य संबंधी खतरे बढ़ रहे हैं, बल्कि शहर की छवि भी प्रभावित हो रही है।

नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि शिकायतों को गंभीरता से लिया गया है और कार्रवाई के लिए टीम गठित की जा रही है। संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समन्वय कर जल्द ही अवैध रूप से संचालित दुकानों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

फिलहाल, शहर में खुले में मांस बिक्री को लेकर बढ़ता जनाक्रोश प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस पर कितनी जल्दी और कितनी प्रभावी कार्रवाई करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मौसमी औषधियों का निःशुल्क वितरण

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता । संचालनालय आयुष, मध्य प्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार एवं राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य सेवा प्रदाय संबंधी ि याकलापों के तहत विश्व होम्योपैथी दिवस के गरिमामयी अवसर पर जिले में संचालित समस्त होम्योपैथिक संस्थाओं के माध्यम से विविध जन-हितैषी गतिविधियों का सफलतापूर्वक संपादन किया गया। उक्त कार्य म के अंतर्गत जनसामान्य को ऋतु अनुकूल आहार-विहार की विस्तृत जानकारी प्रदान करने के साथ स्वस्थ रहने हेतु आवश्यक उपायों के प्रति जागरूक किया गया। आयोजन के दौरान विभागीय अमले द्वारा मौसम अनुकूल प्रिवेंटिव औषधियों का निःशुल्क वितरण किया गया तथा विशेष चिकित्सा शिविरों के माध्यम से मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण, ब्लड प्रेशर एवं शुगर की जांच सहित बालिकाओं के स्वास्थ्य परीक्षण संबंधी कार्य संपादित किए गए। जिला आयुष अधिकारी डॉ. सुर ा सिंह चौहान द्वारा इस संबंध में अवगत कराया गया कि होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति एक सस्ती, सुलभ एवं अत्यंत प्रभावी उपचार प्रणाली है, जिसे जन-जन तक पहुंचाने हेतु विभाग निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने रेखांकित किया कि आयुष पद्धतियों में होम्योपैथी का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है और विभाग द्वारा आयोजित किए जा रहे सतत शिविरों एवं जागरूकता कार्य मों के माध्यम से इस पद्धति का व्यापक विस्तार सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि समाज के अंतिम छोर तक के व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण आयुष चिकित्सा सेवाओं का लाभ प्राप्त हो सके।

चलते वाहन से गिरा युवक, अस्पताल पहुंचने से पहले मौत

जबलपुर,प्रातः किरण संवाददाता । अधारताल थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां चलती गाड़ी से गिरने पर एक युवक की मौत हो गई। हादसे में युवक को गंभीर चोटें आई थीं, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार धर्मशाला पनागर निवासी अरविंद दाहिया (40 वर्ष) बीती रात करीब 11:30 बजे हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी क्षेत्र से गुजर रहा था। इसी दौरान वह अचानक चलती गाड़ी से अनियंत्रित होकर नीचे सड़क पर गिर गया। सड़क पर गिरने से अरविंद के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उसे संभाला और आनन-फानन में उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही अधारताल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

5 करोड़ का झांसा देकर ठगी

'बाबा' बनकर 28 हजार उड़ाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता।

जिले के बरगी थाना क्षेत्र में 5 करोड़ रुपये मिलने का लालच देकर ठगी करने वाले दो शातिर आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने बाबा का भेष धारण कर पीड़ित को झांसे में लिया और 28 हजार रुपये ठगकर फरार हो गए थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को दबोच लिया और उनके कब्जे से 20 हजार रुपये, घटना में प्रयुक्त कार और मोबाइल जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार, 11 अप्रैल 2026 की रात बरगी निवासी युवक अपने परिचित के साथ मोटरसाइकिल से

सीमेंट लेने जा रहा था। इसी दौरान खमरिया तिराहा के पास एक व्यक्ति बाबा के वेश में मिला, जिसने खुद को भूखा बताते हुए पैसे मांगे। पीड़ित ने उसे कुछ रुपये दिए, जिसके बाद आरोपी ने झाड़-फूंक और मंत्रों का सहारा लेकर उसे अपने जाल में फंसा लिया।

आरोपी ने पीड़ित को उसके भविष्य में 5 करोड़ रुपये मिलने का झांसा दिया और कहा कि उसके पास मौजूद पैसों को ÷शुद्ध÷ कर देगा। बातों में उलझाकर उसने पीड़ित से 28 हजार रुपये ले लिए और मौके से फरार हो गया। कुछ देर बाद पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ, जिसके बाद उसने थाने में शिकायत दर्ज कराई।

हाईवे पर नाकाबंदी कर दबोचे गए आरोपी

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान आरोपियों की कार का नंबर ट्रेस कर सिवनी जिले में नाकाबंदी कराई गई, जहां पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया।

20 हजार रुपये, कार और मोबाइल जब्त

गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया। उन्होंने बताया कि ठगी की रकम में से 8 हजार रुपये खर्च कर चुके हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से शेष 20 हजार रुपये, एक बलेनो कार और मोबाइल फोन जब्त किया है।

पुलिस की अपीलः ऐसे झांसे में न आएं

पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। साथ ही नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार के झाड़-फूंक, चमत्कार या लालच में न आएं और संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना पुलिस को दें।

वृद्ध ने स्वयं पर पेट्रोल डालकर लगाई आग,मेडिकल रेफर

जबलपुर/दमोह, प्रातः किरण संवाददाता। दमोह के इटवा गांव में आज पूर्वान्ह 11 बजे के लगभग वृद्ध करनसिंह ठाकुर ने स्वंय को पेट्रोल डालकर आग लगा ली। इसके बाद इधर से उधर दौडने लगे। परिजनों ने देखा तो किसी तरह आग बुझाकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कालेज रेफर किया। बताया गया है कि इटवा गांव निवासी करनसिंह ठाकुर उम्र 60 वर्ष मानसिक रुप से कमजोर रहे, जिनका परिजनों द्वारा ग्वालियर में इलाज कराया जा रहा था। आज पूर्वान्ह 11 बजे के लगभग करनसिंह ठाकुर उठाकर घर के आंगन में पहुंचे और स्वयं पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। शरीर पर आग लगते ही करनसिंह शोर मचाते हुए इधर से उधर दौडने लगे। शोर सुनकर परिजन बाहर आए तो देखा कि करनसिंह आग की लपटों से घिरे है। किसी तरह शरीर से आग बुझाकर जिला अस्पताल दमोह पहुंचाया। जहां पर करनसिंह की हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कालेज रेफर किया गया। मेडिकल अस्पताल में वृद्ध की हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है। घर की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस को पूछताछ में बेटे ने बताया कि उनके पिता पिछले 25 साल से मानसिक रूप से विक्षिप्त हैं और उनका ग्वालियर में इलाज चल रहा है। उन्होंने पहले भी इस तरह की घटना को अंजाम देने का प्रयास किया थाए लेकिन तब उन्हें बचा लिया गया था।

पुलिस का बड़ा ऑपरेशनः कांबिंग गश्त में 310 वारंट तामील, 23 शराब तस्कर गिरफ्तार

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। शहर में अपराधों पर लगाम कसने के लिए पुलिस ने बड़े स्तर पर कांबिंग गश्त अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर 11 अप्रैल की रात से 12 अप्रैल की देर रात तक चले इस अभियान में पुलिस को उल्लेखनीय सफलता मिली। कार्रवाई के दौरान वर्षों से फरार आरोपियों पर शिकंजा कसते हुए कुल 310 वारंट तामील किए गए, वहीं अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 23 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

रातभर चला सर्च ऑपरेशन, शहर-देहात में एक साथ दबिश

कांबिंग गश्त के दौरान पुलिस की टीमों ने शहर और देहात के विभिन्न इलाकों में एक साथ दबिश दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों और नगर पुलिस अधीक्षकों के नेतृत्व में थाना प्रभारियों और स्टाफ की अलग-अलग टीमें बनाकर कार्रवाई की गई। क्राइम ब्रांच की टीमों को भी इस अभियान में शामिल किया गया।

310 वारंट तामील, सालों से फरार आरोपी पकड़े गए

अभियान के दौरान पुलिस ने 152 गैर म्यादी वारंटी, 96 गिरफ्तारी वारंट और 62 जमानती वारंट तामील किए। इनमें कई ऐसे आरोपी शामिल हैं जो लंबे समय से पुलिस से बचते फिर रहे थे। सभी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

कांबिंग गश्त के दौरान पुलिस ने अवैध शराब कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी करते हुए 23 आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 16 लीटर कच्ची शराब और 95 पाव देशी-विदेशी शराब बरामद की गई।

संवेदनशील इलाकों में पैदल मार्च, एरिया डॉमिनेशन

पुलिस ने शहर के संवेदनशील और अपराध संभावित क्षेत्रों में पैदल भ्रमण कर एरिया डॉमिनेशन किया। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और सार्वजनिक स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन जांच की गई।

एसपी बोले– अपराधियों पर लगातार रहेगी सख्ती

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह कार्रवाई कानून व्यवस्था को मजबूत करने और जनता में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाने के लिए की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराधियों के खिलाफ इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

मेहरा समाज का मिलन समारोह संपन्न, विधायक ने एक लाख की घोषणा

जबलपुर। डेहरिया समाज का विशाल पारिवारिक मिलन समारोह एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन मानस भवन, राइट टाउन, जबलपुर, मध्य प्रदेश में संपन्न हुआ। आयोजित मेहरा-डेहरिया समाज के प्रांतीय मिलन समारोह में गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश ने समाज के उत्थान के लिए ?1 लाख की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। मेहरा (डेहरिया) समाज समिति, आयोजको ने बताया कि यह कार्यक्रम समाज की एकता को सुदृढ़ करने और वैवाहिक संबंधों के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था साथ ही समाज के युवक-युवतियों बड़ी संख्या में सम्मिलित हुई सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई वहीं प्रदेश और जिला समितियों के निर्णयों पर चर्चा गई एवं महिला शक्ति को नेतृत्व में आरक्षण और भागीदारी देने पर विचार विमर्श किया गया इस मौके पर मेहरा (डेहरिया) समाज समिति, संस्कारधानी, जबलपुर के पदाधिकारी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजेश भट्ट, प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष जगेश्वर सुरजये, एनपी झरिया, मीडिया प्रभारी हरि मेहरा आदि उपस्थित रहे।

जबलपुर आ रही ट्रैवलर गहरी खाई में गिरकर पेड़ पर जाकर टिकी, 4 यात्री गंभीर

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। मंडला से जबलपुर के लिए रवाना हुई यात्रियों से भरी ट्रैवलर आज दोपहर टिकरिया के पास अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरकर नीचे लगे एक पेड़ से टिक गई। हादसे में ट्रैवलर में सवार 12 यात्रियों में 4 के शरीर पर चोटें आई। दुर्घटना होते देख आसपास के लोग पहुंच गए, जिन्होने घायलों को निकालकर पुलिस को खबर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को नजदीक के अस्पताल पहुंचाया। जहां पर हालत को देखते हुए जबलपुर के मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है।

बताया गया है कि टूरिस्ट ट्रैवलर वाहन मलाजखंड सवारियों को बिठाकर जबलपुर के लिए रवाना हुआ। वाहन जब मंडला से होते हुए नारायणगंजा टिकरिया से आगे बढ़ रहा था। इस दौरान सामने से आ रहे ट्राला के चालक ने अचानक विपरीत दिशा में वाहन मोड़ लिया। जिससे बचने के चक्कर में ट्रैवलर चालक ने वाहन को मोड़ा तो वह अपना संतुलन खो बैठा और ट्रैवलर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। जो नीचे एक पेड़ पर जाकर टिक गया। खाई में गिरते ही ट्रेवलर में सवार यात्रियों में चीख पुकार मचग गई। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंच गए, जिन्होने मदद करते हुए ट्रैवलर में सवार सभी लोगों को किसी तरह बाहर निकालकर पुलिस को खबर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से घायलों को नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया। जहां पर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कालेज रेफर किया गया। जहां पर चार की हालत गंभीर बनी हुई है, डाक्टरों की टीम इन सभी के इलाज में जुटी रही।

इन्हे आई है चोटें

दुर्घटना में मलाजखंड निवासी अनिल सोनी उम्र 67 वर्ष, दिव्या वेदा 43 वर्ष, यूनुस जिलानी 49 वर्ष व साजिया जिलानी 44 वर्ष शामिल हैं। इन सभी को बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कालेज पहुंचाया गया है।

कार्रवाई — अवैध शराब पर पुलिस ने कसा शिकंजा

बोलेरो से 6 पेटी बियर जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। शहर में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत गढ़ा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बोलेरो वाहन में रखी 6 पेटी (72 बोतल) बियर जब्त की है, जिसकी कीमत लगभग 46 हजार 800 रुपये आंकी गई है।

मुखबिर की सूचना पर बिछाया गया जाल

पुलिस के अनुसार, 11 अप्रैल 2026 की शाम मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की बोलेरो वाहन में अवैध रूप से बियर लोड कर त्रिपुरी चौक से देवताल की ओर ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही गढ़ा थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए देवताल क्षेत्र में घेराबंदी कर दी।

देवताल रामायण मंदिर के पास पुलिस ने संदिग्ध बोलेरो

(क्रमांक एमपी 13 जेड व्ही 0368) को रोककर तलाशी ली। वाहन में चालक समेत दो लोग सवार थे। पूछताछ में चालक ने अपना नाम अमन सोनी (26 वर्ष) निवासी शीतलामाई घमापुर और बगल में बैठे व्यक्ति ने अर्जुन सोनी (33 वर्ष) निवासी ककरैया तलैया गोरखपुर बताया।

6 पेटी में 72 बॉटल बियर बरामद

तलाशी के दौरान बोलेरो की पिछली सीट से 6 पेटी में कुल 72 बॉटल बियर बरामद की गई। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे यह बियर त्रिपुरी स्थित शराब दुकान से लेकर परिवहन कर रहे थे।

वाहन समेत माल जब्त, आगे की जांच जारी

पुलिस ने मौके पर ही आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से बियर और बोलेरो वाहन जब्त कर लिया। दोनों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही संबंधित शराब दुकान के गद्दीदार और मैनेजर से भी पूछताछ कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

टीम की सक्रियता से मिली सफलता

इस कार्रवाई में पुलिस टीम के उप निरीक्षक, प्रधान आरक्षक सहित अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि जिले में अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे कारोबार में लिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शेफ ने हाउसकीपिंग हेड बॉय पर किया जानलेवा हमला

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। शहर के ग्वारीघाट थाना क्षेत्र स्थित साउथ एवेन्यू मॉल में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक शेफ ने अपने ही सहकर्मी पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद मॉल परिसर में हड़कंप की स्थिति बन गई और लोग दहशत में आ गए।

मामूली विवाद ने लिया खतरनाक रूप-जानकारी के अनुसार, मॉल में कार्यरत शेफ अर्पित ने हाउसकीपिंग हेड बॉय संजय अहिरवार पर अचानक चाकू से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गया। आरोपी ने संजय के सिर पर चाकू से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

हमले के बाद घायल संजय अहिरवार को तत्काल ग्वारीघाट स्थित एसएन बोस अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। उसकी हालत को गंभीर बताया जा रहा है।

अस्पताल प्रबंधन पर उठे सवाल

इस घटना में अस्पताल प्रबंधन की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि डॉक्टरों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही घायल का इलाज शुरू कर दिया, जबकि ऐसे मामलों में पुलिस को तत्काल सूचना देना आवश्यक होता है।

संक्षिप्त समाचार

मध्यप्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल जल्द

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। मध्य प्रदेश में जल्द ही बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हो सकता है। जिसके अंतर्गत सीनियर आईएएस अफसरों का तबादला किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार विभाग और संभाग स्तर पर बदलाव हो सकता है। जानकारी के अनुसार शासन जिलों के बाद अब मंत्रालय स्तर पर बड़े स्तर पर फेरबदल की तैयारी में है। कभी भी सीनियर अफसरों की तबादला सूची जारी हो सकती है। साथ ही पुलिस महकमे में भी बड़े स्तर पर तबादले होंगे। जिला स्तर पर बड़ा बदलाव होगा। गौरतलब है कि गुरुवार को ही मध्यप्रदेश सरकार ने प्रशासन को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया था। राज्य सरकार ने 26 ब्लू अधिकारियों की नई पदस्थापना सूची जारी की थी। इस फेरबदल में भोपाल समेत धार, रीवा, सागर, सिवनी और बैतूल जैसे कई महत्वपूर्ण जिलों के कलेक्टरों को बदला गया था।

सीनियर आईएएस अफसरों का हो सकता है तबादला, विभाग और संभाग स्तर पर हो सकता है बदलाव

किसानों की जरूरत के हिसाब से तैयार होंगे बायोफर्टिलाइजर

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। अब वह दिन दूर नहीं जब मध्य प्रदेश के किसान किसान केमिकल फ्री खेती कर सकेगा और ना ही उसे खाद के लिए लाइन में लगना पड़ेगा। ये संभव होगा राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय की एक रिसर्च की बदौलत। यहां एक रिसर्च के जरिए ऐसे बायो फर्टिलाइजर और बायो पेस्टीसाइड तैयार किए जाएंगे, जो मिट्टी के हिसाब से होंगे। ये बायो फर्टिलाइजर केमिकल खादों की वजह से मृदा में आई कमियों को दूर कर उसे उन्नत फसल पैदावार के लिए तैयार करेंगे। ग्वालियर का राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय करीब साढ़े चार करोड़ की लागत से यूनिवर्सिटी में एक नई लैब स्थापित करने जा रहा है। इस लैब में कृषि विज्ञानी ऐसे बायो रिसोर्स (जैविक संसाधन) तैयार करेंगे, जो मिट्टी की पोषकता को बढ़ाएगी। यानी केमिकल खादों के उपयोग से आई कमियों को दूर करने का काम करेंगे। इससे उस मिट्टी में लगने वाली फसल बिना किसी केमिकल के बेहतर परिणाम के साथ पैदा होगी। ग्वालियर एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के कुलगुरु प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला ने बताया कि पूरे देश में खेती योग्य भूमि का मृदा स्वास्थ्य लगातार गिरता जा रहा है।

स्पेशल बायो फर्टिलाइजर मिट्टी को करेगा केमिकल फ्री, फार्मिंग के हिसाब से बनेगी मिट्टी

परियोजना में हो रही देरी को देखते हुए मप्र के जल संसाधन विभाग ने बढ़ाई सक्रियता

7 महीने से फाइलों में केन-मंदाकिनी रिवर लिंक परियोजना

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता।

केन-मंदाकिनी रिवर लिंक परियोजना, जो मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच एक महत्वाकांक्षी जल परियोजना है, वर्तमान में पिछले सात महीने से फाइलों में अटकी हुई है। उत्तर प्रदेश द्वारा पानी की आवश्यकता का सटीक डेटा न साझा करने के कारण अंतिम विस्तृत परियोजना रिपोर्ट नहीं बन पा रही है, जिससे परियोजना के कार्य में देरी हो रही है। हालांकि परियोजना में हो रही देरी को देखते हुए मप्र के जल संसाधन विभाग ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस नदी के पुनरुद्धार से पर्यटन बढ़ेगा और स्थानीय रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। वहीं पन्ना से सतना तक प्रस्तावित 110 किमी लंबी नहर से मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की 82,000 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। साथ ही, दौरी सागर बांध पर 25 मेगावाट का जल विद्युत संयंत्र भी प्रस्तावित है।

केन-मंदाकिनी रिवर लिंक परियोजना का उद्देश्य बुंदेलखंड क्षेत्र में पानी की कमी को दूर करना और चित्रकूट की मंदाकिनी नदी को सदानीरा बनाना है। योजना के तहत केन नदी से 250 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी मंदाकिनी नदी में स्थानांतरित किया जाएगा। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश दोनों राज्य 125 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी का योगदान देंगे। लेकिन दक्षिणी बुंदेलखंड के लिए जीवनदायिनी मानी जा रही केन-मंदाकिनी रिवर लिंक परियोजना का भविष्य पिछले सात माह

से फाइलों में अटका हुआ है। वजह उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पानी की डिमांड का डेटा साझा नहीं किया जाना है। इंटर स्टेट रिवर प्रोजेक्ट होने के कारण जब तक पड़ोसी राज्य अपनी पानी की डिमांड नहीं बताता, तब तक इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की फाइनल डिटेल परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) नहीं बनाई जा सकती है।

प्रोजेक्ट मील का पत्थर साबित होगा

परियोजना का धार्मिक और आर्थिक महत्व चित्रकूट की जीवनधारा मंदाकिनी नदी को वर्षभर अविरल और निर्मल रखने के लिए यह लिंक प्रोजेक्ट मील का पत्थर साबित होगा। मप्र इस प्रोजेक्ट पर अपनी ओर से जन अभियान परिषद, बाल्मी, आईआईटी रुड़की और जेएनयू के विशेषज्ञों के साथ पिछले साल चित्रकूट में एक कार्यशाला भी आयोजित कर चुका है, जिसमें विशेषज्ञों ने इस प्रोजेक्ट को चित्रकूट और मंदाकिनी के पुनर्जीवन के लिए अच्छा माना है। परियोजना के तकनीकी पहलुओं के अनुसार, केन नदी से 250 मिलियन घन मीटर (एमसीएम) पानी को मंदाकिनी नदी में मोड़ने का प्रस्ताव है। गफलत इस बात को लेकर है कि क्या यह पानी केन-बेतवा समझौते के तहत उप्र को मिलने वाले 1,700 एमसीएम हिस्से में से काटा जाएगा या इसे एक नई और स्वतंत्र परियोजना के तहत अतिरिक्त आवंटन माना जाएगा। मप्र सरकार का तर्क है कि यह मंदाकिनी को पुनर्जीवित करने की योजना है, इसके लिए दोनों राज्य केन-बेतवा से अपने-अपने हिस्से का 125-125 एमसीएम को मंदाकिनी में डायवर्ट करने की सहमति दें और अपने-अपने हिस्से में इसका अपनी जरूरत के हिसाब से इस्तेमाल कर लें। मप्र का यह भी तर्क है कि यह एक अलग पहल है और इसके लाभ को उप्र के नियमित कोटे से नहीं घटाया जाना चाहिए।

5 राज्यों के चुनाव परिणाम के बाद बदल सकती है मप्र की राजनीतिक तस्वीर

एल मुरुगन चुनाव जीते तो चार राज्यसभा सीटों पर होगा चुनाव

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता।

मप्र में जून में होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। वर्तमान में राज्य से 3 सीटें (दिग्विजय सिंह, सुमेर सिंह सोलंकी और जॉर्ज कुरियन) खाली हो रही हैं, लेकिन तमिलनाडु में हो रहे विधानसभा चुनाव में मप्र से राज्यसभा सांसद एल मुरुगन तमिलनाडु की अविनाशी सीट से विधायकी का चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में अगर वे चुनाव जीत जाते हैं तो मप्र में राज्यसभा की एक और सीट खाली हो जाएगी। ऐसे में मप्र में तीन नहीं चार राज्यसभा सीटों पर चुनाव होगा। एल मुरुगन भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं। साल 2021 में उन्हें केंद्र सरकार में मंत्री बनाया गया, तब वह मप्र से राज्यसभा सांसद बने। वह अभी केंद्र में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री हैं। इससे पहले वह मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। इससे पहले वह साल 2011, 2012 उपचुनाव और 2021 में भी विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन तब तीनों ही बार उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। इसके अलावा वह साल 2024 में नीलगिरी से

लोकसभा चुनाव लड़े थे, लेकिन तब उन्हें डीएमके के ए राजा से हार झेलनी पड़ी थी। अब दोबारा से वह विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमा रहे हैं। तमिलनाडु में इस बार 23 अप्रैल 2026 को वोट डाले जाएंगे और पूरे राज्य में एक ही चरण में चुनाव होगा। वहीं मतगणना 4 मई को होगी।

4 मई पर सबकी नजर

मप्र से राज्यसभा की तीन सीटें खाली होना तय हैं लेकिन चौथी सीट को लेकर सकबी नजर 4 मई को आने वाले विधानसभा चुनाव परिणामों पर है। मुरुगन यदि चुनाव जीते तो राज्यसभा में उनकी सीट भी खाली हो जाएगी। उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक के लिए है। डॉ. मुरुगन मप्र से दूसरी बार उच्च सदन में गए हैं। विधानसभा चुनाव में उनकी जीत-हार के बाद ही मप्र से राज्यसभा की चौथी सीट पर चुनाव की तस्वीर स्पष्ट होगी। राज्यसभा में मप्र का प्रतिनिधित्व कर रहे दिग्विजय सिंह, डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी और जार्ज कुरियन का कार्यकाल 9 अप्रैल को पूरा हो गया। लेकिन डॉ. मुरुगन विधानसभा का चुनाव जीत गए तो इस बात की संभावना है कि भाजपा उन्हें दक्षिण के तमिलनाडु राज्य में संगठन का जनाधार मजबूत करने का टास्क सौंपे। ऐसी स्थिति में राज्यसभा की चौथी सीट भी खाली हो जाएगी जिसका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक है। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के इस्तीफे से खाली हुई राज्यसभा की सीट पर कुरियन को उच्च सदन में भेजा गया था। भाजपा संगठन में वह अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सहित कई प्रमुख पदों पर रहे। राज्यसभा में उनका कार्यकाल 9 अप्रैल को पूरा हो गया। इसी दिन उनके क्षेत्र में वोटिंग भी हो गई।

बेस्ट ई-गवर्नेंस बटालियन अवार्ड

भोपाल, प्रातःकिरण। भोपाल द्रुतकार्य बल 107 बटालियन को बेस्ट ई-गवर्नेंस से नवाजा गया है। यह ट्रॉफी बटालियन के बेहतरीन डिजिटल परफार्मेंस की दम पर मिला है। यहां गौर करने वाली बात है कि यह ट्रॉफी बटालियन को पहली दफा नहीं बल्कि लगातार तीसरी बार मिल रही है। ट्रॉफी मिलने के बाद बटालियन के अधिकारी व स्टाफ खुशी जाहिर करते हुए एक-दूसरे को बधाई दी।

ग्वालियर-आगरा के बीच बनेगा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। ग्वालियर और आगरा के बीच सफर जल्द ही आसान और तेज होने वाला है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण करीब 88 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनाने जा रहा है। इस परियोजना पर लगभग 4600 करोड़ रुपये खर्च होंगे। फिलहाल ग्वालियर से आगरा पहुंचने में करीब ढाई घंटे लगते हैं, लेकिन इस एक्सप्रेसवे के बनने के बाद यह सफर घटकर लगभग सवा घंटे रह जाएगा। यह एक्सप्रेसवे 6 लेन का होगा और पूरी तरह एक्सेस कंट्रोल्ड रहेगा, यानी बीच में कहीं से भी अनियंत्रित एंट्री नहीं होगी। इससे ट्रैफिक बिना रुके तेज और सुरक्षित चलेगा। रास्ते में इंटरचेंज, फ्लाईओवर, अंडरपास और सर्विस रोड भी बनाए जाएंगे। इस एक्सप्रेसवे के बनने से शहरों में ट्रैफिक कम होगा, समय की बचत होगी और यात्रा सुरक्षित बनेगी।

छत्तीसगढ़

राजधानी में ट्रैफिक दबाव को कम करने की कवायद

बनाया जाएगा 11 किलोमीटर लंबा रिंग रोड-5, दो चरणों में होगा निर्माण

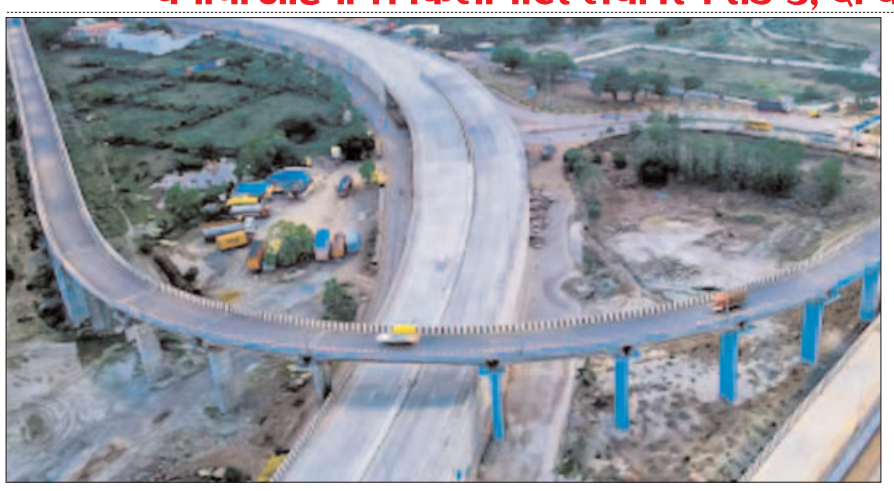

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

रायपुर में ट्रैफिक दबाव कम करने के लिए करीब 11 किमी लंबा रिंग रोड- 5 बनाया जाएगा. इसके लिए शासन ने 694 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है. यह रिंग रोड चंदनीडीह से महादेवघाट होते हुए खारुन नदी के रास्ते पुराना धमतरी रोड के खिलोरा तक जाएगी.

इस प्रोजेक्ट को दो चरणों में पूरा किया जाएगा. पहले चरण में चंदनीडीह से भाठागांव तक 7.5 किमी और दूसरे चरण में भाठागांव से खारुन नदी तक 3.5 किमी सड़क का चौड़ीकरण होगा. चंदनीडीह रेलवे क्रॉसिंग पर 110 करोड़ रुपए की लागत से ओवरब्रिज भी बनेगा. भविष्य में इसे फुंडहर चौक एक्सप्रेस-वे से जोड़ने की निगम की योजना है, जिससे एयरपोर्ट और नवा रायपुर कनेक्टिविटी बेहतर होगी. इसके करीब रोज एक लाख से अधिक लोगों को राहत मिलेगी, तो वहीं रिंग रोड-1 का भार कम हो जाएगा.

सर्वे के बाद काम शुरू किया जाएगा

पीडब्ल्यूडी सीई, पंकज कश्यप ने एक समाचार पत्र को बताया कि रिंग रोड-5 निर्माण के लिए बजट को मंजूरी मिल गई है, जिसके बाद सर्वे किया जा रहा है. सड़क को चंदनीडीह, महादेवघाट, साठागांव, काठाडीह होते हुए पुराना धमतरी रोड के खिलोरा क बनेगा. इसकी लंबाई करीब 11 किमी होगी. प्रोजेक्ट भू-अधिग्रहण भी शामिल है. बजट प्रस्ताव शासन को जा गया है.

प्रोजेक्ट पर पीडब्ल्यूडी से होगी चर्चा

वहीं रायपुर निगम आयुक्त विश्वदीप ने समाचार पत्र को बताया कि निगम ने अधोसंरचना मद में रिंग रोड-5 निर्माण के लिए प्रावधान किया है. पीडब्ल्यूडी को भी बजट में राशि की मंजूरी मिल चुकी है. शहर के बेहतर रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए दोनों एजेंसियां मिलकर काम करेंगी. इस सड़क के जरिए दुर्ग की ओर से आने वाले लोगों को एयरपोर्ट तक सीधा और आसान रास्ता देने पर फोकस रहेगा.

किन रूटों में मिलेगी राहत

- महादेवघाट और अमलेश्वर तक आसान पहुंच
- भाठागांव होकर शहर में वैकल्पिक एंट्री
- एक्सप्रेस-वे और एनएच-30 से सीधा जुड़ाव
- दुर्ग-भिलाई से एयरपोर्ट तक सिग्नल-फ्री कनेक्टिविटी

भविष्य के ट्रैफिक के लिए जरूरी

जानकार बताते हैं कि राजधानी में रिंग रोड-1 अब आउटर नहीं रह गया है, बल्कि शहर के बीच आ गया है. ऐसे में रिंग रोड-5 का निर्माण समय की मांग है. इसे बेहतर प्लानिंग के साथ बनाया जाना चाहिए. दुर्ग-भिलाई, राजनांदगांव और बिलासपुर से आने वाले लोगों को धमतरी रोड से जोड़ने के लिए निगम का प्लान उचित है. इसे सेजबहार- बोरियाकला से सीधे एयरपोर्ट से जोड़ना और अधिक प्रभावी होगा.

रेरा चेयरमैन संजय शुक्ला के खिलाफ पीएमओ से जांच के आदेश

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के चेयरमैन संजय शुक्ला के खिलाफ सीबीआई द्वारा चार्जशीट दायर किए जाने के बाद अब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने जांच के निर्देश दिए हैं। जांच के लिए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग और आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय को निर्देश भेजा गया है।

जानकार बताते हैं कि पीएमओ से मिले निर्देशों के तहत आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने रेरा के छत्तीसगढ़ सरकार से जुड़े होने की वजह से छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन विभाग को मामले की जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई करने के साथ शिकायतकर्ता को सूचित करने के लिए निर्देशित किया गया है।

बताया जा रहा है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेश चंद्र गुप्ता ने प्रधानमंत्री कार्यालय में की गई शिकायत में संजय शुक्ला के कामकाज और उनके पिछले रिकॉर्ड को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि भाजपा नेता ने संजय शुक्ला के खिलाफ पहले भी कई बार अलग-अलग स्तर पर शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने की बात कही है।

शिकायत में संजय शुक्ला पर कथित रूप 300 करोड़ से अधिक की संपत्ति जुटाने, कथित तौर बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार और घोटालों में संलिप्तता, प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग, हाई-लेवल कवर-अप और कथित तौर पर न्याय प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगाए हैं, और केवल संजय शुक्ला का ही नहीं पूर्व मुख्य सचिव और पूर्व रेरा चेयरमैन में विवेक ढांढ की भी शिकायत करते हुए संजय शुक्ला को संरक्षण देने का आरोप लगाया है।

बता दें कि सीबीआई ने रावतपुरा मेडिकल कॉलेज के घूस कांड में संजय शुक्ला को आरोपी बनाते हुए चार्जशीट दाखिल कर दिया है। लेकिन सीबीआई के चार्जशीट दाखिल करने के बाद भी संजय शुक्ला को राज्य सरकार ने पद से नहीं हटाया है। अब पीएमओ से निर्देश आने के बाद कार्रवाई होने के आसार नजर आ रहे हैं।

झारखंड से नक्सली मुन्ना गिरफ्तार

13 साल से था फरार

बलरामपुर, प्रातःकिरण। 13 साल से फरार चल रहे नक्सली मुन्ना कोरवा को झारखंड से गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है. मुन्ना पर बंधक बनाकर मारपीट और हत्या की नियत से गोली चलाने का आरोप है. साल 2012 से वह जंगल में छिपकर पुलिस की आखों में धूल झोंक रहा था. जानकारी के मुताबिक, नक्सलियों ने लातेहार निवासी लखू यादव को ग्राम पुन्दाग में बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट की थी. नक्सली दस्ता के सदस्य इकबाल यादव के निर्देश पर लखू को जान से मारने के इरादे से गोली चलाई गई, लेकिन वह किसी तरह बचकर भाग निकला। घटना के संबंध में सामरीपीठ में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी. आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं 147, 148, 149, 342, 395, 307, 120बी भादवि एवं आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया था. जांच के दौरान सभी आरोपी भाग निकले थे. न्यायालय ने उनके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किया था. मुखबीर से जानकारी मिली की वारंटी मुन्ना कोरवा झारखंड के तेहड़ी (भण्डरिया) में छिपा हो सकता है. इसके बाद एक विशेष टीम गठित कर झारखंड रवाना किया गया. पुलिस ने आरोपी को दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया. सामरीपाठ लाकर उसे कोर्ट में पेश किया गया.

प्रदेश स्तरीय बैठक में निर्णय — सीएम साय और स्वास्थ्य मंत्री को किया जाएगा

छत्तीसगढ़ में NHM कर्मचारी संघ का होगा महासम्मेलन

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारी संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक रविवार को आमापारा स्थित गुरु घासीदास प्लाजा में आयोजित की गई. बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं ब्लॉकों से लगभग 500 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया.

बैठक में एनएचएम कर्मचारियों द्वारा अब तक किए गए आंदोलनों, प्रयासों, लंबित मांगों और कर्मचारियों को मिलने वाली सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा की गई. संघ ने निर्णय लिया कि अपनी मांगों को पुनः सरकार के समक्ष ज्ञापन के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा. साथ ही संगठन को और अधिक मजबूत एवं संगठित करने पर भी सहमति

बनी.

सभी जिलाध्यक्षों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए. इस दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के 21 वर्षों (2005 से 2026) की उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए एक भव्य प्रदेश स्तरीय महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें लगभग 17,000 कर्मचारियों और उनके परिवारजनों की भागीदारी प्रस्तावित है. इस महासम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा.

बता दें कि एनएचएम कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्षरत हैं. प्रमुख मांगों में नियमितीकरण, ग्रेड पे निर्धारण, अनुकंपा नियुक्ति, स्थानांतरण नीति, चिकित्सा सुविधा, नई मानव संसाधन नीति और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित मांगें शामिल हैं. बैठक में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमित मिरी, महासचिव कौशलेश तिवारी, हेमंत सिन्हा, डॉ. आरके दीक्षित, प्रफुल्ल पाल, पुरन दास, डॉ. आलोक शर्मा, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्याम मोहन दुबे, दिनेश खर्कवाल, संतोष चंदेल, अमित कौशिक,दिव्या लाल, लीना जेम्स, अशोक उइके, निर्मला साहू, शिल्पी राय सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी, जिलाध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्ष उपस्थित रहे.

सम्पादकीय

नहीं छीन सकते मताधिकार

यह भारत के प्रत्येक नागरिक के मौलिक अधिकार-मताधिकार-का सवाल है। इसे न तो कोई छीन सकता है और न ही स्थगित कर सकता है। स्थगित के मायने हैं कि कोई बात नहीं, आप पांच साल के बाद वाले चुनाव में मतदान कर लेना। नहीं, यह बिल्कुल गलत, असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक है। लेकिन पश्चिम बंगाल में ऐसा हुआ है और हड़कंप मचा है। लोगों में भय और आशंका है कि अंततः उनकी नागरिकता रद्द कर दी जाएगी! चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कई राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में किए हैं। बेशक बिहार में तूफान मचा और इसे राजनीतिक, चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिशें की गईं, लेकिन नाकाम रहीं। चुनाव सम्पन्न हो गया और भाजपा-एनडीए की सरकार बरकरार रही। बंगाल में 'तार्किक विसंगति श्रेणी' की प्रक्रिया के बाद भी 27.16 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काट दिए गए। कुल 90.83 लाख से अधिक नाम काटे गए हैं। क्या वे सभी घुसपैठिए या फर्जी मतदाता थे? आयोग ने आज तक यह स्पष्ट क्यों नहीं किया? जिनकी मृत्यु हो गई, उनका आंकड़ा छोड़ दीजिए, उनके अलावा यह कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है। इतने लोगों के मताधिकार छीने गए हैं। चुनाव आयोग के पास मताधिकार छीनने की कोई संवैधानिक शक्ति नहीं है। यदि लाखों नाम काटे गए हैं, तो उनका ब्यौरा भी देना पड़ेगा, क्योंकि यह मौलिक अधिकार का सवाल है। यह आंकड़ा 4 लोकसभा सीट के मतदाताओं की कुल संख्या से भी अधिक है, नतीजतन इस बार के विधानसभा चुनाव में कुल 6,75,54,184 मतदाता ही वोट डाल सकेंगे। बंगाल में एसआईआर से पहले मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ से अधिक थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 7.61 करोड़ से ज्यादा पात्र मतदाता थे। जिन 27.16 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम अधर में लटके हैं अथवा जो नाम अब भी संदिग्ध हैं, वे निश्चित तौर पर 23 और 29 अप्रैल के मतदान में मताधिकार का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे, क्योंकि नामांकन की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद मतदाता सूचियां 'फ्रीज' कर दी गई हैं। यानी उनमें अब कोई संशोधन नहीं किया जा सकता। हालांकि ये लाखों मतदाता ट्रिब्यूनल के सामने अपनी शिकायतें, आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं, लेकिन ट्रिब्यूनल ही लूले-लंगड़े हैं। उनके पास कमरा, कुर्सी, मेज, डिजिटल नेटवर्क की सुविधाएं ही नहीं हैं। सर्वोच्च अदालत के आदेश पर जिन न्यायिक समितियों को मतदाताओं के मामलों की जांच करनी थी, उनमें से कई समितियां तो गठित ही नहीं हुई हैं। मतदाताओं को 'न्याय' कौन और कैसे देगा? मान लीजिए कि तार्किक विसंगति के मामलों की जांच के बाद 10 लाख नाम सही पाए गए और उनकी एक पूरक मतदाता सूची चुनाव आयोग ने प्रकाशित भी कर दी, तो उन्हें कौन वोट डालने देगा? क्या चुनाव अधिकारियों को 'पूरक सूची' संबंधी निर्देश दिए गए हैं? वे वोट कैसे डाल सकेंगे, जबकि मतदाता सूचियां तो 'फ्रीज' हो चुकी हैं।

आस्था का बाज़ारीकरण: वीआईपी दर्शन और आम श्रद्धालु की उपेक्षा पर एक गंभीर सवाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत जैसे देश में, जहाँ धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहाँ मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति, और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। 'भगवान के दरबार में सब बराबर हैं '—यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं। देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं।

भारत जैसे देश में, जहाँ धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहाँ मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति, और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। 'भगवान के दरबार में सब बराबर हैं '—यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं। देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति, कम समय में दर्शन, और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है। आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों, कभी-कभी पूरे दिन, कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की, बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव केवल असुविधाजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी होता है—विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आस्था भी अब एक 'प्रीमियम सेवा' बनती जा रही है? क्या भगवान के दर्शन के लिए भी आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव

होना चाहिए? यह स्थिति केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असमानता का प्रतिबिंब भी है। राशन की दुकानों से लेकर गैस सिलेंडर की लाइन तक, और अब मंदिरों तक—मिडल क्लास और आम आदमी के हिस्से में अक्सर अव्यवस्था और संघर्ष ही आता है। वीआईपी संस्कृति के पक्ष में तर्क दिया जाता है कि इससे मंदिरों को अतिरिक्त राजस्व मिलता है, जिससे उनकी व्यवस्था और सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सकता है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है। बड़े मंदिरों में रोजाना लाखों श्रद्धालु आते हैं, जिनकी व्यवस्था करना आसान नहीं होता। ऐसे में यदि कुछ लोग अतिरिक्त शुल्क देकर अलग व्यवस्था चाहते हैं, तो उससे प्राप्त धन का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं में किया जा सकता है। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह व्यवस्था असंतुलित हो जाती है। जब वीआईपी सुविधाएं इतनी अधिक हो जाती हैं कि आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध संसाधन और समय कम पड़ने लगते हैं, तब यह एक प्रकार का अन्याय बन जाता है। कई बार देखा गया है कि वीआईपी दर्शन के लिए सामान्य कतारों को रोका जाता है, जिससे आम लोगों का इंतजार और बढ़ जाता है। इससे असंतोष और आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है। इसके अलावा, मंदिरों में कार्यरत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई मामलों में आम श्रद्धालुओं के साथ कठोर और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है, जबकि वीआईपी लोगों के साथ अत्यधिक विनम्रता दिखाई जाती है। यह दोहरा व्यवहार समाज में पहले से मौजूद वर्ग विभाजन को और गहरा करता है। धार्मिक स्थलों की मूल भावना पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होते, बल्कि वे मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन के केंद्र होते हैं। जब वहां पहुंचने वाला व्यक्ति अव्यवस्था, भीड़ और भेदभाव का सामना करता है, तो उसकी आध्यात्मिक अनुभूति प्रभावित होती है। यह अनुभव उसे निराश और हताश कर सकता है। इस समस्या का समाधान आसान नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, मंदिर प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वीआईपी सेवाओं की संख्या और प्रभाव सीमित रहे। इन सेवाओं का उद्देश्य केवल अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना होना चाहिए, न कि आम श्रद्धालुओं के अधिकारों को कम करना। दूसरा, भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। ऑनलाइन बुकिंग, टाइम स्लॉट सिस्टम, और डिजिटल कतार प्रबंधन जैसे उपायों से भीड़ को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इससे सभी श्रद्धालुओं को एक व्यवस्थित और सम्मानजनक अनुभव मिल सकता है। तीसरा, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों को संवेदनशीलता और शिष्टाचार का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। हर श्रद्धालु, चाहे वह वीआईपी हो या आम व्यक्ति, सम्मान का पात्र है। यह भावना केवल नीतियों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए। चौथा, सरकार और संबंधित ट्रस्टों को इस मुद्दे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। धार्मिक स्थलों पर समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। अंततः, यह भी जरूरी है कि समाज स्वयं इस मुद्दे पर जागरूक हो। जब तक लोग इस असमानता को सामान्य मानते रहेंगे, तब तक इसमें बदलाव आना कठिन है। आस्था का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समानता, करुणा और न्याय जैसे मूल्यों को अपनाना भी है। आज समय आ गया है कि हम यह सोचें कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। क्या हम ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ भगवान के दर्शन भी पैसे और पहुँच के आधार पर तय होंगे? या हम उस मूल भावना को बचाए रखेंगे, जिसमें हर व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान प्राप्त हो? मंदिरों की पवित्रता केवल उनकी भव्यता या व्यवस्था से नहीं, बल्कि वहां मिलने वाले अनुभव से तय होती है। यदि वह अनुभव भेदभाव और असमानता से भरा होगा, तो आस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी।

(यह लेखक के अपने निजी विचार है)

प्रसव से पहले और बाद में सुरक्षा का कवच: मातृ स्वास्थ्य का नवयुग

कृति आरके जैन

जब जीवन में अनिश्चितता छा जाए, तब भी एक माँ की मुस्कान सब कुछ रोशन कर देती है। यह मुस्कान केवल सुकून नहीं, बल्कि जीवन और शक्ति का प्रतीक है। माँ जन्म को अर्थ देती है, आशा को आकार देती है और आने वाली पीढ़ी को मजबूती देती है। लेकिन जब गर्भधारण और प्रसव खतरों से भरे हों, तब यही आशा भय में बदल सकती है। इसी सच को उजागर करता है भारत में हर साल 11 अप्रैल को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस हमें याद दिलाता है कि हर गर्भवती महिला को सुरक्षित, सम्मानजनक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल मिलनी चाहिए, ताकि माँ और बच्चा दोनों स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल जीवन की ओर बढ़ सकें।

यह दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि हर नागरिक के लिए संकल्प और जिम्मेदारी का प्रतीक है।

जब जीवन में अनिश्चितता छा जाए, तब भी एक माँ की मुस्कान सब कुछ रोशन कर देती है। यह मुस्कान केवल सुकून नहीं, बल्कि जीवन और शक्ति का प्रतीक है। यह माँ जन्म को अर्थ देती है, आशा को आकार देती है और आने वाली पीढ़ी को मजबूती देती है। इसी सच को उजागर करता है भारत में हर साल 11 अप्रैल को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस हमें याद दिलाता है कि हर गर्भवती महिला को सुरक्षित, सम्मानजनक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल मिलनी चाहिए, ताकि माँ और बच्चा दोनों स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल जीवन की ओर बढ़ सकें। यह दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि हर नागरिक के लिए संकल्प और जिम्मेदारी का प्रतीक है। 11 अप्रैल इसलिए चुना गया क्योंकि यह कस्तूरबा गांधी की जन्मतिथि है — वह अद्भुत महिला जिन्होंने जीवनभर महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए संघर्ष किया। 2003 में व्हाइट रिबन एलायंस इंडिया की पहल पर भारत सरकार ने इसी दिन को राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस घोषित किया। इस दिन का संदेश साफ है — मातृ स्वास्थ्य, सुरक्षित गर्भावस्था, प्रसव और प्रसवोत्तर देखभाल के प्रति देश में सर्वव्यापी जागरूकता फैलाना और हर माँ को सम्मानजनक, सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करना। सुरक्षित मातृत्व का अर्थ केवल अस्पताल और डॉक्टर तक पहुँच नहीं है। यह माँ के सम्मान, सम्मानजनक देखभाल, सामाजिक समर्थन और सशक्त अधिकारों की गारंटी भी है। गर्भावस्था केवल नौ महीने का सफर नहीं, बल्कि जीवन का सुरक्षित, सम्मानजनक और स्वस्थ अनुभव होना चाहिए। दुनिया भर में हर साल लाखों महिलाएँ गर्भावस्था और प्रसव से जुड़ी जटिलताओं के कारण जीवन खो देती हैं। हालांकि भारत ने लगातार प्रयासों से मातृ मृत्यु दर में कमी लाई है, फिर भी आज भी उच्च जोखिम, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और सामाजिक बाधाएँ बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। भारत ने मातृ मृत्यु दर में वर्षों में बड़ी प्रगति की है, लेकिन यह अभी भी आवश्यक लक्ष्य तक नहीं पहुँची है। 2030 तक सतत

विकास लक्ष्य (एसडीजी) 3.1 के तहत मातृ मृत्यु दर को प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों पर 70 से नीचे लाना है — यह स्पष्ट संकेत है कि सुधार की अभी भी बहुत गुंजाइश मौजूद है। गर्भावस्था के दौरान एनीमिया, उच्च रक्तचाप, संक्रमण, दूर-दराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और पुरानी सामाजिक मान्यताएँ मातृ स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। इन सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए केवल सरकारी योजनाएँ ही नहीं, बल्कि समाज और समुदाय की सक्रिय भागीदारी भी अनिवार्य है, ताकि हर माँ सुरक्षित और स्वस्थ मातृत्व का अनुभव प्राप्त कर सके। राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस पर सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय माताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सक्रिय रहते हैं। गर्भवती महिलाओं के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान हर महीने 9 तारीख को निःशुल्क एंटीनेटल चेकअप उपलब्ध कराता है। इसके अलावा, जननी सुरक्षा योजना संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित करती है और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। सुमन और लक्ष्य जैसी योजनाएँ गर्भावस्था, प्रसव और प्रसवोत्तर देखभाल को सुरक्षित, सम्मानजनक और प्रभावी बनाने का काम करती हैं। इन कार्यक्रमों को घर-घर पहुँचाने में आशा कार्यकर्ताओं और एएनएम बहनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक रही है। सुरक्षित मातृत्व केवल योजनाओं तक सीमित नहीं है; यह समाज में वास्तविक बदलाव की भी मांग करता है। कई समुदायों में आज भी कम उम्र में विवाह, अपर्याप्त पोषण, पुरानी रूढ़ियाँ और महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी बड़ी बाधाएँ हैं। बेटी की शिक्षा, शादी की उम्र में देरी, स्वास्थ्य की जानकारी, गर्भावस्था के जोखिमों की समझ, प्रसव के बाद पोषण और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान — ये सभी पहलू मातृत्व को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। परिवार का सहयोग, विशेषकर पति और ससुराल का समर्थन, इस पूरी प्रक्रिया को सुखद, सुरक्षित और सकारात्मक अनुभव में बदल देता है। राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस की अहमियत केवल जानकारी तक सीमित नहीं है; यह अनुभव, संघर्ष और प्रेरक कहानियों से भी जुड़ा है। हर गाँव, कस्बा और शहर उन माताओं की कहानियों से जीवंत हो उठता है, जिन्होंने सुरक्षित देखभाल और समय पर सहायता पाकर अपने परिवारों को मजबूत बनाया। हर आशा कार्यकर्ता, डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी जोखिमों को पहचानकर, समय पर हस्तक्षेप करके, पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान कर जीवन बदल रहे हैं। यह दिवस हमें यह याद दिलाता है कि जब ज्ञान और सहयोग सही समय पर पहुँचता है, तब हर माँ सुरक्षित, स्वस्थ और सशक्त भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकती है। राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस का संदेश स्पष्ट और सशक्त है — हर महिला को गर्भावस्था और प्रसव के दौरान जीवन और सुरक्षा का अधिकार है। इस दिन की गतिविधियों का उद्देश्य यही है कि समाज में जागरूकता फैलाना कि प्रत्येक माँ को सुरक्षित और सम्मानजनक स्वास्थ्य देखभाल मिले।

(यह लेखक के अपने निजी विचार है)

रिकॉर्ड मतदान, बदलता भारत – लोकतंत्र अब जनता की मुट्ठी में

प्रो. आरके जैन

कभी-कभी इतिहास शोर से नहीं, कतारों में खड़ी खामोश भीड़ के संकल्प से लिखा जाता है। 9 अप्रैल 2026 ऐसा ही दिन था। असम, केरल और पुडुचेरी में भोर से पहले ही मतदान केंद्रों के बाहर जनसैलाब उमड़ पड़ा। कहीं भीगे हाथों में छाते थे, कहीं तपती सुबह से पहले ही चेहरों पर जिद चमक रही थी। कोई कांपते कदमों और झुकी कमर के साथ पहुंचा था, तो कोई पहली बार वोट देने का उत्साह आंखों में लिए खड़ा था। चेहरे अलग थे, भाषाएं अलग थीं, परिस्थितियां अलग थीं, लेकिन सबको एक ही विश्वास जोड़ रहा था—लोकतंत्र को और मजबूत करने का विश्वास। शाम तक आंकड़ों ने बता दिया कि जनता ने केवल मतदान नहीं किया, बल्कि लोकतंत्र के पक्ष में अपना ऐतिहासिक फैसला सुना दिया। चुनाव आयोग के अनुसार मतदान समाप्ति से एक घंटे पहले (शाम 5 बजे तक) के आंकड़े चौंकाने वाले ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की नई ताकत का ऐलान करने वाले हैं—असम में 84.42 प्रतिशत, केरल में 75.01 प्रतिशत और पुडुचेरी में 86.92 प्रतिशत मतदान। ये केवल संख्या नहीं, बल्कि उस जागते भारत की तस्वीर हैं, जो अब राजनीति को दूर से देखना नहीं, उसे अपनी मुट्ठी में लेना चाहता है। लगभग 5.3 करोड़ मतदाताओं की इस भागीदारी ने साफ कर दिया कि जनता अब भाषणों और नारों के पीछे चलने वाली भीड़ नहीं रही। वह सवाल करती है, जवाब मांगती है और अपने वोट से बता रही है कि सत्ता का असली मालिक नागरिक है। यही वजह है कि ये चुनाव केवल तीन राज्यों की घटना नहीं, बल्कि पूरे देश के लोकतांत्रिक भविष्य की दिशा बन गए हैं। असम में इस बार का चुनाव कई अर्थों में ऐतिहासिक रहा। 126 सीटों वाले राज्य में 84.42 प्रतिशत मतदान ने पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। 2023 के परिसीमन के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों के बीच यह पहला चुनाव था, इसलिए लोगों की भागीदारी भी बढ़ी। भाजपा-एनडीए, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में सत्ता बचाने में जुटा है, जबकि कांग्रेस और अन्य दल वापसी की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात यह रही कि मतदाता दलों से अधिक अपने मुद्दों पर केंद्रित दिखा। भूमि अधिकार, सांस्कृतिक पहचान, सीमा सुरक्षा, बेरोजगारी और विकास जैसे सवाल लोगों को बूथ तक ले आए। डलगांव जैसे क्षेत्रों में 94 प्रतिशत से अधिक मतदान ने बता दिया कि असम अब केवल सरकार नहीं, अपना भविष्य चुन रहा है। असम की जनता ने इस बार केवल वोट नहीं डाला, बल्कि अपनी राजनीतिक चेतना भी दिखा दी। पहचान, घुसपैठ, सीमाई तनाव और अवसरों की कमी से लंबे समय तक जूझते रहे इस राज्य ने साफ कर दिया कि अब उसे केवल वादे नहीं, ठोस जवाब चाहिए। गांवों, पहाड़ी इलाकों और सीमा से लगे क्षेत्रों में जिस तरह महिलाएं, बुजुर्ग और युवा मतदान के लिए निकले, उसने साबित कर दिया कि लोकतंत्र की ताकत शहरों तक सीमित नहीं है। असम ने यह भी दिखाया कि पूर्वोत्तर अब राष्ट्रीय राजनीति का किनारा नहीं, बल्कि उसकी दिशा तय करने वाली मजबूत आवाज बन चुका है। वहां की जनता ने बता दिया कि लोकतंत्र सबसे मजबूत तब होता है, जब सबसे दूर बैठा नागरिक भी अपने वोट की कीमत समझने लगे। केरल में तस्वीर अलग थी, लेकिन संदेश उतना ही मजबूत। 140 सीटों पर हुए चुनाव में 75.01 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। यह आंकड़ा असम और पुडुचेरी से कम जरूर है, लेकिन राजनीतिक रूप से बेहद जागरूक केरल में यह भागीदारी अपने आप में असाधारण है। एलडीएफ, यूडीएफ और भाजपा गठबंधन के बीच त्रिकोणीय मुकाबले ने चुनाव को और दिलचस्प बना दिया। पलक्कड़, कोझीकोड और कई जिलों में 80 प्रतिशत के आसपास मतदान हुआ। स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी, पर्यावरण और महंगाई जैसे मुद्दों पर जनता ने खुलकर अपनी राय दी। यहां मतदाता केवल दल नहीं देखता, बल्कि उनके काम, नीतियों और भविष्य की दिशा को भी परखता है। केरल की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि वहां लोकतंत्र केवल प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक संस्कृति बन चुका है।

(यह लेखक के अपने निजी विचार है)

स्वच्छ सिंहस्थ के लिए पर्यावरण प्रदूषण व स्थानीय तापमान पर चिंतन की आवश्यकता

प्रहलाद शर्मा

उज्जैन में आयोजित होने वाले महाकुंभ को मध्यप्रदेश सरकार विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन मानते हुए तैयारी में जुटी हुई है। 27 मार्च से 27 मई 2028 तक 60 दिनों तक चलने वाले इस आस्था के महाकुंभ में लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया जा रहा है। सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में 3060 करोड़ का बजट प्रावधान किया है, वहीं 13851 करोड़ के विकास कार्यों की घोषणाएं भी की है। समूचे उज्जैन जिले में इस भव्य आयोजन को लेकर युद्ध स्तर पर निर्माण और विकास कार्य चल रहे हैं। इन सबके बीच इस आयोजन में एक महत्वपूर्ण विषय है पर्यावरण प्रदूषण और स्थानीय तापमान में होने वाली वृद्धि। सरकार को इस दिशा में चिंतन करते हुए ठोस कदम उठाए जाने पर गंभीरता से ध्यान देना जरूरी है। आज हम इसी विषय पर कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं को लेकर सरकार का ध्यान केंद्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। यह महाकुंभ हरिद्वार, प्रयागराज और नासिक से ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। जिसके एक नहीं अनेक कारण हैं, हम उस पर भी विस्तृत प्रकाश डालते हुए भावी खतरे से सरकार को आगाह करते हुए उसके समाधान हेतु समय रहते उचित कदम उठाने का सुझाव भी प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार उज्जैन महाकुंभ का आयोजन लगभग 3360 हेक्टेयर के विशाल क्षेत्रफल में आयोजित करने की तैयारी कर रही है। जिसमें एक स्थायी कुंभ सिटी के साथ ही आस्था की डुबकी लगाने के लिए क्षिप्रा नदी पर 29 किमी लंबे घाट तैयार किए जा रहे हैं। सरकार इस आयोजन को स्वच्छ सिंहस्थ के माध्यम से कार्बन क्रेडिट अर्जित करने की योजना भी बना रही है। जिसके तहत कुंभ क्षेत्र में प्लास्टिक की रिसाइक्लिंग और न्यूनतम अपशिष्ट उत्पादन, कचरे को संसाधन में बदलने की आधुनिक तकनीक का उपयोग के साथ ही कुंभ क्षेत्र और आस-पास के इलाकों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण की योजना भी है। बेशक स्वच्छता की दृष्टि से यह सरकार का एक अच्छा प्रयास माना जा सकता है। लेकिन क्या इतने भर से इस महाकुंभ में उत्पन्न होने पर्यावरण प्रदूषण को रोका जा सकता है? क्या कचरे का निष्पादन और प्लास्टिक की रिसाइक्लिंग जैसे कार्य से इतनी बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं और उनके वाहनों, उनके लिए तैयार किए जाने वाले भोजन तथा उस क्षेत्र में की जाने वाली विद्युत आपूर्ति से उत्सर्जित होने वाली कार्बन-डाई-ऑक्साइड अर्थात कार्बन से स्थानीय तापमान में वृद्धि नहीं होगी? क्या यह पर्यावरण प्रदूषण का एक बड़ा और गंभीर कारक नहीं होंगे? हां सरकार द्वारा कुंभ क्षेत्र और आस-पास के इलाकों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण की योजना जरुर बनाई गई है लेकिन क्या अल्प समय में इतनी बड़ी तादाद में वृक्षारोपण कार्य किया जा सकता है और इतने पौधे एक साथ तैयार हो सकते हैं? सरकार को स्थानीय तापमान नियंत्रित करने, पर्यावरण संरक्षण करने तथा निरंतर लंबे समय तक कार्बन क्रेडिट का लाभ अर्जित करने के साथ ही आध्यात्मिक परंपरा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विश्व पटल पर एक सकारात्मक परिणाम मूलक संदेश देने हेतु वृक्षारोपण कार्य को अविलंब प्रारंभ करना चाहिए।

हरिद्वार, प्रयागराज और नासिक से ज्यादा उज्जैन चुनौतीपूर्ण क्यों?

इन तीन स्थानों की तुलना में उज्जैन का कुंभ अधिक चुनौतीपूर्ण क्यों है इसका तुलनात्मक अध्ययन करते हैं।

हरिद्वार कुंभ का आयोजन अप्रैल माह में एक माह के लिए होता है। उस समय वहां का तापमान 18 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। वहीं हरिद्वार जिले में लगभग 583.94 वर्ग किलोमीटर का वन क्षेत्र है। यह जिला अपने महत्वपूर्ण वनों के लिए तथा यहां स्थित राजाजी राष्ट्रीय उद्यान के लिए भी जाना जाता है।

प्रयागराज कुंभ जनवरी फरवरी माह में आयोजित होता है। यह पूरी तरह ठंड का मौसम होता है। यहां पर्यावरण संरक्षण और शुद्ध वायु के लिए शहर में ही 56 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में घने वन विकसित किए गए हैं।

नासिक कुंभ अगस्त सितंबर माह में आयोजित होने वाला है। यह मूल रूप से बरसात का समय रहता है और इस दौरान यहां का तापमान 21 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। इस क्षेत्र में लगभग 3400 वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र है। उज्जैन कुंभ अप्रैल व मई माह में आयोजित होगा।

(यह लेखक के अपने निजी विचार है)

संक्षिप्त समाचार

'आत्म मंथन' की दिव्य झलक बिखेरता बाल संत समागम संपन्न

भोपाल, प्रातः किरण । सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन आशीर्वाद से निरंकारी मिशन के भोपाल जोन 24 ए में 'आत्म मंथन' की दिव्य झलक बिखेरता जोन स्तरीय बाल संत समागम रविवार को संत निरंकारी सत्संग भवन, डी-मार्ट के पास, जहांगीराबाद, भोपाल में आगरा से पधारे ज्ञान प्रचारक महात्मा अमन महेंद्रू की पावन उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महात्मा अमन जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों के जीवन में आध्यात्मिक चेतना का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है। जिस प्रकार एक नन्हे पौधे को सुरक्षा घेरा देकर सुरक्षित रखा जाता है और समय के साथ वही पौधा एक विशाल वृक्ष बनकर मीठे फल और शीतल छाया प्रदान करता है, उसी प्रकार यदि बच्चों को बचपन से ही आध्यात्मिक संस्कार दिए जाएं, तो वे आगे चलकर एक आदर्श गुरसिख बनते हैं और जीवन में माया, कुरीतियों एवं बुराइयों से अछूते रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि बच्चे ही देश और निरंकारी मिशन का भविष्य हैं। जिस प्रकार ये बच्चे अभी से भक्ति में लीन होकर समाज को प्रेरणा दे रहे हैं, वह सराहनीय है। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से जोन की विभिन्न शाखाओं में ऐसे आयोजन निरंतर हो रहे हैं, जिससे बच्चों में भक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और वे भविष्य में समाज, मिशन एवं राष्ट्र का नाम रोशन करेंगे। समागम में बाल संतों द्वारा विभिन्न आकर्षक भक्तिमय प्रस्तुतियां दी गईं। बच्चों ने भजन, नाटक एवं अन्य कलाओं के माध्यम से आत्म मंथन का संदेश देते हुए निरंकारी मिशन की गतिविधियों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया,जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

डीजीपी कैलाश मकवाणा के मुख्य आतिथ्य में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

अनुशासन, कुशल नेतृत्व और नशे से दूरी, यही है सफलता का मार्गः डीजीपी

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता

राजधानी भोपाल में ओरिएंटल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स द्वारा आयोजित TechFizz & Pharmazephyr 2k26 के समापन समारोह का आयोजन पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस दौरान डीजीपी कैलाश मकवाणा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनका संस्थान में दूसरा आगमन है।

उन्होंने वर्ष 2012 के अपने पहले दौरे का उल्लेख करते हुए उस समय की यादें साझा कीं, जब वे महानायक अमिताभ बच्चन की 'मधुशाला' प्रस्तुति के दौरान उपस्थित रहे थे। साथ ही उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के साथ ड्यूटी के दौरान मुलाकात एवं सैटेलाइट लॉन्चिंग से जुड़े उनके भाषण के अंश, अनुभव साझा करते हुए नेतृत्व और कर्तव्यनिष्ठा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सच्ची सफलता उसी को मिलती है जो एक लक्ष्य के लिए मेहनत करता है, और उसी को उसका उचित श्रेय भी दिया जाना चाहिए।

सतर्कता और टीमवर्क से अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव

डीजीपी मकवाणा ने उनकी SP बस्तर पदस्थापना के दौरान डकैती की एक घटना का उल्लेख करते हुए पुलिस बल के अथक परिश्रम, नाइट पेट्रोलिंग के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार सतर्कता और टीमवर्क से अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। डकैती की उक्त घटना के बाद सम्पूर्ण संपत्ति की रिकवरी कर पीड़ितों को लौटाने, चड्डी बनियान गैंग को सजा दिलाने के अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने पुलिस और नागरिकों के बीच बनने वाले आत्मीय एवं भावनात्मक संबंधों का मार्मिक वर्णन भी किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में अच्छी आदतें अपनाने, आत्म-अनुशासन बनाए रखने तथा महान व्यक्तियों की आत्मकथाएं पढ़ने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान का उल्लेख करते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया और बताया कि इस अभियान में इस संस्थान की सक्रिय सहभागिता रही है। मुसीबतों में अपना हौंसला बनाए रखने, हिम्मत रखने एवं साहस से बात प्रस्तुति पर भी जोर दिया।

मैगजीन का विमोचन भी किया

कार्यक्रम के दौरान डीजीपी कैलाश मकवाणा द्वारा The Cyber Times मैगजीन का विमोचन भी किया गया। इसके पश्चात विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चांसलर, ओरिएंटल यूनिवर्सिटी, इंदौर एवं चेयरमैन, ओजीआई प्रवीण ठकराल द्वारा की गई। वहीं प्रो-चांसलर, ओरिएंटल यूनिवर्सिटी, इंदौर एवं वाइस चेयरमैन, ओजीआई गौरव ठकराल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

एक नजर इधर भी...

भोपाल, प्रातः किरण। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का नववर्ष महानगर उत्सव मेला में आगमन हुआ। इस दौरान मध्यप्रदेश शासन के पूर्व गृह मंत्री एवं समिति के अध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता ने सभी समिति के पदाधिकारी के साथ मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

भोपाल, प्रातः किरण। रायसेन रोड पर लूट की शिकार हुई दो महिलाओं से राजधानी भोपाल के रोशन हॉस्पिटल में मंत्री विश्वास सारंग ने की मुलाकात। मंत्री ने डॉक्टरों से स्वास्थ्य जानकारी ली और पुलिस को गश्त बढ़ाने तथा दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने पीड़ितों के परिजनों को जल्द न्याय का आश्वासन भी दिया है, और कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

भोपाल, प्रातः किरण। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आष्टा में नवनिर्मित सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बालिकाओं का तिलक किया और उनसे संवाद किया।

भोपाल, प्रातः किरण। 'बूथ चलो अभियान' के तहत मंत्री विश्वास सारंग ने नरेला विधानसभा के विभिन्न बूथों पर बुजुर्गों का सम्मान किया।

भोपाल, प्रातः किरण। स्मार्ट पार्क में प्रदर्शन के लिए रखे गए मेट्रो रेल कोच को सुभाष नगर डिपो में स्थानांतरित करने की तैयारी चल रही है। संभवतः यह कार्य आज पूरा हो जाएगा।

एमपी में बढ़ी गर्मी, तापमान में 4 डिग्री तक इजाफा

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। मध्यप्रदेश में तेज गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है और सूरज की तपती धूप लोगों को परेशान करने लगी है। दिन के समय तापमान में बढ़ोतरी से प्रदेश के अधिकतम तापमान में औसतन 4 डिग्री की बढ़ोतरी देखी गई है। कुछ शहरों में यह बढ़ोतरी 5 से 6 डिग्री के बीच रही। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के जिलों में ज्यादा गर्मी महसूस हो रही है। शनिवार को यहां तापमान ने अधिक गर्मी का सामना किया और रविवार को भी मौसम इसी तरह का रहने की संभावना जताई गई है। शनिवार को उज्जैन, रतलाम, नर्मदापुरम सहित 18 शहरों में दिन का तापमान 37 डिग्री या उससे अधिक दर्ज किया गया। सबसे ज्यादा तापमान रतलाम में 40.6 डिग्री सेल्सियस रहा। नर्मदापुरम में 39.4 डिग्री, धार में 39.2 डिग्री, खरगोन में 39 डिग्री, गुना में 38 डिग्री, शाजापुर में 37.7 डिग्री, सागर में 37.6 डिग्री, छिंदवाड़ा में 37.5 डिग्री, और दमोह, टीकमगढ़ तथा बैतूल में 37 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश के प्रमुख पांच शहरों की बात करें तो उज्जैन में सबसे अधिक तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भोपाल में 36.8 डिग्री, जबलपुर में 36.6 डिग्री, इंदौर में 37.6 डिग्री और ग्वालियर में 35.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

हर बूथ पर सेवा का संदेश, हर वर्ग तक पहुंची भाजपा : सारंग

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 'बूथ चलो अभियान' के तहत नरेला विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न सेवा, स्वच्छता और जनसंपर्क कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विश्वास सारंग ने किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर तक सक्रिय होकर समाज के हर वर्ग से सीधा संवाद स्थापित किया और भाजपा की विचारधारा को साकार किया। इस दौरान मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि भाजपा का स्थापना दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज के प्रति दायित्व निभाने का अवसर है। उन्होंने अभियान को संगठन की ताकत को जमीनी स्तर तक मजबूत करने और समाजसेवा का प्रभावी माध्यम बताया।

मंदिर में चलाया सफाई अभियान

अभियान के अंतर्गत विभिन्न मंदिरों में विशेष सफाई कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंत्री विश्वास सारंग ने मंदिर परिसर की साफ-सफाई की और स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का केंद्र भी है। मंदिर की स्वच्छता बनाए रखना हर श्रद्धालु की जिम्मेदारी है। इसके अलावा, मंत्री सारंग ने आमजन से सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने की अपील की।

बुजुर्गों का सम्मान और लाभार्थी संवाद

'बूथ चलो अभियान' के तहत मंत्री विश्वास सारंग ने नरेला विधानसभा के विभिन्न बूथों पर बुजुर्गों का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनके अनुभव समाज को दिशा देते हैं। साथ ही, मंत्री सारंग ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया।

भोपाल देहात पुलिस का प्रभावी अभियान

70 फरार आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता

भोपाल देहात पुलिस ने अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से एक विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। यह अभियान 11-12 अप्रैल की रात को जिले भर में संचालित किया गया, जिसमें 109 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम ने मात्र छह घंटे में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

68 समन की तामिली भी सुनिश्चितः इस दौरान 70 फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 28 स्थायी और 42 गिरफ्तारी वारंट वाले आरोपी शामिल हैं। अभियान में पुलिस ने 55 जमानती वारंट और 68 समन की तामिली भी सुनिश्चित की। इसके अतिरिक्त, 39 गुंडा चेक और 30 निगरानी बदमाशों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की गई। पुलिस ने 1 प्रकरण आबकारी एक्ट के तहत भी दर्ज किया।

विधिसम्मत और संवेदनशील तरीके से हो कार्रवाईः कानून व्यवस्था को लेकर किए गए इस अभियान के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरंतर निगरानी रखी गई। पुलिस अधीक्षक रामशरण प्रजापति ने सभी थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए कि कार्रवाई विधिसम्मत और संवेदनशील तरीके से की जाए। अधिकारियों के अनुसार, इस अभियान का मुख्य उद्देश्य फरार अपराधियों की गिरफ्तारी, वारंटों की तामिली और आदतन अपराधियों की चेकिंग के साथ-साथ क्षेत्र में अपराध नियंत्रण सुनिश्चित करना था।

आम जनता में सुरक्षा की भावना भी मजबूतः पुलिस ने इस अभियान के जरिए आम जनता में सुरक्षा की भावना भी मजबूत की है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इस प्रकार की सघन कार्यवाही से अपराधियों में पुलिस का भय पैदा होता है और लंबित न्यायालय प्रकरणों का समाधान भी शीघ्रता से होता है, जिससे पीड़ितों को जल्द न्याय मिलता है। पुलिस ने आगे भी इस तरह के अभियानों को जारी रखने की बात कही है।

जैन समाज की महिलाओं ने दिया जीव दया का संदेश

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता

जैन समाज की महिलाओं ने महावीर स्वामी के संदेश 'जिओ और जीने दो' को आगे बढ़ाते हुए मूक पक्षियों के लिए सकोरे और दाने वितरित किए। जैन नगर लाल घाटी में आयोजित कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने दीप प्रज्वलित कर नवकार महामंत्र का वाचन किया।

वरिष्ठ सदस्य सुधा जैन और पोती देशना जैन ने जीव दया और गौ रक्षा की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर शीला पांड्या, प्रमिला जैन, शशि जैन,मीना जैन, रश्मि जैन, साधना जैन राजमाला भंडारी रजनी जैन कविता जैन आशा मेहता बबीता जैन नीलिमा जैन, मंजू जैन, रेखा जैन माला जैन किरण जैन अंजली जैन मौजूद थी। फुलवारी समिति ने भी जीव दया और गौ सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है।

आचार्य शंकर प्रकटोत्सव एकात्म पर्व 17 अप्रैल से

भोपाल। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, संस्कृति विभाग द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य के प्रकटोत्सव वैशाख शुक्ल पंचमी के उपलक्ष्य में 'एकात्म पर्व' का पंच दिवसीय भव्य आयोजन 17 से 21 अप्रैल तक ओंकारेश्वर के मांधाता पर्वत पर 'एकात्म धाम' में आयोजित किया जा रहा है। इस पंच दिवसीय मांगलिक अनुष्ठान में भारत की दिव्य संन्यास परंपरा के शीर्ष संतों, आर्ष चिंतकों और विशिष्टजनों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम का शुभारंभ 17 अप्रैल को द्वारका पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी के पावन सान्निध्य तथा संस्कृति और पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, विवेकानंद केंद्र की उपाध्यक्ष पद्मश्री निवेदिता भिड़े, स्वामी शारदानंद सरस्वती की उपस्थिति में होगा, वहीं समापन अवसर पर 21 अप्रैल को शंकरावतरणम् में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि और चिन्मय मिशन के स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती, दक्षिणामूर्ति मठ, के प्रमुख स्वामी पुण्यानंद गिरि सम्मिलित होंगे।

एमपी में भाजपा का नया कोर ग्रुप तैयार

भोपाल, प्रातः किरण। मध्यप्रदेश में भाजपा ने नया कोर ग्रुप तैयार किया है, जिसमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, और पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा सहित कई प्रमुख नेता शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में इस ग्रुप में दोनों डिप्टी सीएम, राजेंद्र शुक्ल और जगदीश देवड़ा शामिल हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, राकेश सिंह, वीडी शर्मा समेत 15 नेताओं को शामिल किया गया है। जानकारी है कि इस कोर ग्रुप की पहली बैठक 14 अप्रैल को शाम 7:00 बजे सीएम हाउस में आयोजित की जाएगी, जिसमें पार्टी के कार्यों, आगामी प्रोग्राम्स और कुछ अहम मुद्दों पर मंथन किया जाएगा। इसके लिए चयनित सदस्यों को भोपाल बुलाया है।

सूर्य नमस्कार — 100 से अधिक साधकों ने किए 51 सूर्य नमस्कार

स्वर्ण जयंती पार्क में गूंजा ॐ सूर्याय नमः

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता

राजधानी के कोलार रोड स्थित स्वर्ण जयंती पार्क में आज योग और अध्यात्म की एक विशेष लहर दिखाई दी। योग धर्म साधना केंद्र के तत्वाधान में आयोजित विशेष शिविर में योग के माध्यम से शक्ति और शांति का अनूठा संगम देखने को मिला। आयोजन की शुरुआत मुख्य योगाचार्य राजेश श्रीवास्तव (M.A. योग एवं मानव चिकित्सा विज्ञान) द्वारा माँ सरस्वती के पूजन एवं वंदन के साथ की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ योगाचार्य श्री बी.आर. त्रिपाठी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

51 सूर्य नमस्कार और योग निद्रा

सूक्ष्म यौगिक अभ्यासों के पश्चात, राजेश श्रीवास्तव के सानिध्य में उपस्थित सभी साधक-साधिकाओं ने पूरी ऊर्जा के साथ 51 सूर्य नमस्कार के चरणों को संपन्न किया। इसके उपरांत शरीर और मन को पूर्ण विश्राम देने के लिए 'योग निद्रा' का अभ्यास कराया गया, जिससे साधकों ने शारीरिक शिथिलता और मानसिक स्फूर्ति का अनुभव किया।

माइंडफुल मेडिटेशन का आनंद

कार्यक्रम का समापन एक गहन 'माइंडफुल मेडिटेशन' (सचेत ध्यान) सत्र के साथ हुआ। इस दौरान लगभग 104 योग साधक और साधिकाओं सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया। सत्र के बाद प्रतिभागियों ने बताया कि उन्हें शरीर में हल्कापन, तनाव में भारी कमी और नई ऊर्जा का संचार महसूस हो रहा है।

भावनाओं को शुद्ध करने की प्रक्रिया

योगाचार्य राजेश श्रीवास्तव ने कहा सूर्य नमस्कार एक व्यायाम नहीं, बल्कि हमारे मन, शरीर और भावनाओं को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। यह हमारी रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने के साथ साथ शरीर के सभी चक्रों का शोधन करता है।

20 वर्षों की अनवरत सेवा

उल्लेखनीय है कि योग धर्म साधना केंद्र पिछले 20 वर्षों से स्वर्ण जयंती पार्क के योग चबूतरे पर निरंतर निःशुल्क सेवाएं दे रहा है। उच्च शिक्षित योगाचार्य श्री श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में यह केंद्र समाज को स्वस्थ और तनावमुक्त बनाने के मिशन में समर्पित है।

हाई रिस्क, हाई रिवार्ड भरा वेंस मिशन

शांति वार्ता की सफलता-असफलता पर टिका भविष्य का दारोमदार

■ इस्लामाबाद/वॉशिंगट
रेकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन में जेडी वेंस की भूमिका अब जंग को खत्म करने पर केंद्रित हो चुकी है. राष्ट्रपति ट्रंप ने वेंस को जंग खत्म करने की जिम्मेदारी सौंपी है, लेकिन ये ऐसा जंग है जिसकी शुरूआत के कभी वेंस पक्षधर नहीं रहे. बताते हैं कि ट्रंप ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वेंस ईरान के साथ जारी अस्थिर युद्धविराम को एक स्थायी शांति समझौते में बदलें. यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वेंस ट्रंप के खेमे के उन चुनिंदा उच्चाधिकारियों में से थे, जो ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के सख्त विरोधी थे.

2028 राष्ट्रपति चुनाव से पहले की परीक्षा : वेंस ने हमेशा एक कट्टर हस्तक्षेप-विरोधी नेता की छवि बनाए रखी है. मरीन कोर के रूप में इराक युद्ध का हिस्सा रह चुके वेंस का मानना रहा है कि अमेरिका को विदेशी युद्धों से दूर रहना चाहिए. राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस्लामाबाद में शुरू होने वाली इस शांति वार्ता की सफलता वेंस के राजनीतिक भविष्य को तय कर सकती है. यदि वेंस इस जटिल मुद्दे को सुलझाने और शांति स्थापित करने में सफल रहते हैं, तो इसका सीधा लाभ उन्हें 2028 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में मिलेगा.

वार्ता असफल होने पर जोखिम भी : इस वार्ता के सफल न होने पर सारा ठीकरा जेडी वेंस पर फूट सकता है. ईस्टर सेलिब्रेशन के दौरान ट्रंप ने जेडी वेंस से ईरान के साथ सीजफायर वार्ता को लेकर तल्ख लहजे में बात की थी. व्हाइट हाउस में ट्रंप ने वेंस की ओर इशारा करते हुए पूछा था कि क्या आपने कुछ भी बात आगे बढ़ाई या नहीं. जानकार इसे वेंस की बेइज्जती के तौर पर देखते हैं. माना जा रहा है कि अगर ईरान सीजफायर को लेकर वार्ता सफल नहीं होती तो ट्रंप पूरी कोशिश करेंगे कि इसका ठीकरा रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ या जेडी वेंस पर फोड़े.

बात बन गई तो फायदा ही फायदा : 2024 के चुनाव अभियान के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी जनता से वादा किया था कि वे दुनिया भर में जारी युद्धों को खत्म करेंगे और अमेरिकी सेना को विदेशी उलझनों से बाहर निकालेंगे. वेंस अगर इस मिशन में सफल होते हैं, तो वे ट्रंप के उस बड़े वादे को हकीकत में बदलने वाले मुख्य चेहरे होंगे. एक सफल शांति समझौता वेंस को अमेरिकी मतदाताओं के सामने एक शांतिप्रिय लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति वाले नेता के रूप में पेश करेगा. यह छवि उन्हें केवल एक 'ट्रंप के उत्तराधिकारी' के बजाय एक स्वतंत्र और वैश्विक स्तर के कूटनीतिज्ञ के रूप में स्थापित करेगी. वेंस के लिए यह मिशन 'हाई रिस्क और हाई रिवॉर्ड' जैसा है. यदि वे सफल होते हैं, तो 2028 की राह उनके लिए थोड़ी आसान हो सकती है.

भारतीय टैंकरों से पैसे ले रहा ईरान

अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच सीजफायर के बाद भी जो एक अशांति की स्थिति बनी हुई है. इसके पीछे होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना सबसे बड़ा कारण बनता दिख रहा है. ईरान के लिए युद्ध ने इसे मोटी कमाई का जरिया बना दिया है और इसकी वजह से अमेरिका को अपने सुपर पावर होने का एहसास अंतिम सांसें लेता नजर आ रहा है. कई तरह की रिपोर्ट है कि ईरान ने होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से 20-20 लाख डॉलर की वसूली की है. फारस की खाड़ी में युद्ध की वजह से फंसे कई भारतीय जहाज और टैंकर भी होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने में सफल रहे हैं.

मोजतबा का चेहरा बिगड़ा, लेकिन स्वस्थ

नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को गंभीर चोटें आई है लेकिन इसके बावजूद वह मानसिक रूप से स्वस्थ है और देश से जुड़े बड़े फैसलों में हिस्सा ले रहे है. मोजतबा के लंबे समय से सामने नहीं आने के चलते उनके स्वास्थ्य को लेकर भी अलग-अलग अटकलें लगाई जा रही थी, लेकिन हालियां रिपोर्ट में मोजतबा की सेहत को लेकर बड़ा दावा किया गया है. हमले में मोजतबा का चेहरा बुरी तरह प्रभावित हुआ और उनके एक या दोनों पैरों में गंभीर चोट आई है. हालांकि आधिकारिक रूप से ईरान सरकार ने उनकी चोटों की पुष्टि नहीं की है.

जैव विविधता पार्क में DDA की बड़ी कार्रवाई

83 एकड़ जमीन अतिक्रमण मुक्त, 23 फार्महाउस ध्वस्त

■ दिल्ली, एजेंसियां. डीडीए ने तिलपत वैली जैव विविधता पार्क मैदानगढ़ी में अतिक्रमण को लेकर बड़ी कार्रवाई की है. यहां सरकारी भूमि को सुरक्षित करने और हरित क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से करीब 83 एकड़ भूमि से अतिक्रमण हटाया. इस अभियान में दिल्ली पुलिस और वन विभाग की टीम भी मौजूद रही. डीडीए के अनुसार, कार्रवाई खसरा नंबर 580 (1150 वर्ग गज क्षेत्र को न्यायालय के आदेश के कारण छोड़कर), 581, 582, 583, 585, 587, 590, 591, 596, 606, 607, 608 और 610 में की गई. अभियान के दौरान कुल प्रभावित क्षेत्र का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा, यानी करीब 83 एकड़ भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया. इसमें लगभग 12 एकड़ भूमि पर बने 23 फार्महाउस को ध्वस्त किए गए. अदालत के आदेश की वजह से करीब 3 एकड़ भूमि पर बने 7 फार्महाउस को फिलहाल नहीं हटाया. अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान पर्यावरणीय संपत्तियों की सुरक्षा, सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराने और तिलपत वैली जैव विविधता पार्क के हरित क्षेत्र के विस्तार के लिए चलाए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है. हालांकि इस कार्रवाई को लेकर विवाद भी सामने आया है. कुछ स्थानीय निवासियों ने डीडीए के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि तोड़फोड़ की वास्तविक सीमा उतनी बड़ी नहीं थी, जितनी बताई जा रही है. साथ ही, कुछ लोगों ने यह भी दावा किया कि जमीन की सीमांकन प्रक्रिया स्पष्ट नहीं थी और मामला पहले से अदालत में लंबित है. यह अभियान दिल्ली में पर्यावरण संरक्षण और शहरी विकास के बीच संतुलन बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन इसके साथ कानूनी और सामाजिक चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं.

NEWS विडो

बस खाई में गिरी : एक की मौत, 20 घायल

कोरापुट. ओडिशा के कोरापुट जिले में शुक्रवार देर रात राज्य परिवहन की एक बस के खाई में गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि 20 अन्य घायल हो गए. यह हादसा पोट्टांगी ब्लॉक के सुनकी घाट खंड में हुआ.

पंजाब में 2 तस्कर बंदी

चंडीगढ़. पंजाब पुलिस ने सीमा के उस पार से मादक पदार्थों और अवैध हथियारों की तस्करी के रैकेट का शनिवार को भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया तथा 6.5 किलोग्राम हेरोइन बरामद की. बटाला पुलिस ने छह कारतूसों के साथ एक .30 कैलिबर की पिस्तौल और एक लाख रुपये नकद भी बरामद किए हैं.

शिवेली अनुष्ठान : भक्ति और परंपरा का संगम

कोच्चि के मंदिरों में आयोजित पारंपरिक शिवेली अनुष्ठान पूर्ण श्रद्धा और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ. सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जहां लोगों ने भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया. इस दौरान परिक्रमा भी विधि-विधान के साथ संपन्न की गई. कई स्थानों पर सजे-धजे हाथियों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसने धार्मिक माहौल को और भी आकर्षक बना दिया.

15 अप्रैल से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा की बुकिंग

■ दिल्ली, एजेंसियां. हिमालय की बर्फीली वादियों के बीच विराजमान बाबा बर्फानी के दर्शन का सपना देखने वाले शिवभक्तों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है. दुर्गम चोटियों में स्थित भगवान शिव के इस पवित्र दरबार में हाजिरी लगाने का समय अब करीब आ गया है. गर्मियों का मौसम आते ही शिवभक्तों को बाबा बर्फानी के दरबार में हाजिरी लगाने का बेसब्री से इंतजार रहता है. यात्रा के लिए 15 अप्रैल से एडवांस बुकिंग शुरू होने जा रही है. चूंकि रजिस्ट्रेशन 'पहले आओ, पहले पाओ' की तर्ज पर होगी, इसलिए बुकिंग में देरी करना भारी पड़ सकता है. दक्षिण कश्मीर की बर्फीली वादियों में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा हिंदुओं की गहरी आस्था का केंद्र है.गर्मियों में 30 से 40 दिनों तक चलने वाली इस यात्रा में हजारों लोग हिस्सा लेते हैं.गुफा के अंदर भगवान शिव बर्फ के प्राकृतिक शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं.

उम्र जितनी कम, सजा उतनी अधिक : HC

दुष्कर्म का मामला

■ चंडीगढ़, एजेंसियां. पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने बच्चों के साथ दुष्कर्म मामलों में सजा तय करने के लिए एक नया मानक प्रस्तुत किया है. कोर्ट ने कहा कि पीड़ित की उम्र जितनी कम होगी, अपराध की सजा उतनी अधिक होनी चाहिए. साथ ही, अपराधियों की संख्या बढ़ने पर सजा और कठोर होगी. मामला लुधियाना में चार साल सात महीने की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या से जुड़ा है. आरोपित 28 वर्षीय सोनू सिंह ने बच्ची को उसके दादा की चाय की दुकान से बहला-फुसलाकर ले जाकर यह जघन्य अपराध किया था. ट्रायल कोर्ट ने उसे दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई थी. मामला हाई कोर्ट में मौत की सजा की पुष्टि और आरोपित की अपील के रूप में पहुंचा. जस्टिस अनूप चितकारा और जस्टिस सुखविंदर कौर की खंडपीठ ने कहा कि भारत में पोक्सो मामलों में सजा तय करने के स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं, जिससे फैसलों में असंगति आती है. इसी कमी को दूर करने के लिए कोर्ट ने मानक तैयार किया. इसके तहत सजा तय करने का आधार सहमति की कानूनी उम्र को माना जाएगा. जैसे-जैसे पीड़ित की उम्र इस आधार से कम होती जाएगी, सजा बढ़ती जाएगी.

तेंदुओं के लिए कब्रिस्तान बना राज्य

मप्र में 14 महीने में 149 तेंदुओं की मौत

■ भोपाल,
मध्यप्रदेश में पिछले साल जनवरी के बाद 14 महीनों में कुल 149 तेंदुओं की मौत हुई है. आरटीआई के तहत पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह जानकारी सामने आई है, जिसमें यह भी बताया गया है कि दुर्घटनाओं में सबसे अधिक तेंदुओं की मौतें हुई हैं. वन विभाग ने कहा कि चार प्रतिशत की मृत्यु दर 'बड़ी बिल्लियों' के लिए स्वीकृत सीमा के भीतर है. मध्यप्रदेश में तेंदुओं की संख्या देश में सबसे अधिक 3,907 है. इसके बाद महाराष्ट्र और कर्नाटक का स्थान है. राज्य में 2018 में 3,421 तेंदुओं के होने की सूचना थी. जनवरी 2025 से शुरू होने वाले 14 महीनों में मध्यप्रदेश में 149 तेंदुओं की मौत हुई. इनमें से 31 प्रतिशत मौतें सड़क दुर्घटनाओं के कारण हुईं और इनमें भी 19 प्रतिश मौतें राजमार्गों पर हुईं. आरटीआई जवाब के अनुसार 24 प्रतिशत मौतें उम्र और बीमारी जैसे प्राकृतिक कारणों से हुई, जबकि 21 प्रतिशत वन्यजीवों के बीच संघर्ष के कारण हुई. लगभग 14 प्रतिशत मौतों के लिए अवैध शिकार और प्रतिशोधी हत्याएं जिम्मेदार थीं. आठ जानवरों को जानबूझकर या गलती से बिजली का झटका लगा था, जबकि दो को जाल में फंसने के कारण मौत हुई.

3,907 राज्य में कुल तेंदुए

2018 में संख्या: 3,421

मौत के कारण	(% में)
सड़क दुर्घटनाएं	31%
इनमें से राजमार्ग पर	19%
प्राकृतिक कारण (बीमारी/उम्र)	24%
आपसी संघर्ष	21%
अवैध शिकार/प्रतिशोध	14%
कारण अज्ञात	9%
बिजली का झटका	8 मामले
जाल में फंसना	2 मामले

मृत्यु दर लगभग 4% | स्वीकार्य वार्षिक मृत्यु दर 10%-20% तक

कूनो में 4 शावकों को जन्म

मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में कूनो नेशनल पार्क (केएनपी) में शनिवार को भारतीय मूल की एक मादा चीता ने जंगल में चार शावकों को जन्म दिया. इसके साथ ही देश में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 57 हो गई है.

देश विरोधी नेटवर्क की साजिश का भंडाफोड़

दुबई कनेक्शन में 2 युवकों की गिरफ्तारी

■ बिजनौर, एजेंसियां. दुबई में बैठे पाकिस्तानी आका के संपर्क में होने के आरोप में बिजनौर से गिरफ्तार किए गए दो संदिग्धों ने पूछताछ के दौरान बताया कि वह हैंडलर सोशल मीडिया के माध्यम से देश के भीतर नेटवर्क को विस्तार दे रहा है. नजीबाबाद के पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने शनिवार को कहा कि 23 नवंबर को वायरल हुए एक इंस्टाग्राम वीडियो की जांच के बाद पुलिस ने बिजनौर में उवैद मलिक और जलाल हैदर को गिरफ्तार किया है. उन्होंने बताया कि इस वीडियो में आकिब नामक व्यक्ति एक एके-47 राइफल और एक हैंड ग्रेनेड दिखाते नजर आ रहा है. इस वीडियो की जांच से पता चला कि उवैद और जलाल ने सोशल मीडिया के जरिए सऊदी अरब में रहने वाले आकिब और दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले मैजुल के साथ संपर्क स्थापित किया था. दोनों (उवैद और जलाल) तीन साल पहले सूरत में काम करने के दौरान उनके (अकीब और मैजुल) संपर्क में आए. पुलिस पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया कि आकिब इंस्टाग्राम पर कट्टरपंथी और भड़काऊ विचार प्रसारित करता था. उन्होंने हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की बात कही और दूसरों को सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और वाहनों में आग लगाने के लिए उकसाया. आकिब भविष्य में बड़ी आपराधिक वारदातों को अंजाम देने के लिए देश के भीतर भारत विरोधी नेटवर्क स्थापित करने की बात करता था. पुलिस ने कहा कि शुक्रवार को, दुबई में स्थित पाकिस्तान से जुड़े हैंडलर के संपर्क में रहने के आरोप में दो लोगों को बिजनौर जिले में गिरफ्तार किया गया था.

बंदूक का महिमामंडन करने वालों पर कार्रवाई

■ चंडीगढ़, एजेंसियां. हरियाणा के डीजीपी अजय सिंघल ने शनिवार को सोशल मीडिया पर बंदूक संस्कृति और आपत्तिजनक या भ्रामक सामग्री को बढ़ावा देने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. पुलिस ने बताया कि एक जनवरी से 10 अप्रैल के बीच कुल 6,083आपत्तिजनक, भ्रामक और कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने वाले यूआरएल, सामग्री, ऐप्स, वेबसाइटों को हटाया गया. 4,278 सामग्री मेटा से, 1172 सामग्री यूट्यूब से, 372 एक्स से, 167 अन्य मंचों से, 53 टेलीग्राम से, 36 रेडिट से और पांच स्नैपचैट से हटाए गए. मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी इस मुद्दे को लेकर गंभीर हैं और राज्य सरकार सकारात्मक सामाजिक वातावरण बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है.

बस और पिकअप की टक्कर में 10 की मौत

बिहार के कटिहार में सड़क हादसा

कटिहार. बिहार के कटिहार जिले में शनिवार को भीषण सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई. कई लोग घायल बताए जा रहे हैं. एक्सीडेंट कोढ़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे 31 पर बासगढ़ा चौक के पास हुआ. बताया जा रहा है कि ओवरटेक करने के दौरान एक तेज रफ्तार बस और पिकअप वैन में आमने-सामने की टक्कर हो गई. हादसे में 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए. मृतकों की संख्या बढ़ सकती है. मिली जानकारी के अनुसार मृतकों में दो पुरुष, पांच महिलाएं और एक दस वर्षीय बच्ची शामिल हैं. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भयावह था कि पिकअप वैन के परखच्चे उड़ गए और सड़क पर चीख-पुकार मच गई. घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया. स्थानीय लोग तुरंत राहत और बचाव कार्य में जुट गए. कटिहार के एसपी शिखर चौधरी ने बताया कि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है. घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कोढ़ा में भर्ती कराया गया, जहां कई की स्थिति गंभीर बनी हुई है. बताया जा रहा है कि पिकअप वैन में सवार करीब 22 महिला-पुरुष झारखंड से कठिया मेला धाम करके लौट रहे थे.

सेहत : एम्स की बड़ी चेतावनी, इलाज में देरी है बड़ा कारण

पार्किंसंस के मरीजों में बढ़ सकता है दिव्यांगता का खतरा

■ दिल्ली, एजेंसियां. एम्स दिल्ली के विशेषज्ञों ने कहा है कि भारत में कई पार्किंसंस रोगियों को उन्नत इलाज 'डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डीबीएस)' के लिए जरूरत से काफी देर से रेफर किया जा रहा है, जिससे इस तकनीक के संभावित लाभ कम हो जाते हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, डीबीएस एक स्थापित सर्जिकल प्रक्रिया है, जिसे उन मरीजों के लिए अपनाया जाता है जिनमें पार्किंसंस की मुख्य दवा 'लेवोडोपा' का असर कम हो जाता है या जिनमें दवाओं के बावजूद कंपकंपी, अकड़न और अनियंत्रित हरकतें (डिस्किनेसिया) जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं. डॉक्टरों ने बताया कि मरीजों में दवा के असर को समझने के लिए "ऑन" और "ऑफ" पीरियड महत्वपूर्ण होते हैं. "ऑन" स्थिति में दवा ठीक से काम करती है और लक्षण नियंत्रित रहते हैं, जबकि "ऑफ" स्थिति में दवा का असर खत्म होने पर लक्षण फिर से उभर आते हैं. डीबीएस से कई मामलों में दवाओं की जरूरत कम हो जाती है और डिस्किनेसिया, मतली, लो ब्लड प्रेशर और मतिभ्रम जैसी समस्याओं में राहत मिल सकती है. वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में मरीजों को अक्सर तब रेफर किया जाता है जब बीमारी काफी आगे बढ़ चुकी होती है और मरीज में चलने-फिरने में गंभीर दिक्कतें आ चुकी होती हैं, जिससे सर्जरी का असर सीमित हो जाता है. नई तकनीकों जैसे बेहतर इमेजिंग, मॉनिटरिंग और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी सिस्टम ने डीबीएस को और सुरक्षित और प्रभावी बनाया है, लेकिन इसके बावजूद इसका उपयोग अपेक्षाकृत कम है.

वांछित गैंगस्टर को थाईलैंड से वापस लाया गया, गिरफ्तार

दिल्ली, एजेंसियां. देश के कई राज्यों में गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित कुख्यात गैंगस्टर साहिल चौहान को थाईलैंड से सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया है. चौहान के खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस जारी था. सीबीआई ने इंटरपोल के माध्यम से पता लगाया कि चौहान बैंकॉक में है और उसे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वापस लाया गया, जहां पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया. विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सहयोग से सीबीआई ने 10 अप्रैल को वांछित भगोड़े साहिल चौहान को थाईलैंड से सफलतापूर्वक वापस लाने में कामयाबी हासिल की है. चौहान हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती और अवैध आग्नेयास्त्रों के इस्तेमाल से जुड़े कई आपराधिक मामलों में आरोपी था. हरियाणा पुलिस ने सीबीआई से उसके खिलाफ रेड नोटिस जारी करने का अनुरोध किया है.

टेक्नोलॉजी | दिल्ली के एरोसिटी में लोगों की नौकरी लिये बगैर सेवा शुरू

रेस्टोरेंट में रोबोट परोस रहा इडली और डोसा

■ दिल्ली,
आपके शहर के किसी रेस्टोरेंट में अगर आपको जल्द ही बड़ी-बड़ी आंखों और दमकते चेहरे वाला कोई नया स्टाफ मेहमाननवाजी करे तो आप चौंकिए नहीं. वह आपसे बात नहीं करेगा लेकिन आपको सुनेगा. आप जो आर्डर करेंगे, सर्व करेगा. क्योंकि, वह इंसान नहीं बल्कि रोबोट होगा. दिल्ली में 24 घंटे सेवा देने वाले फेमस रोसेट हाउस एरोसिटी रेस्टोरेंट में एक रोबोट को स्टाफ में शामिल किया गया है, वह भी किसी अन्य मानव स्टाफ को हटाए बगैर. अब तक इस तरह की टेक सर्विस विदेश या भारत के चुनिंदा पांच सितारा होटलों में देखने को मिल रही है, लेकिन किसी रेस्टोरेंट में यह प्रयोग पहली बार सामने आया है. जो मशीनी नहीं बल्कि बड़ी-बड़ी भावपूर्ण आंखों और मुस्कुराते चेहरे वाला नजर आता है.

नयापन लेकिन भावनाएं नहीं

कुश कहते है, यह डाइनिंग रूम में एक नयापन लाता है, लेकिन मेहमानों के अनुभव पर पूरी तरह से हावी नहीं होता. इस नएपन के साथ कुछ समझौते भी करने पड़ते हैं. रोबोट से सर्विस पाना थोड़ा अजीब और बेजान सा लग सकता है. इसमें न तो आंखों का संपर्क होता है, न ही मेहमान की जरूरतों को समझने की सहज क्षमता होती है, और न ही वे छोटी-मोटी बातचीत होती है जो खाने के अनुभव को यादगार बनाती है. यह सब कुछ बहुत ज्यादा मशीनी और बनावटी सा लगता है.

कंपनी ने खुद तैयार करवाया : सर्विस के लिए रोबोट लाने का विचार पिछले साल रोसेट के सीईओ कुश कपूर के मन में आया था. कई दौर के परीक्षणों के बाद टीम ने एक स्टार्टअप के साथ मिलकर एक ऐसा सिस्टम तैयार किया जो उनकी जरूरतों के हिसाब से बना था. वे बताते हैं, हमने अपने रोबोटिक सर्विस सिस्टम को खुद ही विकसित किया है. जो हमारे अलग-अलग रेस्टोरेंट से जुटाए गए काम-काज के डेटा और मेहमानों के व्यवहार से जुड़ी जानकारियों पर आधारित है. बाजार में आसानी से उपलब्ध तकनीक पर निर्भर रहने के बजाय, हमारा मकसद कुछ ऐसा बनाना था जो हमारी सर्विस के अनुरूप हो. रेस्टोरेंट के डाइनिंग रूम के अंदर रोबोट की भूमिका सीमित है. वह पूरी तरह से स्वतंत्र होकर काम नहीं करता. सर्विस अभी भी स्टाफ ही संभालता है.

हर टेबल पर पहुंचता है : काम करने के लिहाज से यह सिस्टम साधारण है. स्टाफ रोबोट से जुड़ी ट्रे पर डिश या ड्रिंक्स रखता है और टेबल नंबर डालते है, इसके बाद रोबोट पूरे रेस्टोरेंट में घूमकर ऑर्डर पहुंचाता है. यह एक नियंत्रित गति से चलता है ताकि कुछ भी गिरे नहीं. जब मेहमान अपना ऑर्डर ले लेते हैं, तो यह अपने तय स्टेशन पर लौट आता है.

झील बचाने 1.31 लाख पेड़ हटाए

78.43 लाख घन मीटर गाद झील से निकाली गई | **15** किमी संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा/तटबंध मजबूत किए गए | **2.5** किलोमीटर लंबा पैदल मार्ग बनाया जा रहा है बन्यारी-एसके पायेन में

कश्मीर में बड़ा पर्यावरण संरक्षण अभियान

5 वर्ग किमी क्षेत्र से गाद हटाई गई

130 वर्ग किलोमीटर निर्धारित किया गया वुलर झील का राजस्व क्षेत्र

- वुलर झील के आसपास रहने वाले स्थानीय समुदायों को बाढ़ से सुरक्षा प्रदान करने और अतिक्रमण को रोकने के लिए 15 किलोमीटर के संवेदनशील क्षेत्रों में मिट्टी के तटबंधों को मजबूत करके बांधों को सुदृढ़ किया गया है.
- 2.50 करोड़ रुपये की लागत से डेल्टा पार्क, बन्यारी का उन्नयन, 4.70 करोड़ रुपये की लागत से गुरुरा पार्क का उन्नयन और 4.90 करोड़ रुपये की लागत से निंगली, सोपोर में इको-पार्क का निर्माण कार्य किया जा रहा है.

■ जम्मू, एजेंसियां. उत्तरी कश्मीर की वुलर झील में संरक्षण प्रयासों के तहत लगभग पांच वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र से गाद हटाई गई और आर्द्रभूमि के पारिस्थितिक संतुलन को पुनर्जीवित करने की वैज्ञानिक योजना के तहत 1.31 लाख विलो (पर्णपाती) पेड़ों को चरणबद्ध तरीके से हटाया गया. यह झील एशिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की झीलों में से एक है. झील के पूरे क्षेत्रफल को बहाल करने और इसकी जल धारण क्षमता बढ़ाने के लिए लगभग 78.43 लाख घन मीटर गाद निकाली गई है. अतिक्रमण रोकने और बाढ़ से बचाव के लिए लगभग 15 किलोमीटर के संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बांधों को मजबूत किया गया है. पर्यावरण संरक्षण अभियान को बुनियादी ढांचे के विकास द्वारा समर्थित किया जा रहा है, जिसमें बन्यारी-एसके पायेन में 2.5 किलोमीटर लंबा पैदल मार्ग शामिल है. इस पैदल मार्ग में वाहन नहीं चलाए जाएंगे और यहां 'साइकिलिंग ट्रैक' तथा 'व्यू प्वाइंट' बनाए गए हैं. इसके साथ ही पर्यावरण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई स्थानों पर पार्क का विकास किया जा रहा है. जीपीएस और 'रिमोट सेंसिंग' तकनीक का उपयोग करके 1,159 भू-संदर्भित आरसीसी स्तंभों को स्थापित करके झील की सीमांकन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. वुलर झील का राजस्व क्षेत्र 130 वर्ग किलोमीटर है, जो संरक्षण में सहायक है और आगे अतिक्रमण को रोकता है.

भंसाली की मधुबाला बनेंगी सारा अर्जुन

फिल्म 'धुरंधर' और 'धुरंधरः द रिवेंज' में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाने वाली सारा अर्जुन अब अपने करिअर की सबसे बड़ी चुनौती के लिए तैयार हैं. रिपोर्ट्स के अनुसार, सारा अर्जुन को दिग्गज अभिनेत्री मधुबाला की बायोपिक के लिए चुन लिया गया है. इस मेगा प्रोजेक्ट का निर्माण संजय लीला भंसाली करेंगे, जबकि फिल्म के निर्देशन की कमान 'डार्लिंग्स' फेम जसमीत के. रीन संभालेंगी. यह फिल्म हिंदी सिनेमा के स्वर्ण युग को दोबारा पर्दे पर जीवित करने और मधुबाला के जीवन के अनछुए पहलुओं को दिखाने का एक भव्य प्रयास है.

फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरेंगी

जानकारी के अनुसार, मेकर्स इस फिल्म को मधुबाला के प्रति एक बड़े ट्रिब्यूट (श्रद्धांजलि) के रूप में विकसित कर रहे हैं. मधुबाला की कालजयी सुंदरता और आकर्षण को पर्दे पर उतारने के लिए सारा अर्जुन एक कठिन शारीरिक ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरेंगी. रिपोर्ट में बताया गया है कि कॉस्ट्यूम की बारीकियों से लेकर बोली के प्रशिक्षण और लुक टेस्ट तक, मेकर्स उस दौर को सटीकता से दिखाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. सारा को मधुबाला की शालीनता और जादू को आत्मसात करने के लिए विशेष तैयारी कराई जा रही है.

सफलता और व्यक्तिगत दर्द की कहानी

जसमीत इस फिल्म को एक 'इंटेंस ड्रामा' के रूप में निर्देशित करने वाली हैं. कहानी न केवल मधुबाला की पेशेवर सफलता और उनकी स्टारडम पर केंद्रित होगी, बल्कि उनके जीवन के भावनात्मक संघर्षों को भी गहराई से दिखाएगी. मधुबाला, जिन्हें भारतीय सिनेमा की 'वीनस' कहा जाता है, अपनी खूबसूरती और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती थीं. यह फिल्म उस रहस्यमयी और प्रभावशाली व्यक्तित्व के पीछे छिपे व्यक्तिगत दर्द को भी उजागर करेगी.

हिंदी सिनेमा की कालजयी आइकॉन

मधुबाला 1950 के दशक की सबसे महंगी स्टार्स में से एक थीं और उन्होंने दो दशकों के करिअर में 70 से अधिक फिल्मों में काम किया. उनकी मृत्यु के दशकों बाद भी वे हिंदी सिनेमा की एक अविस्मरणीय पहचान बनी हुई हैं. सारा अर्जुन द्वारा इस प्रतिष्ठित भूमिका को निभाए जाने की खबर ने पूरी इंडस्ट्री में चर्चा बढ़ा दी है. हालांकि, अभिनेत्री ने अभी तक इस रिपोर्ट पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन फिल्म की शूटिंग इसी साल के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है.

बेटे की खातिर काम से ब्रेक लेने का फैसला किया

दिसंबर 2024 में जब विक्रांत मैसी ने सोशल मीडिया पर 'घर वापस लौटने' और काम से दूरी बनाने की घोषणा की थी, तब पूरी फिल्म इंडस्ट्री हैरान रह गई थी. लोगों ने इसकी तुलना नेपोटिज्म और आउटसाइडर्स के संघर्ष से करनी शुरू कर दी थी, लेकिन अब विक्रांत ने खुलासा किया है कि यह फैसला पूरी तरह से उनके बेटे 'वरदान' के लिए था. परिणीति चोपड़ा के शो 'मॉम टॉक्स' में बातचीत के दौरान विक्रांत ने बताया कि वे 'डैड गिल्ट' (पिता होने का अपराध बोध) और मानसिक थकान से जूझ रहे थे.

अपनी भावनाओं को साझा करते हुए विक्रांत ने कहा, 'मैंने अपने सपनों में भी नहीं सोचा था कि मेरे बेटे के लिए काम से ब्रेक लेने का फैसला राष्ट्रीय समाचार बन जाएगा. वरदान के जन्म के समय मैं बहुत व्यस्त था. पहला कारण तो मेरी शारीरिक और मानसिक थकान थी. एक पिता के रूप में मेरा ध्यान हमेशा घर पर रहता था. मुझे याद है जब वह अपनी नानी के घर गया था और उसने 'पापा' कहने की कोशिश की थी. वह बोल नहीं पा रहा था, लेकिन हवा के जरिए आवाज निकालने की कोशिश कर रहा था. तभी मुझे लगा कि अब घर वापस जाने का समय आ गया है.'

विक्रांत मैसी

'वल्नरेबल' होने पर विक्रांत का नजरिया

पिता बनने के बाद आने वाले बदलावों पर विक्रांत ने बेबाकी से बात की. उन्होंने कहा, 'मां की तुलना में हम पिता एक-चौथाई काम भी नहीं करते, लेकिन नई मांओं की तरह पिता को भी बच्चे को घर छोड़कर बाहर जाने में अजीब लगता है. समाज की कंडीशनिंग ऐसी है कि पुरुषों को 'प्रोवाइडर' (कमाने वाला) होना चाहिए, यही बात हमें घर से बाहर धकेलती है. मैं नए पिताओं से बस यही कहना चाहता हूं कि अगर आप भावुक महसूस करते हैं और घर वापस जाना चाहते हैं, तो इसमें कोई बुराई नहीं है.' विक्रांत की पत्नी शीतल ठाकुर ने भी माना कि पिता बनने के बाद विक्रांत पूरी तरह बदल गए हैं.

वापसी का समय तय नहीं

विक्रांत ने दिसंबर 2024 में 'द साबरमती रिपोर्ट' की रिलीज के बाद अपने ब्रेक की घोषणा की थी. उन्होंने लिखा था कि वे एक पति, पिता और बेटे के रूप में खुद को समय देना चाहते हैं. उन्होंने स्पष्ट किया था कि साल 2025 में वे अपनी दो और फिल्मों के जरिए आखिरी बार दर्शकों से मिलेंगे, जब तक कि समय उन्हें दोबारा वापसी की इजाजत न दे. विक्रांत को हाल ही में 'आंखों की गुस्ताखियां' और 'ओ रोमियो' जैसी फिल्मों में देखा गया था.

जन नायकन लीक: कमल हासन ने सेंसर बोर्ड को घेरा

अभिनेता और फिल्म निर्माता कमल हासन ने एक्स (ट्विटर) पर एक लंबा नोट साझा करते हुए इस लीक को 'सिस्टम की विफलता' करार दिया है. उन्होंने परोक्ष रूप से केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को जिम्मेदार ठहराते हुए लिखा, 'फिल्म का लीक होना कोई दुर्घटना नहीं है - यह सिस्टम की नाकामी का परिणाम है. अगर प्रक्रिया समय पर पूरी होती, तो हम आज यहां नहीं होते. प्रमाणन में अत्यधिक देरी ने पाइरेसी के लिए उपजाऊ जमीन तैयार की है. जब कानूनी रास्ता रोका जाता है, तो अवैध रास्ते हावी हो जाते हैं.

सेंसर बोर्ड के साथ विवाद और कानूनी लड़ाई

'जन नायकन' मूल रूप से जनवरी में रिलीज होने वाली थी, लेकिन सेंसर बोर्ड द्वारा फिल्म की कुछ सामग्री पर आपत्ति जताने और प्रमाण पत्र न देने के कारण इसे टाल दिया गया था. मेकर्स ने इस मामले को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाया है और वर्तमान में मामला विचाराधीन है. इसी कानूनी खींचतान के बीच फिल्म का ऑनलाइन लीक होना मेकर्स के लिए एक बड़ा झटका है. कमल हासन ने कहा कि पाइरेसी राजनीति से ऊपर है और यह उन सैकड़ों कलाकारों और तकनीशियनों के काम पर हमला है जो सिनेमा को जीवित रखते हैं.

विजय की राजनीति में एंट्री और साजिश के आरोप

फिल्म 'जन नायकन' विजय के करियर की आखिरी फिल्म मानी जा रही है, क्योंकि इसके बाद वे अपनी पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' के साथ पूरी तरह राजनीति में सक्रिय हो जाएंगे. विजय और उनकी टीम ने आरोप लगाया है कि उनके राजनीतिक प्रतिद्वंदियों ने जानबूझकर फिल्म की रिलीज में बाधाएं पैदा की हैं. यह फिल्म एक राजनीतिक ड्रामा है, जिसमें बॉबी देओल, पूजा हेगड़े, प्रकाश राज और ममिता बैजू जैसे सितारे भी शामिल हैं.

जवाबदेही और दर्शकों से अपील

कमल हासन ने सिस्टम से जवाबदेही की मांग करते हुए सख्त प्रवर्तन और रीयल-टाइम टेकडाउन (अवैध लिंक को तुरंत हटाना) की आवश्यकता पर जोर दिया है. उन्होंने सिनेमा प्रेमियों से अपील की कि वे पाइरेसी का साथ न दें और फिल्म को सिनेमाघरों में ही देखें. उन्होंने लिखा, 'जब सिस्टम विफल हो जाता है, तो निर्माता की रक्षा कौन करेगा? मुझे विश्वास है कि सच्चे सिनेमा प्रेमी एकजुट होंगे और फिल्म को कानूनी रूप से सिनेमाघरों में देखकर करारा जवाब देंगे.'

नकारात्मक चर्चाओं से मुझे फर्क नहीं पड़ता

कन्नड़ सुपरस्टार यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिक' की रिलीज डेट आगे बढ़ गई है, जिसके बाद गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या मेकर्स ने 'धुरंधर 2' के बॉक्स ऑफिस दबदबे और क्लैश से बचने के लिए यह फैसला लिया है. इन अटकलों के बीच हुमा कुरैशी ने अपनी बात रखी है. हुमा का मानना है कि रिलीज का समय तय करना पूरी तरह से निर्माताओं का काम है और वे बहुत सोच-समझकर ही ऐसे फैसले लेते हैं. उन्होंने कहा, 'मैं 'टॉक्सिक' के लिए बहुत उत्साहित हूं, लेकिन मेरा मानना है कि ऐसी चीजों का समय सही होना चाहिए. जब भी यह फिल्म आएगी, मुझे यकीन है कि दर्शक इसे बहुत पसंद करेंगे.

हुमा कुरैशी

फिल्म के बारे में हो रही नकारात्मक पीआर चर्चाओं और गॉसिप पर हुमा ने बेबाकी से जवाब दिया. उन्होंने कहा, 'मैं इन सब बातों के बारे में नहीं सोचती. एक कलाकार के तौर पर मेरा काम अभिनय करना है. अगर मैं दूसरों की बातों को सुनने और उनके नजरिए के बारे में सोचने लगूंगी, तो मैं अपना काम ठीक से नहीं कर पाऊंगी.' हुमा ने बताया कि वह काम पूरा करने के बाद खुद को ऐसी आवाजों से पूरी तरह काट लेती हैं क्योंकि हर कमेंट और राय पढ़ना कलाकार की रचनात्मकता को पंगु बना सकता है.

अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स पर बात करते हुए हुमा ने बताया कि उनके पास पाइपलाइन में 5 फिल्में हैं. उन्होंने कहा, 'मेरी 5 फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं. कुछ के बारे में मैं अभी बात नहीं कर सकती, लेकिन 'टॉक्सिक' और 'बेबी डू डाई डू' जैसे प्रोजेक्ट्स जल्द ही सामने आएंगे. 'बेबी डू डाई डू' हमारा होम प्रोडक्शन है, जिसे मैंने और साकिब सलीम ने अपने बैनर 'सलीम सिबलिंग्स' के तहत बनाया है.' फिलहाल, यश के फैंस 'टॉक्सिक' की नई रिलीज डेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

मातृभूमि की रिलीज में होगी देरी

सलमान खान और निर्देशक अपूर्वा लाखिया की अपकमिंग फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर दर्शकों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा. भारत-चीन के बीच हुए गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित इस फिल्म को लेकर रक्षा मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद इसे काल्पनिक कहानी का रूप दिया गया है.

सूत्रों के मुताबिक, मंत्रालय नहीं चाहता था कि फिल्म के कारण भारत और चीन के बीच मौजूदा समीकरण प्रभावित हों. सलमान ने इस निर्णय का सम्मान करते हुए फिल्म के लगभग 40 प्रतिशत हिस्से को दोबारा शूट किया, जिसमें उनके किरदार का बैकस्टोरी और रोमांस का एंगल जोड़ा गया है. अब इस फिल्म का नया टाइटल 'मातृभूमि' रखा गया है. हालांकि, फिल्म की मुश्किलें अभी खत्म नहीं हुई हैं. ताजा खबरों के अनुसार, नए कट को लेकर भी सेंसर बोर्ड और मंजूरी की प्रक्रिया में देरी हो रही है. पहले चर्चा थी कि सलमान इस वॉर ड्रामा को 15 मई को रिलीज करना चाहते थे, लेकिन मंजूरी मिलने में हो रही देरी के कारण अब इसे मई में रिलीज करना नामुमकिन लग रहा है. अब 'मातृभूमि' के जून में रिलीज होने की संभावना जताई जा रही है, जो पूरी तरह से आवश्यक अप्रूवल मिलने पर निर्भर करेगा.

अन्य प्रोजेक्ट्स में व्यस्त भाईजान

इस बीच, सलमान अपने अन्य प्रोजेक्ट्स को लेकर भी काफी सक्रिय हैं. वह अप्रैल के मध्य से निर्माता दिल राजू की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे, जो 2027 की पहली तिमाही में रिलीज होगी. इस फिल्म के लिए सलमान अपना वजन कम कर रहे हैं और 'वामशी' के निर्देशन में एक बिल्कुल नए लुक में नजर आएंगे. इसके अलावा, अगस्त से वह राज और डीके की 'रिटायर्ड सुपरहीरो' फिल्म की शूटिंग भी शुरू करेंगे. इंडस्ट्री के जानकारों को पूरा भरोसा है कि सलमान जल्द ही 'मातृभूमि' की रिलीज का रास्ता साफ कर लेंगे.

सान्या और सितार वादक ऋषभ का हुआ ब्रेकअप

सान्या मल्होत्रा और मशहूर सितार वादक ऋषभ रिखीराम शर्मा का रिश्ता अब खत्म हो गया है. एक साल से अधिक समय तक साथ रहने के बाद, इस जोड़े ने बिना किसी शोर-शराबे के अपनी राहें अलग करने का फैसला किया है. विश्वसनीय सूत्रों ने पुष्टि की है कि सान्या और ऋषभ, जिन्होंने कथित तौर पर साल 2025 की शुरुआत में डेटिंग शुरू की थी, अब साथ नहीं हैं.

रिश्ते में आए इस खिंचाव का अंदाज इस बात से भी लगाया जा सकता है कि दोनों ने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है. सूत्रों का यह भी कहना है कि ऋषभ अब किसी और को डेट कर रहे हैं, लेकिन वह फिलहाल इसे निजी रखना चाहते हैं. सान्या और ऋषभ ने कभी भी अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया था और न ही वे कभी कैमरे के सामने साथ नजर आए. हालांकि, पैपराजी ने उन्हें कई बार एक ही स्थान से अलग-अलग निकलते हुए स्पॉट किया था, जो अक्सर मशहूर हस्तियां अपने रिश्ता छिपाने के लिए करती हैं.

कैसे हुई थी शुरुआत?

इनके अफेयर की खबरें जनवरी 2025 में तब शुरू हुईं जब एक रेडिट यूजर ने सान्या और ऋषभ की साथ में कुछ तस्वीरें साझा की थीं. एक तस्वीर में सान्या ऋषभ के साथ खड़ी नजर आई थीं, जब वह एक फैन के साथ फोटो खिंचवा रहे थे. इसके अलावा, फैंस ने उन्हें एक ही इवेंट में अलग-अलग समय पर शिरकत करते हुए भी पकड़ा था. दिसंबर 2024 में भी एक इवेंट के दौरान दोनों को साथ देखे जाने का दावा किया गया था, जिसके बाद से ही उनके डेटिंग की चर्चाएं जोरों पर थीं. अब इस अलगाव की खबर ने सान्या के फैंस को थोड़ा हैरान जरूर कर दिया है.

मेरी शादी की अंगूठी मेरा सबसे बड़ा फ्लेक्स है

साल 2022 में शादी के बंधन में बंधे फरहान अख्तर और शिबानी अख्तर अपनी निजी जिंदगी को लाइमलाइट से दूर रखना पसंद करते हैं. हालांकि, हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान शिबानी ने अपनी शादीशुदा जिंदगी और अपने पसंदीदा आभूषणों को लेकर खुलकर बात की. शिबानी का मानना है कि गहने केवल दिखावे की वस्तु नहीं हैं, बल्कि वे व्यक्तिगत उपलब्धियों और यादों से गहराई से जुड़े होते हैं. जब शिबानी से उनके सबसे खास आभूषण के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी शादी की अंगूठी का नाम लिया. उन्होंने कहा, 'मेरी शादी की अंगूठी शायद मेरा सबसे बड़ा फ्लेक्स है. मुझे लगता है कि जब आप कोई गहना खरीदते हैं या आपको वह उपहार में मिलता है, तो उसके पीछे एक पूरी कहानी और भावना छिपी होती है. मेरी शादी की अंगूठी मेरे कलेक्शन के सबसे पवित्र और खास टुकड़ों में से एक है.' इसके अलावा, उन्होंने फरहान द्वारा दी गई एक विंटेज घड़ी का भी जिक्र किया. शिबानी के अनुसार, वह घड़ी अपने आप में एक आभूषण है और फरहान ने उसे ढूंढने में जो मेहनत की, वह उसे और भी खास बनाती है.

शिबानी अख्तर

धुरंधर 2 रिलीज के ओटीटी प्लेटफॉर्म में बड़ा बदलाव

रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर: द रिवेंज' भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सफलता के नए झंडे गाड़ रही है, लेकिन लाखों प्रशंसक अब इसकी ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म के सिनेमाघरों में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बीच इसकी स्ट्रीमिंग डिटेल्स सामने आ गई है. इंडिया टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, सीरीज की पहली फिल्म के विपरीत 'धुरंधर 2' नेटफ्लिक्स पर नहीं आएगी. इस बार फिल्म के डिजिटल राइट्स 'जियो-हॉटस्टार' ने हासिल किए हैं. बताया जा रहा है कि प्लेटफॉर्म ने इसके लिए करीब 150 करोड़ रुपए की भारी-भरकम राशि चुकाई है, जो पहली फिल्म के अधिकारों (85 करोड़) से लगभग दोगुनी है. वहीं, फिल्म के सैटेलाइट राइट्स 'स्टार गोल्ड' के पास सुरक्षित हैं.

आईपीएल के बाद होगा डिजिटल प्रीमियर

फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट को लेकर अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार मेकर्स ने एक रणनीतिक योजना बनाई है. 'धुरंधर 2' के मई के अंत या जून 2026 के पहले हफ्ते में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने की संभावना है. इंडियन प्रीमियर लीग के साथ टकराव से बचने के लिए इसके डिजिटल प्रीमियर को जानबूझकर टाला गया है. आईपीएल खत्म होने के बाद इसे बड़े स्तर पर स्ट्रीम किया जाएगा, ताकि घर बैठे दर्शकों को इसका पूरा आनंद मिल सके.

बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर' की दहाड़

कमाई के आंकड़ों पर गौर करें तो 'धुरंधर 2' ने हालिया इतिहास के सभी बड़े रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं. 19 मार्च को रिलीज हुई इस फिल्म ने महज 21 दिनों के भीतर घरेलू बाजार में 1041 करोड़ रुपए (नेट) का आंकड़ा पार कर लिया है. वैश्विक स्तर पर फिल्म का प्रदर्शन और भी शानदार रहा है, जहां इसने अब तक कुल 1653.67 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. इन नंबरों ने साबित कर दिया है कि आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह जासूसी थ्रिलर बॉलीवुड की सबसे सफल फिल्मों की सूची में मजबूती से खड़ी है.

निगेटिविटी फैलाना बंद करो

जाकिर खान पर अमीषा का पलटवार

रणवीर सिंह स्टारर और आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है. भारत में 1000 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार करने वाली पहली बॉलीवुड फिल्म बनकर इस स्पाई थ्रिलर ने इतिहास रच दिया है. हालांकि, हाल ही में आयोजित एक अवॉर्ड समारोह के दौरान को-होस्ट और स्टैंड-अप कॉमेडियन जाकिर खान के एक बयान ने इंडस्ट्री में नई बहस छेड़ दी है. जाकिर ने स्टेज से कहा, 'आप चाहे कितने भी बधाई वाले पोस्ट डाल दें, सच तो यह है कि धुरंधर की सफलता से सबकी जली है.

फिल्म में बम लयारी (कराची) में फूटे, पर धुआं बांद्रा से जुहू (बॉलीवुड के गढ़) तक उठा है. जाकिर का यह वीडियो वायरल होते ही बॉलीवुड हस्तियों ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है. इस पर अमीषा पटेल ने जाकिर को आड़े हाथों लेते हुए एक्स (ट्विटर) पर लिखा, 'दोस्त, निगेटिविटी फैलाना बंद करो! फिल्म इंडस्ट्री ने 'धुरंधर' का सम्मान किया है. शाहरुख, सलमान, सनी, ऋतिक और अजय जैसे सुपरस्टार्स ने एक नहीं बल्कि 25 से ज्यादा मेगा हिट फिल्में दी हैं और देते रहेंगे. चिल करो, 'गदर' सबने वर्षों से मचाई है और आगे भी मचाएंगे.'

सिद्धार्थ आनंद ने भी जताई नाराजगी

वहीं 'पठान' और 'फाइटर' जैसी फिल्मों के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने भी जाकिर के बयान पर नाराजगी जताते हुए उन्हें 'डफर' तक कह दिया. सिद्धार्थ ने लिखा कि बांद्रा-जुहू के लोगों ने पिछले 50 वर्षों में इंडस्ट्री को ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं, उनके योगदान को कम आंकना मूर्खता है. 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह के अलावा आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं. यह फिल्म कराची के लयारी और अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें रणवीर ने हमजा अली मजारी (जसकीरत सिंह रांगी) का किरदार निभाया है. फिल्म की सफलता की आलिया भट्ट, विक्की कौशल और करण जौहर जैसे कई सितारों ने प्रशंसा की है, लेकिन जाकिर के तंज ने इंडस्ट्री के भीतर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है.

किरदारों ने मजबूत बनाया और जीवन की सीख दी

भूमिका चावला

बॉलीवुड-साउथ इंडस्ट्री में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री भूमिका चावला ने जीवन के बीते पलों को याद किया. उन्होंने अपनी पुरानी तस्वीरें साझा करते हुए अपनी फिल्मी यात्रा और जीवन में निभाए गए अलग-अलग रोल्स के अनुभवों को साझा किया. भूमिका ने लिखा, 'कितना समय बीत गया है, जीवन तस्वीरों में कैद है. 1998 की ये तस्वीर हैं, 28 साल कैसे निकल गए, लगता है जैसे एक उम्र बीत गई.'

आती हैं सफलता-विफलता

उन्होंने कहा, जीवन में मैंने कई भूमिकाएं निभाईं, एक बेटी, पत्नी, मां, बहन और दोस्त. इन सभी अनुभव ने मुझे मजबूत बनाया और जीवन की सीख प्रदान की.' जीवन में सफलता और असफलता दोनों ही आती हैं.

अंपायर से भिड़े दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी-कोच

ट्रिस्टन स्टब्स के विकेट के बाद मचा बवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।

अक्षर पटेल की अगुआई वाली दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल 2026 में लगातार दूसरी हार का सामना चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ करना पड़ा। इस मैच के दौरान दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ की अंपायर से जमकर तू-तू मैं-मैं हुई।

दरअसल, चेन्नई की कड़ी गर्मी के चलते डीसी के बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स के ग्लव्स गीले हो गए थे, जिस वजह से वह उन्हें बदलना चाहते थे, मगर चौथे अंपायर ने दिल्ली के किसी भी खिलाड़ी को मैदान पर जाने नहीं दिया। स्टब्स को ग्लव्स बदलने का मौका नहीं मिला, जिस वजह से वह अगली गेंद पर ही बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में आउट हो गए। ट्रिस्टन स्टब्स के विकेट के बाद दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को फोर्थ अंपायर से भिड़ते हुए देखा गया। चेन्नई की गर्मी ने खिलाड़ियों का बुरा हाल किया हुआ था। जर्सी शरीर से बुरी तरह चिपक रही थी। एक समय ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर को स्ट्रेटेजिक टाइमआउट के दौरान अपने चेहरे पर पानी छिड़कते देखा गया। गर्मी बर्दाश्त नहीं हो रही थी, और स्टब्स ने ग्लव बदलने के लिए कहा। हालांकि, यह ओवरों के बीच में हुआ, जिसके कारण चौथे अंपायर ने मना कर दिया। करुण नायर ग्लव्स के साथ बाउंड्री के बाहर खड़े थे। लेकिन अंपायरों ने उनकी एंट्री रोक दी। इसके तुरंत बाद, स्टब्स, जो दिल्ली कैपिटल्स के लिए अकेले लड़ रहे थे, मिड-ऑफ के ऊपर से हिट करने की कोशिश में आउट हो गए। निराश ट्रिस्टन बाहर चले गए और ड्रेसिंग रूम में वापस जाते समय बल्ला, ग्लव्स और हेलमेट फेंक दिए। उनके विकेट के बाद नीतीश राणा और कोच हेमंग बदानी को अंपायर से बहस करते हुए देखा गया। अंपायर के इस फैसले से दिल्ली का कैंप नाराज नजर आया।

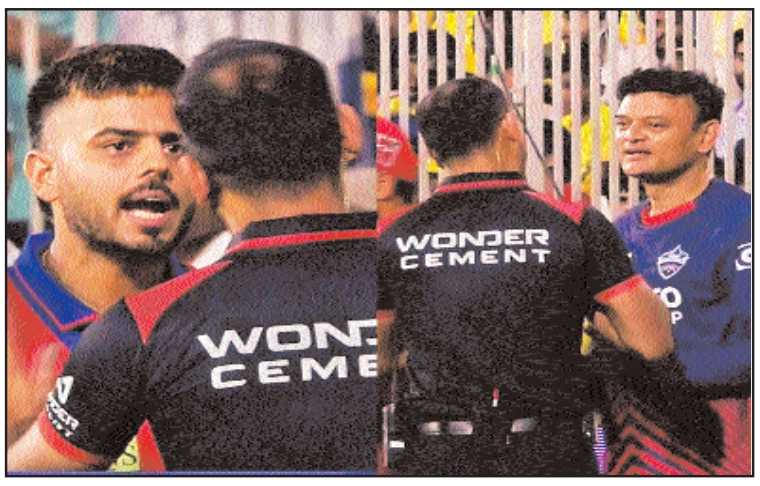

खिताब के लिए मेनहत करनी पड़ेगी

मल्लापुर, एजेंसी।

पिछले साल के फाइनल में दिल तोड़ने वाली हार के बाद पंजाब किंग्स इस सत्र में अपना पहला इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीतने के लिए बेताब दिख रही है, हालांकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि इसकी कल्पना करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ेगी।

प्लेयर ऑफ द मैच अय्यर ने अपने सलामी बल्लेबाजों के प्रयासों की सराहना की जिन्होंने पावरप्ले में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से एक मजबूत नींव रखी। अय्यर ने कहा कि वे मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। मैं बार-बार यही दोहराता रहता हूं कि आपको वर्तमान में रहना होगा। कोच रिकी (पोंटिंग) भी इस पहलू को बहुत महत्व देते हैं। पिछले साल भी हम ट्रॉफी जीतने के बहुत करीब पहुंच गए थे। इस साल, हम इसे जीतना चाहते हैं। इसकी कल्पना करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ेगी।

पंजाब किंग्स ने किया अद्भुत कारनामा

200 से अधिक का टारगेट चेज करने में पंजाब किंग्स की टीम माहिर है। इस टीम ने आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा बार ऐसा किया है। पुरुषों के टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार किसी टीम ने अगर 200 से अधिक का टारगेट चेज किया है तो वह है पंजाब किंग्स। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया का नाम है। पंजाब की टीम ने अब तक 10 बार 200 से अधिक का टारगेट सफलता पूर्वक चेज किया है। टी-20 में सबसे ज्यादा बार 200 से अधिक का टारगेट चेज करने के मामले में पंजाब किंग्स के बाद ऑस्ट्रेलिया का नाम है, जिसने 7 बार 200 से अधिक का टारगेट सफलता पूर्वक हासिल किया है।

जीत की राह पर लौटना चाहेगी मुंबई, आज बेंगलुरु से मुकाबला

मुंबई, एजेंसी।

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा। दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए दो मैचों में हार के बाद, मुंबई इंडियंस जीत की राह पर लौटना चाहेगी। उन्होंने अपने सीजन की शुरुआत घर पर कोलकाता के खिलाफ जीत के साथ की थी। लेकिन मुंबई को अभी भी सही टीम कॉम्बिनेशन नहीं मिल पाया है। वे इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स के लौटने का भी इंतजार कर रहे हैं। आईपीएल इतिहास में अगर दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात करें, तो अब तक दोनों टीमों के बीच कुल 34 मैच खेले गए हैं। इन मैचों के दौरान मुंबई इंडियंस ने 19 मैचों में जीत हासिल की है। तो वहीं, एक बार की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 15 मैच जीतने में सफल रही है।

जीत की हैट्रिक लगाने उतरेगी पंत की लखनऊ

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स आज दोपहर को इकाना स्टेडियम में गुजरात टाइटंस की मेजबानी करेगी। एलएसजी की टीम जीत की हैट्रिक लगाना चाहेगी। एलएसजी को इस सीजन अपने पहले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच 5 विकेट से अपने नाम किया। अपने तीसरे मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इस टीम ने 3 विकेट से जीत दर्ज की। शुभमन गिल की कप्तानी में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वे लखनऊ में होने वाले अगले मुकाबले में इस लय को बरकरार रख पाते हैं या नहीं?

सैसमन ने अपने कोच को समर्पित किया शतक

चेन्नई, एजेंसी।

आईपीएल के इस सीजन में पीली जर्सी पहनने के बाद संजू सैमसन ने पहले तीन मुकाबलों में बहुत खराब प्रदर्शन किया, जिसके बाद उनकी आलोचना भी होने लगी थी। हालांकि, चौथे मैच में उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए शतक जड़ा और चेन्नई सुपर किंग्स को इस सीजन की पहली जीत दिलाई। संजू ने इस मुकाबले में 52 गेंदों में शतक लगाया और 56 गेंदों में कुल 115 रन बनाकर नाबाद रहे। प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड लेने के बाद संजू सैसमन ने अपने इस शतक को महेंद्र सिंह धोनी या अपने माता-पिता को नहीं, बल्कि अपने कोच को समर्पित किया है। ऐसा कभी लगा ही नहीं मैं किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के लिए खेल रहा हूं। हमेशा ऐसा लगता है कि मेरी घर वापसी हुई है। सैमसन ने अपने शतक को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कोच के साथ टीम मैनेजमेंट का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने मुझ पर जो भरोसा दिखाया, उस अनुभव के बाद मुझे लगा कि मुझे अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा। मुझे यह साबित करना था कि हम अभी भी टूर्नामेंट में हैं। और सौभाग्य से सब कुछ बहुत अच्छा रहा। दूसरी फ्रेंचाइजी में इस तरह टूर्नामेंट की शुरुआत करना आसान नहीं होता।

खराब क्षेत्ररक्षण के कारण मैच गवाया

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच में 23 रन से हार का सामना करने के बाद दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि उनकी टीम को खराब क्षेत्ररक्षण का खामियाजा भुगतना पड़ा। सैमसन को मैच के 10वें ओवर में अक्षर पटेल की गेंद पर पथुम निसंका ने आसान कैच टपकाकर जीवनदान दिया था। उस समय सैमसन 55 रन पर खेल रहे थे। इसके बाद दिल्ली के क्षेत्ररक्षक 59 रन की पारी खेलने वाले आयुष महात्रे को भी रन आउट करने से चूक गए। अक्षर ने कहा कि टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन लगातार विकेट गिरने से लय टूट गई और मुकाबले पर पकड़ कमजोर पड़ गई। पावरप्ले तक स्थिति संतोषजनक थी, लेकिन उसके बाद जल्दी-जल्दी विकेट गिरने से पूरी लय बरकरार नहीं रह सकी।

इंदौर संभाग की रोमांचक जीत

इंदौर, एजेंसी। अंतर संभागीय गर्ल्स अंडर-18 एक दिवसीय क्रिकेट स्पर्धा के अंतर्गत इंदौर संभाग ने पहले खुलते हुए 50 ओवरो में 9 विकेट खोकर 210 रन बनाए।

वैष्णवी व्यास एवं अनादि तागडे ने 77-77 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली । वेष्णवी एवं अनादि के मध्य 5 विकेट के लिए 144 रनों की भागीदारी हुई । हनी यादव ने 2 विकेट लिए। जवाब में ग्वालियर संभाग की टीम 45 ओवरों में 192 रनों पर सिमट गई और यह मैच 18 रनों से हार गई । सोनम यादव ने नाबाद 81 रनों की पारी खेली लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाई । पुर्वी, राजनन्दगी एवं वर्तिका ने 2-2 विकेट लिए।

आरसीबी में वापसी से बदला मेरा खेल और सोच : देवदत्त पड़िकल

नई दिल्ली, एजेंसी। बल्लेबाज देवदत्त पड़िकल ने कहा है कि आरसीबी में वापसी उनके लिए एक नया मोड़ साबित हुई है। उन्होंने बताया कि टीम में लौटने के बाद उनकी बल्लेबाजी के साथ-साथ उनकी सोच में भी बड़ा बदलाव आया है और इसी कारण उनके प्रदर्शन में भी सुधार देखने को मिल रहा है। पड़िकल ने कहा कि आरसीबी के लिए हुई नीलामी के बाद उन्हें यह तय करना पड़ा कि वह किस प्रकार के खिलाड़ी बनना चाहते हैं।

उसी समय उन्होंने अपने खेल की कमियों को दूर करने और बेहतर बनने का संकल्प लिया। उन्होंने बताया कि टीम में वापसी के बाद उन्हें अपने स्वभाव के अनुसार खेलने का अवसर मिला, जिससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 के सत्र में उन्होंने आरसीबी के लिए 10 मुकाबलों में 150.61 की गति से 247 रन बनाए थे। वहीं वर्ष 2026 के सत्र में उन्होंने केवल दो मुकाबलों में ही 111 रन बना लिए हैं और उनकी रन बनाने की गति 201.82 तक पहुंच गई है। इससे साफ है कि उनकी बल्लेबाजी पहले की तुलना में अधिक आक्रामक और प्रभावी हुई है। पड़िकल ने कहा कि उन्होंने अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए लगातार अभ्यास किया और अपनी कमजोरियों पर ध्यान दिया। उनका कहना है कि परिणाम की चिंता किए बिना यदि खिलाड़ी मेहनत करता है तो उसका लाभ अवश्य मिलता है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि लखनऊ की टीम के लिए खेलते समय उनका दौर काफी कठिन रहा था। उस समय वह समझ नहीं पा रहे थे कि उनके खेल में क्या कमी रह गई है। उन्होंने कहा कि जब कोई टीम आप पर भरोसा करके आपको अपने साथ जोड़ती है और आप उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाते, तो मन में निराशा होती है। पड़िकल के अनुसार वही कठिन समय उनके लिए प्रेरणा बन गया। उन्होंने कहा कि असफलता ने उन्हें और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया और उसी का परिणाम है कि अब वह बेहतर बल्लेबाजी कर पा रहे हैं। उनका मानना है कि कठिन समय से सीख लेकर आगे बढ़ने से ही खिलाड़ी मजबूत बनता है।

रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस की पहली जीत, दिल्ली को एक रन से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के 14वें मुकाबले में अरुण जेटली स्टेडियम पर दर्शकों को रोमांच से भरपूर मैच देखने को मिला, जहां गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स को महज एक रन से शिकस्त देकर सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज की। 211 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम ने आखिरी ओवर तक संघर्ष किया, लेकिन निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 209 रन ही बना सकी। अंतिम क्षणों तक मुकाबला कांटे का रहा और एक-एक रन के लिए जद्दोजहद देखने को मिली। दिल्ली की ओर से मध्यक्रम ने संघर्ष किया, लेकिन टीम लक्ष्य से एक कदम पीछे रह गई। वहीं, गुजरात के गेंदबाजों ने दबाव के क्षणों में शानदार प्रदर्शन किया। राशिद खान ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 अहम सफलताएं हासिल कीं। इससे पहले टॉस जीतकर दिल्ली ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जो शुरुआत में भारी पड़ता नजर आया। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 210 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। गुजरात की पारी में कप्तान शुभमन गिल ने जिम्मेदारी भरी बल्लेबाजी करते हुए 45 गेंदों में 70 रन बनाए। जोस बटलर ने तेजतर्रार अंदाज में 27 गेंदों पर 52 रन जड़कर रनगति को बनाए रखा, जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 32 गेंदों पर 55 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। दिल्ली की ओर से गेंदबाजी में मुकेश कुमार सबसे सफल रहे, जिन्होंने 2 विकेट हासिल किए। इसके अलावा लुंगी एंगिडी और कुलदीप यादव को एक-एक सफलता मिली। इस जीत के साथ गुजरात टाइटंस ने टूर्नामेंट में वापसी के संकेत दिए हैं, जबकि दिल्ली कैपिटल्स को करीबी मुकाबले में हार से निराशा हाथ लगी।

स्ट्राइक रेट को लेकर बहस में न पड़ें रहाणे : सहवाग

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स की कप्तानी कर रहे आजिंक्य रहाणे का हौंसला बढ़ाते हुए कहा है कि वह स्ट्राइक रेट को लेकर जारी बहस में नहीं पड़ते हुए अपने प्रदर्शन पर ध्यान दें। आईपीएल में रहाणे अपने कम स्ट्राइक रेट के कारण आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। इसी को देखते हुए सहवाग ने उन्हें अहम सलाह दी है। सहवाग ने कहा कि रहाणे को प्रशंसा पर न ज्यादा खुश होने की जरुरत है और न ही आलोचना पर निराश होने की। सहवाब ने कहा, मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ियों को इस तरह की बातों पर अधिक ध्यान देना चाहिये क्योंकि लोग आपकी तारीफ भी करेंगे और आलोचना भी पर आपको दोनो को ही समान रुप से लेना चाहिये। उन्होंने साथ ही कहा, अगर कोई स्ट्राइक रेट या बल्लेबाजी शैली पर सवाल उठाता है, तो उसमें परेशानी होने की जरुरत नहीं है। आपको इसकी जगह पर अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए।सहवाग ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का जिक्र करते हुए कहा है कि उन्हें भी आलोचनाएं झेलनी पड़ी हैं पर उन्होंने कभी भी उनका जवाब नहीं दिया। सहवाग ने ये बात इसलिए कही क्योंकि हाल ही में रहाणे स्ट्राइक रेट को लेकर किये गये सवालों कपर भड़क गये थे। रहाणे ने कहा था कि उनक स्ट्राइक रेट अच्छा है और कुछ लोग जानबूझकर आलोचना में लगे हैं। सहवाग ने रहाणे के स्ट्राइक रेट का बचाव भी किया। उन्होंने कहा कि एक मैच में कुछ ज्यादा गेंद खेलने से स्ट्राइक रेट कम या ज्यादा हो सकता है पर ये खेल का हिस्सा है।

हरभजन सिंह ने खाटू श्याम मंदिर में दर्शन किये

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अपने परिवार के साथ खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन किये। हरभजन ने अपनी पत्नी गीता बसरा के साथ मंदिर में मत्था टेका। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना कर भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया। हरभजन सुबह ही मंदिर पहुंच गये थे। इस दौरान श्री श्याम मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत सत्कार किया। मंदिर परिसर में प्रवेश करने के बाद उन्होंने विशेष पूजा अर्चना की और स्वास्तिक बनाकर बाबा श्याम से देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर में भारी तादाद में श्रद्धालु एकत्र रहे। हरभजन पिछले एक महीने में दूसरी बार खाटूश्यामजी पहुंचे हैं। इससे अंदाजा होता है कि यहां उनकी कितनी आस्था है। इससे पहले वह 9 मार्च को भारतीय टीम की टी-20 विश्व कप जीत के बाद भी भगवान के दर्शन कर धन्यवाद देने पहुंचे थे। उस समय उन्होंने जीत का श्रेय भगवान को देते हुए आभार जताया था। मंदिर कमेटी की ओर से हरभजन सिंह का विशेष सम्मान किया गया।

कोच पामेला ने घोषित की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम

रूस के खिलाफ खेलेगी तीन दोस्ताना मुकाबले

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कोच पामेला कोनटी ने कहा है कि रूस के खिलाफ सोची में होने वाले अंडर-17 फुटबॉल मुकाबलों के लिए उभरते हुए खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। भारतीय टीम 11 से 17 अप्रैल के बीच होने वाले इस दौर में रूस के खिलाफ तीन दोस्ताना मैच खेलेगी। इस दौरो के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित की गयी है। इस दौरे से भारतीय टीम को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे से खिलाड़ियों को अपनी रणनीति और तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा। रूस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से टीम अपने कमजोरियों को दूर कर सकेगी। भारत और रूस के बीच ये तीनों मैच 11, 14 और 17 अप्रैल को सोची के मात्सेस्टा फुटबॉल सेंटर में होंगे। भारतीय टीम ने इन मुकाबलों के लिए सोची में अभ्यास भी शुरु कर दिया है। इस सीरीज से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल होगा। इस टूर्नामेंट से भारतीय टीम को इस साल चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी को अवसर मिलेगा। इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम को ग्रुप बी में रखा गया है। इसमें उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से 2 मई, जापान से 5 मई और लेबनान से 8 मई को होगा। ये सभी मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे खेले जाएंगे। गोलकीपर: मुन्नी, सूरजमुनी कुमारी, तम्फसाना देवी डिफेंडर: अलीना देवी, अलीशा लिंगदोह, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेद लाकड़ा, जॉयशिनी चानू, रितु बड़ाईक, तानिया देवी मिडफील्डर: अभिस्ता बासनेट, अल्वा देवी, बोनिफिलिया शुल्लई, जुलान नोंगमैथेम, प्रितिका बर्मन, रेडिमा देवी, थंडामोनी बास्की फॉरवर्ड: अनुष्का कुमारी, अनविता रघुरामन, जोया, ओलिविया चानू, पर्ल फर्नांडीस, वैलैना फर्नांडीस।

अमीर-गरीब देशों के बीच बढ़ी खाई

UN रिपोर्ट में खुलासा, स्थिति हुई और गंभीर

■ दिल्ली,

संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि अमीर और गरीब देशों के बीच आर्थिक अंतर लगातार बढ़ रहा है. इसका कारण पिछले साल कई देशों द्वारा किए गए समझौतों, जिनमें प्रमुख वैश्विक वित्तीय संस्थानों का सुधार करना भी शामिल है, इन वादों को अब तक पूरा नहीं किया गया, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है. स्पेन के सेविल शहर में जून 2025 में अपनाए गए सेविल कमिटमेंट का उद्देश्य 2030 तक विकास लक्ष्यों को हासिल करना और वित्तीय अंतर को कम करना था. इस रिपोर्ट को अगले सप्ताह वॉशिंगटन में होने वाली अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की बैठक से पहले जारी किया गया है. आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि आईएमएफ वैश्विक विकास को बेहतर बनाने के लिए तैयार था, लेकिन ईरान युद्ध ने अब विश्व अर्थव्यवस्था के लिए संभावनाओं को धूमिल कर दिया है. वहीं संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के महासचिव ली जुनहुआ ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव विकासशील देशों के लिए वित्तीय सहायता जुटाने की चुनौतियों को और बढ़ा रहे हैं. उन्होंने कहा की यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए बेहद जोखिम भरा समय है, क्योंकि भू-राजनीतिक कारक आर्थिक संबंधों और वित्तीय नीतियों को तेजी से प्रभावित कर रहे हैं.

1 व्यापार बाधाएं और जलवायु संकट भी जिम्मेदार

रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती व्यापार बाधाएं और बार-बार आने वाले जलवायु आपदाएं भी इस असमानता को बढ़ा रही हैं. पिछले साल सेविले में आयोजित सम्मेलन में, संयुक्त राज्य अमेरिका को छोड़कर, विश्व के कई देशों के नेताओं ने सर्वसम्मति से सेविले प्रतिबद्धता को अपनाया, जिसका उद्देश्य विकास के लिए सालाना 4 ट्रिलियन डॉलर के वित्तपोषण अंतर को कम करना था. इसमें विकासशील देशों में निवेश बढ़ाने और विश्व बैंक और आईएमएफ सहित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचे में सुधार करने का आह्वान किया गया था.

2 शुल्कों का विकासशील देशों पर पड़ा प्रभाव

प्रारंभिक आंकड़ों के आधार पर कहा जा रहा है कि 2026 में 5.8% की और गिरावट की उम्मीद है. रिपोर्ट मे कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए शुल्कों सहित अन्य शुल्कों का विकासशील देशों पर बड़ा प्रभाव पड़ा है. रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे गरीब देशों से निर्यात पर औसत शुल्क 2025 में 9% से बढ़कर 28% हो गया, और चीन को छोड़कर अन्य विकासशील देशों के लिए औसत शुल्क 2% से बढ़कर 19% हो गया. यूएन ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वैश्विक असमानता और बढ़ेगी. सेविल कमिटमेंट को इस समस्या का सबसे बड़ा समाधान बताया गया है, लेकिन इसके प्रभावी क्रियान्वयन की जरूरत है.

25 देशों ने की सहायता में कमी | **2030** का विकास लक्ष्य हासिल करना मुश्किल

23% की गिरावट आर्थिक मदद में

59% की गिरावट के साथ US सबसे ऊपर

28% हो गया निर्यात पर औसत शुल्क

5.8% की हो सकती और गिरावट

आईएमएफ और विश्व बैंक पर उठे सवाल

- यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बार-बार इन दोनों संस्थानों में बड़े बदलावों की मांग की है, उनका कहना है कि आईएमएफ ने गरीब देशों के बजाय अमीर देशों को फायदा पहुंचाया है, जबकि विश्व बैंक अपने मिशन में विफल रहा है, खासकर कोविड-19 महामारी के दौरान, जिसने दर्जनों देशों को भारी कर्ज में डुबो दिया. उनकी आलोचनाएं उन बाहरी आलोचकों की आलोचनाओं से मिलती-जुलती हैं जो विकासशील देशों में अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों के वित्तीय संस्थानों में निर्णय लेने की शक्ति पर हावी होने से व्याप्त असंतोष का हवाला देते हैं.
- सेविल प्रतिबद्धता के कार्यान्वयन पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह बढ़ते वित्तीय अंतर को पाटने की सबसे अच्छी उम्मीद का प्रतिनिधित्व करता है.
- रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में 25 देशों ने गरीब देशों को दी जाने वाली विकास सहायता में कमी की, जिसके परिणामस्वरूप 2024 की तुलना में कुल मिलाकर 23% की गिरावट आई, जो अब तक की सबसे बड़ी वार्षिक गिरावट है .इसमें अमेरिका की हिस्सेदारी 59% की गिरावट के साथ सबसे ज्यादा रही.

चीन के बाद भारत को भी लगा बड़ा झटका

अमेरिकी बाजार में भारतीय टेक्सटाइल की डिमांड धड़ाम

■ दिल्ली,

ऊंचे टैरिफ के कारण अमेरिकी कंज्यूमर की घटती मांग के चलते भारत के टेक्सटाइल और गारमेंट एक्सपोर्ट को बड़ा झटका लगा है. फरवरी 2026 में अमेरिका को भेजे जाने वाले भारतीय टेक्सटाइल एक्सपोर्ट में 29% की भारी गिरावट आई, जो 0.63 बिलियन डॉलर ही रहा. यह लगातार छठा महीना है जब एक्सपोर्ट में कमी आई है. जनवरी-फरवरी 2026 की अवधि में, अमेरिका को भारतीय टेक्सटाइल का निर्यात व्यापार 1.34 बिलियन डॉलर रहा, जो पिछले साल इसी अवधि में 1.69 बिलियन डॉलर था. शुरुआत में, निर्यात को अमेरिका की भारी टैरिफ दरों से जूझना पड़ा था, जो कुछ मौकों पर 50% तक पहुंच गई थीं. हालांकि, 20 फरवरी, 2026 को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इन टैरिफ को खत्म कर दिया और 10% का ग्लोबल टैरिफ लागू किया. इसके बाद 4 फरवरी, 2026 के आसपास ट्रेड नेगोशिएशन्स के चलते कई भारतीय सामानों पर बेसलाइन टैरिफ को घटाकर 18% कर दिया गया. हालांकि इन टैरिफ राहतों के बावजूद, मार्केट में रिकवरी धीमी है.

टैरिफ से राहत का नहीं दिखा फायदा : फरवरी 2026 में अमेरिका ने अतिरिक्त टैरिफ में राहत दी है, लेकिन इसका फायदा अभी तक निर्यात में दिखाई नहीं दिया है. कई अमेरिकी खरीदार पहले ही जोखिम से बचने के लिए भारत से ऑर्डर हटाकर अन्य देशों की ओर रुख कर चुके हैं. 2025 में अमेरिकी आयात में कमी, टैरिफ के कारण बढ़ी महंगाई, कमजोर उपभोक्ता मांग का असर पड़ा.

28.7% घटी शिपमेंट

57.65% की गिरावट चीन से इम्पोर्ट में

16.4% की कमी बांग्लादेश से US आयात में

5% की बढ़त दर्ज की वियतनाम ने

13.47% रहा अमेरिकी टेक्सटाइल इम्पोर्ट मार्केट

टॉप अपैरल एक्सपोर्टर बना वियतनाम

- इस मुश्किल दौर में, वियतनाम अमेरिका का टॉप अपैरल एक्सपोर्टर बनकर उभरा है. 2026 के पहले दो महीनों में वियतनाम ने 2.99 बिलियन डॉलर के शिपमेंट भेजे, जो पिछले साल की तुलना में 5% अधिक है. वहीं, चीन के एक्सपोर्ट में भारी गिरावट आई है. जनवरी-फरवरी 2026 में चीन के एक्सपोर्ट 57.65% गिरकर 1.17 बिलियन डॉलर पर आ गए, जिससे वह तीसरे स्थान पर खिसक गया. बांग्लादेश दूसरे सबसे बड़े सप्लायर के रूप में उभरा है, हालांकि इसके निर्यात में भी 8% की गिरावट आई है.

 # NEWS विडो

शहद के लिए एमईपी की अवधि बढ़ी

दिल्ली. सरकार ने प्राकृतिक शहद पर न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) की अवधि को नौ महीने यानी इस साल 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया. यह कदम सस्ते शहद के निर्यात खेपों को रोकने के मकसद से उठाया गया है. सरकार ने प्राकृतिक शहद के लिए 1,400 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य तय किया हुआ है. विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा प्राकृतिक शहद के निर्यात पर मौजूदा 1,400 डॉलर एफओबी (फ्रेट ऑन बोर्ड) प्रति टन एमईपी को 31 दिसंबर, 2026 तक बढ़ा दिया गया है.

कार्रवाई : देशभर में जारी है एलपीजी कालाबाजारी करने वालों पर एक्शन

1.2 लाख छापे और 53 वितरक सस्पेंड

■ दिल्ली,

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट के बीच घरेलू स्तर पर एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए सरकार ने प्रवर्तन कार्रवाइयां काफी तेज कर दी हैं. पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि गैस आपूर्ति में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ अब तक देश भर में 1.2 लाख से अधिक छापे मारे जा चुके हैं और तेल विपणन कंपनियों ने अचानक निरीक्षण की गति बढ़ा दी है. सुजाता शर्मा के बयान के अनुसार इन सघन छापों के दौरान 57,000 से अधिक गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं, 950 से अधिक एफआईआर दर्ज की गई हैं और 229 लोगों की गिरफ्तारी हुई है. उन्होंने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने सख्त कदम उठाते हुए 2100 से अधिक कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं, 204 एलपीजी वितरकों पर भारी जुर्माना लगाया है और 53 वितरकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है.

केवल 9 अप्रैल 2026 को ही देशभर में 3800 से अधिक स्थानों पर छापे मारे गए, जिनमें लगभग 450 सिलेंडर जब्त किए गए. वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति के कारण गैस की आपूर्ति प्रभावित जरूर हुई है, लेकिन वितरकों के स्तर पर आपूर्ति बंद होने की कोई सूचना नहीं मिली है. सुजाता शर्मा ने बताया कि माल की हेराफेरी को रोकने के लिए 'डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड' (डीएसी) आधारित डिलीवरी में लगभग 92 प्रतिशत और ऑनलाइन बुकिंग में 98 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है. औद्योगिक कार्यों की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए फार्मा, खाद्य, पॉलिमर और इस्पात जैसे प्रमुख क्षेत्रों को मार्च 2026 से पहले की खपत का 70 प्रतिशत एलपीजी हिस्सा दिया जाएगा, जो कि 0.2 टीएमटी प्रति दिन की समग्र सीमा के अधीन होगा. इसके अलावा, 14 मार्च 2026 से अब तक लगभग 1,06,093 मीट्रिक टन वाणिज्यिक एलपीजी की बिक्री हो चुकी है.

विदेशी मुद्रा भंडार $9.06 अरब बढ़ा

697.12 अरब डॉलर पर पहुंचा

■ मुंबई,

देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 9.06 अरब डॉलर बढ़कर 697.12 अरब डॉलर हो गया. इससे एक सप्ताह पहले 27 मार्च को समाप्त अवधि में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.28 अरब डॉलर घटकर 688.06 अरब डॉलर रह गया था. देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 फरवरी, 2026 को समाप्त सप्ताह में 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था. इसके बाद पश्चिम एशिया संकट के कारण इस भंडार में कई सप्ताह तक गिरावट देखी जा रही थी. असल में, पश्चिम एशिया संकट के बाद रुपए पर बने हुए दबाव के बीच केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर की बिक्री के जरिये हस्तक्षेप करता रहा है.

कच्चे तेल की मार: एफएमसीजी और पेंट उद्योग पर दबाव, रोजमर्रा के सामान होंगे महंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतों का असर अब सीधे आम लोगों की जेब पर पड़ने लगा है। एफएमसीजी (तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता सामान) और पेंट उद्योग पर बढ़ते लागत दबाव के कारण बिस्किट, साबुन, खाने का तेल और पेंट जैसे रोजमर्रा के उत्पाद महंगे होने की कगार पर हैं। कंपनियां बढ़ती लागत से निपटने के लिए कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ पैकेट का साइज घटाने (श्रिंकफ्लेशन) जैसी रणनीतियां अपना रही हैं। बाजार रिपोर्ट्स के अनुसार कुछ ब्रांड्स ने महीने की शुरुआत से ही चुनिंदा उत्पादों के दाम बढ़ा दिए हैं, वहीं खाद्य तेल कंपनियों ने 4 से 5 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी कर दी है। पाम ऑयल की बढ़ती कीमतें इस पूरे संकट की एक बड़ी वजह बनकर सामने आई हैं। पाम ऑयल जहां खाने के तेल का प्रमुख घटक है, वहीं साबुन निर्माण में भी इसका व्यापक उपयोग होता है। इसके कारण बीकाजी, ब्रिटानिया और नेस्ले जैसी एफएमसीजी कंपनियों के साथ-साथ हिंदुस्तान यूनिलीवर और गोदरेज जैसी कंपनियों की लागत भी बढ़ गई है। एलपीजी पर निर्भर पैक्ड फूड कंपनियों को भी उत्पादन लागत में भारी इजाफे का सामना करना पड़ रहा है। कुछ कंपनियों ने उत्पादन कम कर दिया है या अस्थायी रूप से रोक दिया है, जिससे बाजार में सप्लाई प्रभावित होने और कीमतें बढ़ने की आशंका है। उद्योग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि छोटे पैकेटों का वजन घटाया जा सकता है, जबकि बड़े पैक की कीमतों में सीधी बढ़ोतरी की जाएगी। पेंट उद्योग भी इस दबाव से अछूता नहीं है। इस सेक्टर में करीब 40 प्रतिशत कच्चा माल कच्चे तेल से जुड़ा होता है। बर्जर पेंट्स, कंसाई नेरोलैक और जेएसडब्ल्यू डुलक्स पहले ही अपने उत्पादों के दाम बढ़ा चुके हैं, जबकि एशियन पेंट्स आने वाले समय में 6 से 8 प्रतिशत तक कीमत बढ़ाने की तैयारी में है। विश्लेषकों का मानना है कि कच्चे माल की बढ़ती कीमतों से कंपनियों के मुनाफे पर दबाव बढ़ेगा, जिसका असर वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में साफ तौर पर दिखाई दे सकता है। ऐसे में आने वाले महीनों में महंगाई का असर और गहरा होने की संभावना है।

हाजिर मांग के सहारे तांबा मजबूत, वायदा भाव 1,180 रुपये प्रति किलो पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कमोडिटी बाजार में तांबे की कीमतों में तेजी का रुख देखने को मिला है। हाजिर बाजार में बढ़ती मांग के चलते मंगलवार को तांबे का वायदा भाव तीन रुपये की बढ़त के साथ 1,180 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मई डिलीवरी वाले तांबे के अनुबंध में यह तेजी दर्ज की गई। कारोबार के दौरान इस कॉन्ट्रैक्ट में कुल 126 लॉट का लेनदेन हुआ, जो बाजार में सक्रियता को दर्शाता है। विश्लेषकों के अनुसार तांबे की कीमतों में यह उछाल मुख्य रूप से हाजिर मांग में मजबूती और बाजार प्रतिभागियों द्वारा बढ़े हुए दांव के कारण आया है। औद्योगिक गतिविधियों में सुधार के संकेत भी इस तेजी को समर्थन दे रहे हैं। कमोडिटी विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मांग का यह रुख बरकरार रहता है, तो आने वाले दिनों में तांबे की कीमतों में और मजबूती देखने को मिल सकती है। हालांकि वैश्विक बाजार के उतार-चढ़ाव और डॉलर की चाल भी कीमतों को प्रभावित कर सकती है।

सोना-चांदी में युद्ध के बाद भारी गिरावट से निवेशक हो रहे हैरान

2025 में रिकॉर्ड रिटर्न के बाद अचानक बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध ने निवेशकों को चौंका दिया है। 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाली कीमती धातुएं सोना और चांदी अब लगातार गिरावट का सामना कर रही हैं। वैश्विक अनिश्चितता और डॉलर की मजबूती ने बुलियन के दामों पर दबाव डाल दिया है। 2025 में सोना और चांदी ने निवेशकों को बड़ा मुनाफा दिया था। चांदी की कीमत में 165 फीसदी से अधिक और सोने में 75 फीसदी से अधिक की बढ़त हुई थी। जनवरी 2026 में यह तेजी जारी रही, जब सोना 5,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया और चांदी 121 डॉलर प्रति औंस तक। इस प्रदर्शन ने संकेत दिया कि केंद्रीय बैंक और निवेशक अपने पोर्टफोलियो में बड़े बदलाव कर रहे थे। ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध के शुरू होने पर सोना और चांदी में हल्की तेजी देखने को मिली। शुरुआत में निवेशकों ने इसे सुरक्षित निवेश की तरह देखा। हालांकि, यह तेजी ज्यादा समय तक टिक नहीं पाई। युद्ध लंबा खिंचता गया और तेल की कीमतें बढ़ने लगीं। विश्लेषकों का कहना है कि युद्ध के कारण वैश्विक आर्थिक गतिविधियां धीमी हुईं। अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ, जिससे सोना और चांदी की कीमतों पर दबाव पड़ा। एक्सिस सिक्योरिटीज के एक व ?रिष्ठ ?विश्लेषक के अनुसार अमेरिका ने ईरान की प्रतिक्रिया का गलत आकलन किया था। होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने और महंगाई के बढ़ने से फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम हुई। अपने रिकॉर्ड हाई से अब तक सोने की कीमत लगभग 16 फीसदी गिरकर 4,680 डॉलर प्रति औंस पर आ गई है। चांदी में और तेज गिरावट देखने को मिली है, जो 35 फीसदी से अधिक टूटकर करीब 74 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है।

पश्चिम एशिया संकट पर सरकार की बड़ी तैयारी: 2.5 लाख करोड़ की ऋण गारंटी योजना से एमएसएमई को राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव का असर अब भारतीय कारोबार पर भी पड़ने लगा है। इस स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) सहित प्रभावित कारोबारों को राहत देने के लिए 2.5 लाख करोड़ रुपये की बड़ी ऋण गारंटी योजना लाने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित योजना के तहत अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण यदि उधारकर्ता ऋण चुकाने में चूक करते हैं, तो सरकार की ओर से उधारदाताओं को 100 करोड़ रुपये तक के कर्ज पर करीब 90 प्रतिशत तक की गारंटी दी जाएगी। यह गारंटी नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी) द्वारा प्रदान की जाएगी, जो सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई है। बताया जा रहा है कि इस योजना को लागू करने के लिए सरकार को लगभग 17,000 से 18,000 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान करना होगा। इससे बैंकों का जोखिम कम होगा और वे प्रभावित उद्योगों को आसानी से ऋण दे सकेंगे। यह पहल कोविड-19 महामारी के दौरान लागू की गई आपात ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) की तर्ज पर तैयार की जा रही है। वर्ष 2020 में शुरू की गई इस योजना ने एमएसएमई सहित कई क्षेत्रों के कारोबारों को संकट के दौर में बड़ी राहत दी थी। उस योजना के तहत पात्र उधारकर्ताओं को दिए गए ऋण पर 100 प्रतिशत गारंटी दी गई थी, जिससे व्यवसायों को संचालन जारी रखने और वित्तीय दायित्वों को पूरा करने में मदद मिली। सरकार का मानना है कि मौजूदा वैश्विक हालात में भी इसी तरह का समर्थन आवश्यक है, ताकि कारोबार प्रभावित न हों और आर्थिक गतिविधियां सुचारू बनी रहें। प्रस्तावित योजना की संरचना भी सरल रखने पर जोर है, जिससे पात्र इकाइयों को बिना जटिल प्रक्रिया के आसानी से ऋण मिल सके। इसके साथ ही सरकार ने आम जनता और उद्योगों को राहत देने के लिए हाल ही में कई कदम उठाए हैं। इनमें पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती, पेट्रोकेमिकल उत्पादों के आयात पर छूट और विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) इकाइयों को घरेलू शुल्क क्षेत्र में संचालन की अनुमति शामिल है। 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती कर उपभोक्ताओं को राहत दी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

रक्षा मंत्री तक पहुंचेगी सदर के अस्पताल की मनमानी की गूंज

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। सदर स्थित मोतीलाल नेहरू चिकित्सालय में ओपीडी और विभिन्न जांच सेवाओं के शुल्क में की गई बढ़ोतरी से आम जनता में असंतोष व्याप्त है। अस्पताल प्रशासन द्वारा ओपीडी पर्ची की फीस बढ़ाकर 50 रुपये कर दी गई है। इसके साथ ही सोनोग्राफी, एक्स-रे और अन्य पैथोलॉजी जांचों की दरों में भी काफी वृद्धि की गई है। इस निर्णय से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए इलाज कराना चुनौतीपूर्ण हो गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जनकल्याणकारी अस्पताल में इस तरह की फीस वृद्धि मरीजों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाल रही है।

ज्ञापन में दी आंदोलन की चेतावनी

मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन ने इस शुल्क वृद्धि को अनुचित बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया है। संगठन के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार वाधवानी ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाएं मौलिक अधिकार हैं और इसे व्यापार का रूप देना गलत है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि 1 सप्ताह के भीतर बढ़ी हुई दरें वापस नहीं ली गईं, तो रक्षा मंत्री और कैंट बोर्ड के डायरेक्टर जनरल को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन में एडवोकेट आशीष त्रिपाठी, भावना निगम, डॉ. अशोक मेठवानी, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. अंकित मिश्रा, रोशन मंध्यानी और अमित खत्री सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में प्रशासन से जनहित में फीस घटाने की मांग की है।

रांझी नगर निगम के पंप हाऊस की बिजली से चार्ज हो रहा था ई-रिक्शा

जबलपुर। रांझी बड़ा पत्थर मरघटाई के समीप स्थित नगर निगम के पंप हाऊस में अवैध रूप से ई-रिक्शा जार्च किए जाने की शिकायत मिलने पर जांच के लिए पहुंचे अधिकारी वहां का नजारा देख भौंचके रह गए। पंप हाऊस की बिजली से निजी ई-रिक्शा जार्च किया जा रहा था। पूछताछ में पता चला कि ई-रिक्शा पंप आपरेटर का ही था। जिसके बाद नगर निगम के अधिकारियों ने पूरे प्रकरण की सूचना जल विभाग, बिजली कंपनी व पुलिस को दी।

नगर निगम जोन मांक 10 के संभागीय अधिकारी नरेश शर्मा ने बताया कि उन्हें लगातार शिकायत मिल रही थी कि मरघटाई पॉवर हाऊस के समाने स्थित पंप हाऊस से बिजली चोरी कर निजी रिक्शा चार्ज किए जा रही हैं। जिसको संज्ञान में लेते हुए पंप हाऊस का औचक निरीक्षण किया। जिसमें शिकायत को सही पाया गया।

निरीक्षण के दौरान एक ई-रिक्शा को पंप हाऊस की बिजली से चार्ज किया जा रहा था। मौके पर मौजूद पंप आपरेटर सिद्धार्थ चौधरी से पूछताछ की करने पर पता चला कि उक्त ई-रिक्शा उसी का है। इसके बाद पूरे प्रकरण को आगे की विभागीय कार्यवाही के लिए जल विभाग को सुपुर्द कर दिया गया।

भाजयुमो नगराध्यक्ष के लिए संगठन ने दी पूर्व को तवज्जो!

शक्ति संतुलन की कवायदः मजबूत किलों के बजाय चुनौतीपूर्ण क्षेत्र पर भाजपा का बढ़ा फोकस अन्य विधानसभा क्षेत्रों के नेताओं के इनकार के बाद संगठन निकाल रहा मध्य मार्ग

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। शहर में भाजयुमो नगर अध्यक्ष पद की नियुक्ति को लेकर चल रही रस्साकशी अब एक नए और निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। भारतीय जनता पार्टी के भीतर चल रहे शक्ति संतुलन और क्षेत्रीय नेताओं के रुख ने चयन प्रक्रिया के समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है। शहर के राजनीतिक हलकों में यह स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि संगठन अब उन क्षेत्रों पर अपनी पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है, जहां विपक्षी दल कांग्रेस की पकड़ मजबूत है। भाजपा के रणनीतिकारों का मानना है कि आगामी नगर निगम चुनाव और भविष्य की युवा मोर्चा की कमान पूर्व विधानसभा क्षेत्र के किसी सक्रिय चेहरे को सौंपना सबसे अधिक लाभप्रद साबित हो सकता है।

क्या है इस रणनीति के पीछे की वजह

शहर की प्रमुख विधानसभा सीटों कैंट, उत्तर और पश्चिम में भारतीय जनता पार्टी की स्थिति पहले से ही काफी सुदृढ़ मानी जाती है। इन क्षेत्रों में पार्टी के पास कद्दावर नेताओं और विधायकों की एक लंबी फेहरिस्त है। सूत्रों के अनुसार, इन तीनों विधानसभाओं के प्रमुख नेताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों से युवा मोर्चा अध्यक्ष के चयन को लेकर फिलहाल मौन साध लिया है। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि ये नेता अपने क्षेत्र के किसी एक विशेष कार्यकर्ता को पद दिलाकर अन्य सक्रिय कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष पैदा नहीं करना चाहते। संगठन का मानना है कि जब तीन दिशाओं में पार्टी का किला सुरक्षित है, तो चौथी दिशा यानी पूर्व क्षेत्र में नेतृत्व विकसित करना समय की मांग है।

पूर्व विधानसभा में कांग्रेस की घेराबंदी

पूर्व विधानसभा क्षेत्र वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के लिए एक कठिन राजनीतिक रणक्षेत्र बना हुआ है। यहां से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लखन घनघोरिया विधायक हैं, जिनकी पकड़ स्थानीय स्तर पर मजबूत मानी जाती है। इसके साथ ही युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया का प्रभाव भी इसी क्षेत्र में अधिक सक्रिय है। विपक्ष की इस दोहरी घेराबंदी को तोड़ने के लिए भाजपा अब युवा मोर्चा को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करना चाहती है। शीर्ष पदाधिकारियों का आकलन है कि यदि युवा मोर्चा का नगर अध्यक्ष पूर्व क्षेत्र से बनाया जाता है, तो वर्तमान विधायक के प्रभाव वाले वार्डों में भाजपा की सक्रियता बढ़ जाएगी।

ननि चुनाव और जातिगत समीकरण

पार्टी के रणनीतिकारों ने अब अपनी कार्ययोजना को सत्ता पक्ष वाले क्षेत्रों से हटाकर विपक्षी विधायक वाले क्षेत्रों पर केंद्रित कर दिया है। संगठन को पता है कि पूर्व विधानसभा क्षेत्र में अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के मतदाताओं की संख्या काफी अधिक है, जिन्हें साधने के लिए भाजपा को एक ऐसे युवा चेहरे की आवश्यकता है जो स्थानीय मुद्दों पर आक्रामक राजनीति कर सके। यही कारण है कि कैंट, उत्तर और पश्चिम से दर्जनों नाम चर्चा में होने के बावजूद संगठन की प्राथमिकता सूची में पूर्व के दावेदार सबसे ऊपर है।

देर तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद आग पर काबू पा लिया गया

धधक उठा टिंबर मार्ट शॉर्ट सर्किट से लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता।

शहर के गंगासागर इलाके में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब श्री सत्यसाई टिंबर एंड प्लाईवुड की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में दुकान धू-धू कर जलने लगी और आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। घटना को देखकर आसपास के लोगों में दहशत फैल गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुकान के अंदर रखी सीएनसी मशीन में अचानक हुए शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़क उठी। मशीन से निकली चिंगारी ने देखते ही देखते पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। दुकान में बड़ी मात्रा में प्लाईवुड और अन्य ज्वलनशील सामग्री रखी होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग हरकत में आया और तीन फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर फाइटरों ने कड़ी मशक्कत करते हुए आग बुझाने का काम शुरू किया। काफी देर तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक दुकान के भीतर रखा अधिकांश सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो चुका था।

दुकान संचालक शैलेश के अनुसार, इस आगजनी में लगभग 5 से 6 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। सीएनसी मशीन समेत अन्य कीमती उपकरण और प्लाईवुड पूरी तरह जल गए हैं। गनीमत यह रही कि दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से आग को आसपास के रिहायशी इलाके में फैलने से रोक लिया गया। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो यह हादसा और भी बड़ा रूप ले सकता था।

फिलहाल, पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच में जुटे हैं और शॉर्ट सर्किट को आग लगने की मुख्य वजह माना जा रहा है।

गोलबाजार में चला ननि अभियान, अतिक्रमण से मिली मुक्ति

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। शहर की धड़कन कहे जाने वाले गोलबाजार क्षेत्र में आज प्रशासन का सख्त और सुधारात्मक चेहरा देखने को मिला। सुबह निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के औचक निरीक्षण के बाद, दोपहर होते-होते निगम, जिला और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से पूरे क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कर दिया। इस बड़ी कार्यवाही से सालों से जाम की समस्या झेल रहे राहगीरों और व्यापारियों ने राहत की सांस ली है।

कार्यवाही की शुरुआत आज सुबह तब हुई जब निगमायुक्त ने स्वयं गोलबाजार का पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि सड़कों और फुटपाथों पर अवैध कब्जों के कारण आम जनता का पैदल चलना भी दूभर हो गया है। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए, जिसका असर दोपहर होते-होते धरातल पर नजर आने लगा।

संयुक्त टीम ने हटाया 50-60 अवैध कब्जा

दोपरह को नगर निगम की टीम, जिला प्रशासन के अधिकारियों और भारी पुलिस बल के साथ गोलबाजार पहुंची। इस संयुक्त कार्यवाही के दौरान सड़क घेरे हुए लगभग 50 से 60 अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया। नालियों के ऊपर बने पक्के और कच्चे ढांचों को साफ किया गया।

शहर की सुंदरता और सुगमता पर जोर प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य केवल अतिक्रमण हटाना ही नहीं, बल्कि गोलबाजार को व्यवस्थित और सुंदर बनाना है। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। कार्यवाही के दौरान अतिक्रमण अधिकारी मनीष तड़से के साथ भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे।

गोल बाजार की सूरत बदलने की तैयारी, अब सड़कों पर नहीं, फुटपाथ पर टहलेंगे राहगीर

निगमायुक्त ने अधिकारियों के साथ निरीक्षण कर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने दिए निर्देश

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। शहर के सबसे व्यस्ततम और हृदय स्थल माने जाने वाले गोल बाजार क्षेत्र को जल्द ही कायाकल्प किया जाएगा । नगर निगम ने इस पूरे क्षेत्र को व्यवस्थित, अतिक्रमण मुक्त और सुंदर बनाने का निर्णय लिया है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने अधिकारियों की टीम के साथ क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया और स्थानीय नागरिकों की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए।

प्रमुख बदलाव जो आप जल्द देखेंगे

निगमायुक्त ने बताया कि गोल बाजार के चारों ओर के फुटपाथों को पूरी तरह व्यवस्थित किया जाएगा, ताकि पैदल चलने वालों को कोई परेशानी न हो। सड़कों और फुटपाथों पर होने वाले अवैध कब्जों को हटाकर आवागमन को सुगम बनाया जाएगा।

बैकलेन का होगा कायाकल्प

बाजार की बैकलेन की विशेष सफाई कराई जाएगी। इन्हें इतना स्वच्छ और सुंदर बनाया जाएगा कि नागरिक वहां सुबह-शाम वॉक कर सकें। पूरे क्षेत्र को %ग्रीन और क्लीन% जोन की तरह विकसित किया जाएगा, जिससे स्थानीय जन स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे।

निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे अधिकारी

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त के साथ अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, अशफाक परवेज कुरैशी, वी एन बाजपेई, उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्म आदि उपस्थित रहे।

परीक्षा से पहले व्यवस्थाओं की परीक्षा, तपती धूप में तर-बतर हुए होनहार

जबलपुर । मध्य प्रदेश की प्रतिभा सम्मान योजना की मेन्स परीक्षा रविवार को अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ती नजर आई। प्रदेश के कोने-कोने से संस्कारधानी पहुँचे सैकड़ों छात्र-छात्राएं उस वक्त परेशान हो उठे, जब एडमिट कार्ड में 9:30 बजे की एंट्री और 10:00 बजे का समय होने के बावजूद परीक्षा केंद्र के ताले नहीं खुले। अधारताल स्थित सांदीपनि विद्यालय में भीषण गर्मी और उमस के बीच घंटों खड़े छात्र और उनके अभिभावकों का धैर्य जवाब दे गया। आलम यह था कि परीक्षा अपने निर्धारित समय से एक घंटा देरी यानी सुबह 11:00 बजे शुरू हो सकी। दूर-दराज के जिलों से आए अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन पर मनमानी का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया, क्योंकि चिलचिलाती धूप में बच्चों के लिए बैठने तक के माकूल इंतजाम नहीं थे।

इस पूरे घटनाक्रम पर जब स्कूल प्रशासन से जवाब मांगा गया, तो प्रबंधन ने अपनी गलती मानने के बजाय सारा ठीकरा एग्जाम कोऑर्डिनेटर के सिर फोड़ दिया। स्कूल प्रिंसिपल का तर्क था कि सारा विवाद लिफाफे पर लिखे गलत समय के कारण हुआ; लिफाफे के बाहर परीक्षा का समय 11:00 बजे अंकित था, जबकि उसके भीतर मौजूद प्रश्नपत्रों और निर्देशों में समय 10:00 बजे दर्ज था। इस इनसाइड-आउटसाइड वाले कन्फ्यूजन ने न केवल बच्चों का कीमती समय बर्बाद किया, बल्कि योजना के क्रियान्वयन पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रतिभा का सम्मान करने निकली यह योजना आज बदइंतजामी के कारण बच्चों के मानसिक तनाव का सबब बन गई।

बच्चों के झगड़े में उलझे वकील और सिपाही,जमकर चले लात-घूंसे

● जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत समीक्षा टाउन में बीती शाम बच्चों के विवाद ने तूल पकड़ लिया। इस मामूली बात पर एक अधिवक्ता और पुलिस आरक्षक के बीच जमकर मारपीट हुई। घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति निर्मित हो गई और मामला थाने तक पहुंच गया।समीक्षा टाउन कैंपस में शनिवार शाम करीब 6:30 बजे बच्चे खेल रहे थे। इसी दौरान बच्चों के बीच आपसी कहासुनी और विवाद होने लगा। शोर सुनकर पड़ोस में रहने वाले जिला न्यायालय के अधिवक्ता पंकज कुमार शर्मा और मदनमहल थाने में पदस्थ पुलिस आरक्षक साकेत तिवारी बाहर निकल आए। बच्चों के झगड़े को लेकर दोनों वयस्कों के बीच बहस शुरू हुई जो देखते ही देखते हाथापाई और मारपीट में बदल गई। साकेत तिवारी यहां प्रकाश सराठे के मकान में किराएदार के तौर पर रहते हैं। हंगामा बढ़ता देख आसपास के रहवासी घरों से बाहर आ गए और बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया।

थाने में कार्रवाई में देरी का आरोप

विवाद के बाद अधिवक्ता पंकज कुमार शर्मा अपने साथियों के साथ सिविल लाइन थाने पहुंचे। अधिवक्ता का आरोप है कि आरक्षक साकेत तिवारी ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए अचानक हमला किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार वह करीब 3 घंटे तक थाने में एफआईआर दर्ज कराने के लिए बैठे रहे, लेकिन वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने प्रकरण दर्ज करने के बजाय समझौता करने का दबाव बनाया। अधिवक्ता ने यह भी दावा किया कि थाने में तैनात ड्यूटी अधिकारी को भी जानबूझकर वहां से हटा दिया गया ताकि शिकायत न लिखी जा सके। इस दौरान बड़ी संख्या में वकील भी साथी के समर्थन में थाने पहुंच गए और पुलिस कार्यप्रणाली पर नाराजगी जाहिर की।

सीसीटीवी फुटेज की जांच होगी

मारपीट की इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दोनों पक्ष आपस में भिड़ते दिखाई दे रहे हैं। अधिवक्ता ने यह फुटेज साक्ष्य के तौर पर पुलिस को सौंप दिया है। दूसरी तरफ पुलिस आरक्षक ने भी अधिवक्ता पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सिविल लाइन थाने पहुंचे और दोनों पक्षों की बातें सुनीं। पुलिस अधिकारियों ने घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है, जिसके बाद कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जज्बा

रांझी में पार्षद के झूठे वादों से तंग जनता ने खुद बनाई राह

चंदा जुटाकर शुरू किया पुलिया निर्माण

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। शहर के रांझी क्षेत्र में प्रशासनिक लापरवाही और जनप्रतिनिधियों के वादाखिलाफी के खिलाफ एक अनोखा लेकिन सख्त संदेश देने वाला मामला सामने आया है। जबलपुर कैंट विधानसभा अंतर्गत भगत सिंह वार्ड के सर्रापीपल इलाके में वर्षों से लंबित नाली पर पुलिया निर्माण को लेकर जनता का सब्र आखिरकार टूट गया। बार-बार गुहार लगाने के बावजूद जब न नगर निगम ने ध्यान दिया और न ही स्थानीय पार्षद ने समस्या का समाधान किया, तो क्षेत्रवासियों ने खुद ही जिम्मेदारी उठाते हुए पुलिया निर्माण शुरू कर दिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, लंबे समय से वे पार्षद निशांत झरिया और नगर निगम अधिकारियों के चक्कर काट रहे थे। हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला। पार्षद द्वारा टेंडर प्रक्रिया का हवाला देकर काम टाल दिया जाता था, जबकि निगम अधिकारियों की ओर से भी कोई ठोस पहल नहीं की गई। इतना ही नहीं, लोगों

ने सीएम हेल्पलाइन पर भी कई बार शिकायत दर्ज कराई, लेकिन आरोप है कि शिकायतों का समाधान करने के बजाय दबाव बनाकर उन्हें बंद करवा दिया गया।

पुलिया के अभाव में क्षेत्र में आए दिन दुर्घटनाएं हो रही थीं, जिससे लोगों में नाराजगी और बढ़ती गई। वहीं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा केवल फोटो खिंचवाने तक सीमित गतिविधियों ने लोगों के गुस्से को और भड़का दिया। आखिरकार, मोहल्ले के लोगों ने आपस में चंदा इकट्ठा किया और खुद ही पुलिया निर्माण का काम शुरू कर दिया।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि जब प्रशासन अपनी जिम्मेदारी निभाने में असफल है, तो उसे जनता से वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं है। इसी नाराजगी के चलते स्थानीय लोगों ने आगामी नगर निगम चुनाव में सामूहिक रूप से वोट बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। यह मामला न सिर्फ प्रशासनिक उदासीनता को उजागर करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि जब व्यवस्था विफल हो जाती है, तो जनता खुद अपने हक के लिए खड़ी हो जाती है।

स्वच्छता का जन-आंदोलनजबलपुर को नंबर-1 बनाने पार्षद और जनता ने थामी झाड़ू

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। शहर को स्वच्छता के शिखर पर पहुँचाने के लिए नगर निगम का अभियान अब एक जन-आंदोलन बनता जा रहा है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के प्रयास युद्ध लगातार जारी हैं। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता तभी स्थाई होगी जब इसमें हर नागरिक की भागीदारी होगी।

चेरीताल वार्ड में दिखी भागीदारी की मिसाल-स्वच्छता के प्रति इसी समर्पण की एक प्रेरक तस्वीर चेरीताल वार्ड में देखने को मिली। यहाँ स्थानीय पार्षद श्रीमती प्रतिभा भापकर ने केवल निर्देशों तक सीमित न रहकर स्वयं जमीन पर उतरकर कमान संभाली। वार्ड की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर झाड़ू थामी और सड़कों की सफाई की। इस अभियान की खास बात यह रही कि यहाँ केवल कचरा ही नहीं हटाया गया, बल्कि वार्ड को %विजुअल ट्रीट% देने का प्रयास भी हुआ। पार्षद और

उनके साथियों ने मिलकर वार्ड की दीवारों पर आकर्षक पेंटिंग बनाई। कला के माध्यम से स्वच्छता का संदेश देने की इस पहल की स्थानीय लोगों ने जमकर सराहना की है। आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने दोहराया कि जबलपुर को स्वच्छ बनाने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। चेरीताल पार्षद श्रीमती प्रतिभा भापकर ने खुद झाड़ू लगाकर नागरिकों को प्रेरित किया। दीवारों पर पेंटिंग बनाकर शहर के सौंदर्यकरण पर जोर दिया गया। स्थानीय लोगों ने स्वेच्छा से आगे आकर इस अभियान को %जन-आंदोलन बनाया।

स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रकाशक एवं मुद्रक विशाखा अवस्थी द्वारा श्री हनुमत कृपा पब्लिकेशन से मुद्रित एवं ब्लॉक -7, हॉल ए-7 स्कीम-18, जेडीए ऑफिस के बाजू, सिविक सेंटर से प्रकाशित। RNI NO. MPHIN/25/A1541
सलाहकार संपादक अरविंद शीले, प्रबंध संपादक श्रवण मिश्रा, संपादक मदन मोहन अवस्थी* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार दूरभाष -9827007217, 9425856600, 0761-3515636, भोपाल कार्यालय- 9229122444, 0755-3167255